11-06-2025 Final_11-06-2025 Final.qxd 6/10/2025 11:32 PM Page 1

11 जून 2025
बुधवार

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

आपकी आवाज

पीएम किसान सम्मान निधि योजना छोटे व सीमांत किसानों के लिए मील की पत्थर

2

प्रमुख खबरें : दिल्ली ■ पटना ■ बक्सर ■ शाहाबाद ■ मगध ■ सारण ■ मिथिलांचल ■ चंपारण ■ पूर्वांचल ■ लखनऊ

बोले विदेश मंत्री जयशंकर... आतंकी कहीं भी हों, हम उन्हें छोड़ेंगे नहीं

एजेंसी/नई दिल्ली

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा है कि भारत को उम्मीद है कि अमेरिका के साथ द्विपक्षीय व्यापार करार समझौता 9 जुलाई से पहले हो जाएगा। दरअसल, ट्रेड डील को लेकर अमेरिका और भारत लगातार वाताएं कर रहे हैं और अभी तक कई राउंड की बातचीत हो चुकी है।

ऐसे में जब विदेश मंत्री से अमेरिका की ओर से 26 फीसदी टैरिफ की धमकी से जुड़ा सवाल पूछा गया तो उन्होंने कहा कि रिसिप्रोकल टैरिफ की बात 2 अप्रैल को सामने आई थी। लेकिन हमने ट्रेड डील को लेकर द्विपक्षीय वाताएं शुरू कर दी थी। फरवरी में राष्ट्रपति ट्रंप के बुलावे पर पीएम मोदी अमेरिका गए थे। कश्मीर को लेकर पूछे गए एक सवाल के जवाब में विदेश मंत्री ने कहा कि ये भारत और आतंकवाद के बीच कॉन्फ्लिक्ट का मसला है। ये पाकिस्तान के साथ कश्मीर को लेकर तनाव का मामला नहीं है। आतंक को लेकर भारत में जीरो टॉलरेंस है। आतंकी अगर भारत पर हमला करेंगे तो हम उन पर एक्शन करेंगे, चाहें वो कहीं भी हों, इसमें पाकिस्तान भी शामिल है। विदेश मंत्री ने कहा इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि आतंकी कहां हैं, वो कहीं भी हो वो पाकिस्तान में गहराई में भीतर हैं तो, हम वहां भी जाएंगे। हम सेल्फ डिफेंस में जरूरी कदम उठाएंगे।

हरियाणा जमीन घोटाला : ईडी के समन पर नहीं पहुंचे रॉबर्ट वाड्रा

जांच ने पकड़ी रफ्तार

- संजय भंडारी से जुड़ा है मनी लॉन्ड्रिंग का मामला
- 2016 में आयकर विभाग की तरफ से दिल्ली में छापेमारी के बाद लंदन भाग गए थे संजय भंडारी

केटी न्यूज/नई दिल्ली

कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा के व्यवसायी पति रॉबर्ट वाड्रा मंगलवार को ब्रिटेन में मौजूद कथित हथियार सलाहकार संजय भंडारी से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के समन पर पूछताछ के लिए नहीं पहुंचे। सूत्रों ने बताया कि वाड्रा ने मंगलवार के समन को स्थगित करने का अनुरोध किया है, और अब उन्हें एक नई तारीख दी जाएगी। सूत्रों के अनुसार, ईडी प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) के तहत रॉबर्ट वाड्रा का बयान दर्ज करना चाहती है और फिर अदालत में उनके खिलाफ आरोप पत्र दाखिल करना चाहती है। हरियाणा में 2008 के एक भूमि सौदे में कथित अनियमितताार पर केंद्रीय जांच एजेंसी ने अप्रैल में 56 वर्षीय व्यवसायी से हरियाणा में 2008 के एक भूमि सौदे में कथित अनियमितताओं से जुड़े एक अलग मनी लॉन्ड्रिंग मामले में लगातार तीन दिनों तक पूछताछ की थी। संजय भंडारी (63) 2016 में आयकर विभाग की तरफ से दिल्ली में उन पर छापा मारे जाने के तुरंत बाद लंदन भाग गए थे। इस महीने की शुरूआत में, ब्रिटेन की एक अदालत ने भारतीय सरकार की तरफ से ब्रिटेन के सुप्रीम कोर्ट में भंडारी के प्रत्यर्पण मामले में आरोपमुक्त करने के खिलाफ अपील करने की अनुमति मांगने वाले एक आवेदन को खारिज कर दिया था, जिससे उन्हें देश में कानून का सामना करने के लिए लाने की संभावना लगभग खत्म हो गई है ईडी ने 2023 में इस मामले में आरोप पत्र दायर किया था, जिसमें आरोप लगाया गया था कि भंडारी ने 2009 में लंदन में 12, ब्रायनस्टन स्क्वायर स्थित घर खरीदा था

रॉबर्ट वाड्रा ने लंदन में संपति से किया था इनकार

रॉबर्ट वाड्रा के निदेर्शों के अनुसार, जिन्होंने नवीनीकरण के लिए धन उपलब्ध कराया था। नवीनीकृत करवाया था। रॉबर्ट वाड्रा ने इस बात से इनकार किया है कि उनके पास प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से कोई लंदन संपत्ति है। ईडी राजस्थान के बीकानेर में एक भूमि सौदे में कथित वित्तीय अनियमितताओं से जुड़े एक अलग मनी लॉन्ड्रिंग मामले में भी वाड्रा की जांच कर रही है। केंद्रीय जांच एजेंसी ने पहले इस मामले में रॉबर्ट वाड्रा और उनकी मां से पूछताछ की थी। इससे पहले भी अप्रैल के महीने में इसी केस में वाड्रा को ईडी ने पूछताछ के लिए बुलाया था। इस दौरान वाड्रा पत्नी और कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी के साथ पहुंचे थे। इस दौरान वाड्रा ने पूछताछ को लेकर कहा था कि मैं एजेंसी के दूसरे समन को देखकर हैरान था।

खबरें फटाफट

औद्योगिक विकास में क्रांतिकारी बदलाव शुरू : मान

चंडीगढ़। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान और मुख्य अतिथि अरविंद केजरीवाल ने आज राज्य में औद्योगिक विकास में क्रांति लाने के लिए 12 नई पहलों की शुरूआत की, जिसके साथ पंजाब में औद्योगिक क्रांति के तहत औद्योगिक विकास और समृद्धि का एक नया युग शुरू हुआ। मुख्य अतिथि अरविंद केजरीवाल ने कहा कि ये 12 पहलें पंजाब में औद्योगिक संचालन के तौर-तरीकों, उद्योगों और सरकार के बीच संवाद, उद्योगों द्वारा अपनी जमीन की कीमत प्राप्त करने और राष्ट्रीय व वैश्विक स्तर पर अधिक प्रतिस्पर्धी बनने के संबंध में क्रांतिकारी बदलाव लाएंगी। उन्होंने कहा कि सबसे पहले राज्य सरकार सभी आवेदनों के लिए 45 दिनों में डीम्ड अप्रूवल सिस्टम को सुनिश्चित करेगी, जिसके तहत यह शर्त होगी कि व्यवसाय स्थापित करने या मौजूदा व्यवसाय के विस्तार के लिए सभी मंजूरियां और स्वीकृतियां अधिकतम 45 कार्यदिवसों में जारी की जाएंगी, जिससे निवेशकों की सबसे बड़ी चिंताओं में से एक - देरी और अनिश्चितता का समाधान होगा। वास्तविक प्रक्रिया में अक्सर इससे भी अरविंद केजरीवाल ने कहा कि राज्य सरकार पंजाब में उद्योगों को सुगम और राष्ट्रीय-वैश्विक प्रतिस्पर्धा के साथ कार्यशील होने को सुनिश्चित करें।

महिला सरकारी कर्मचारियों को उनके पसंद स्थानों पर पदस्थापना की सुविधा

कैबिनेट में सीएम नीतीश ने 22 प्रस्ताव पर लगाई मुहर, 8093 पदों का सृजन

- सरकार ने की सात डॉक्टरों पर अनुशासनात्मक कार्रवाई, नौकरी से किए गए बर्खास्त
- पटना के राजवंशी नगर में स्वास्थ्य सेवाओं के लिए 36 नए पदों का किया गया सृजन

एजेंसी/पटना

सीएम नीतीश कुमार ने कुल 22 प्रस्तावों को स्वीकृति दी। आगामी चुनाव से पहले नौकरी को लेकर किए गए अपने वादे को सीएम नीतीश कुमार हर हाल में पूरा करना चाहते हैं। इसी को देखते हुए उन्होंने कई विभागों में नए पदों के सृजन के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। इस बार सबसे अधिक पंचायती राज विभाग में निम्नवर्गीय लिपिक के 8093 पदों के सृजन के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई है। पटना के राजवंशी नगर में स्वास्थ्य सेवाओं के लिए 36 नए पदों का सृजन किए गए हैं। इसके अलावा अन्य कई विभाग में भी नए पदों के सृजन के प्रस्ताव पर स्वीकृति प्रदर्शन की गई है।

खेल और युवा विकास : बिहार अधीनस्थ खेल भर्ती नियमावली 2025 को मंजूरी दी गई, जिससे खेल क्षेत्र में भर्ती प्रक्रिया को और पारदर्शी व सुगम बनाया जाएगा। युवाओं के बेहतर भविष्य के लिए 9 कौशल विकास प्रशिक्षण केंद्र स्थापित करने का निर्णय लिया गया, जो रोजगार के अवसर बढ़ाएंगे। महिला सरकारी कर्मचारियों के लिए उनकी पसंद के नजदीकी स्थानों पर पदस्थापना की सुविधा प्रदान करने हेतु नीति निर्धारित की गई।

यह कदम कार्य-जीवन संतुलन को बढ़ावा देगा। प्रधानमंत्री जनजाति आवासीय योजना के तहत जनजातीय समूहों को प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत 2,00,000 की राशि आवास निर्माण के लिए प्रदान की जाएगी। जन्म-मृत्यु रजिस्ट्रीकरण अधिनियम में संशोधन के तहत 2025 नियमावली को मंजूरी। बिहार गव्य संपदा भर्ती संशोधन नियमावली 2025 को स्वीकृत किया गया। समाज कल्याण विभाग के अंतर्गत समेकित बाल विकास सेवा के लिए बिहार बाल विकास लिपिक संवर्ग संशोधन 2025 को मंजूरी। बिहार नगर पालिका क्षेत्र विज्ञापन संशोधन नियम 2025 को स्वीकृति प्रदान की गई।

महिला सरकारी सेवकों को मिलेगा लाभ

सरकार अपने महिला सेवकों को पदस्थापन स्थल के निकट आवासन की सुविधा मुहैया कराने जा रही है। सरकारी महिला कर्मियों को उनके कार्यस्थल के आसपास लीज पर निजी आवासों को लेकर सरकार उन्हें मुहैया कराएगी। राज्य सरकार इस तरह की व्यवस्था पहली बार करने जा रही है। सामान्य प्रशासन विभाग के स्तर से तैयार इसके मसौदे पर कैबिनेट ने मुहर लगा दी है। मंत्रिमंडल सचिवालय विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ. एस सिद्धार्थ ने सूचना भवन के संवाद कक्ष में आयोजित प्रेस वार्ता में दी। महिला सरकारी सेवकों को इसका लाभ मिलेगा, उन्हें आवास भत्ता की सुविधा का लाभ नहीं दिया जाएगा। अपर मुख्य सचिव ने कहा कि इसका लाभ महिला शिक्षिकाओं, सिपाही के साथ अन्य महकमों में कार्यरत सभी सरकारी महिला कर्मियों को इसका लाभ मिलेगा। शुरूआती स्तर पर यह सुविधा प्रमंडलीय और जिला मुख्यालय स्तर पर बहाल की जाएगी।

स्वास्थ्य सेवा में सात डॉक्टरों को किया गया बर्खास्त

सरकार की ओर से इन डॉक्टरों पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की गई है। इसमें लगातार अनुपस्थिति के कारण 7 सरकारी डॉक्टरों को सेवा से बर्खास्त किया गया। बर्खास्त किए गए डॉक्टरों में शामिल हैं।

- डॉ. आशीष कुमार, चिकित्सा पदाधिकारी, खगड़िया
- डॉ. मोहम्मद फिरदौस, चिकित्सा पदाधिकारी, खगड़िया
- डॉ. जागृति सोनम, सामान्य चिकित्सा पदाधिकारी, खगड़िया
- डॉ. अनामिका कुमारी, चिकित्सा पदाधिकारी, लखीसराय

अन्य तीन डॉक्टर (जिलों के आधार पर)

एसटी के नौ समुदाय को पीएम आवास योजना का लाभ : प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाअभियान के 9 समुह के लोगों को पीएम आवास योजना का लाभ दिया जाएगा। इन आदिवासी समुदाय के लोगों को आवास के लिए 2 लाख रुपये चार बराबर किश्तों में दी जाएगी। एसटी समुदायों को इसमें शामिल किया गया है, उसमें असुर, बिरहोर, बिरजीया, हिलखरिया, कोरवा, मालपहाड़िया शामिल है।

हरियाणाः 4 मासूम बच्चों संग पिता ने ट्रेन के आगे कूदकर की आत्महत्या

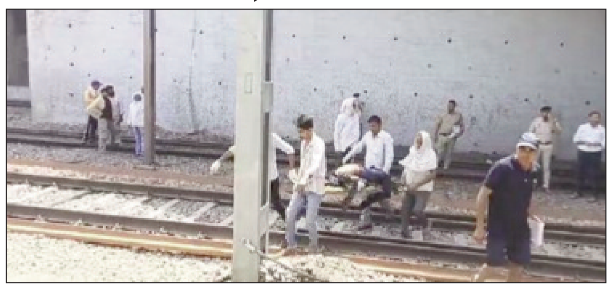

एजेंसी/बल्लभगढ़

पत्नी पर अवैध संबंध के शक में एक युवक ने अपने चार बच्चों के साथ ट्रेन के आगे कूदकर आत्महत्या कर ली। बल्लभगढ़ फ्लाईओवर के रेलवे ट्रैक पर गोल्डन टैंपल ट्रेन के आगे ये मंगलवार दोपहर लगभग एक बजे कूद गया। पांचों की मौके पर ही मौत हो गई। युवक की पहचान लक्ष्मण कॉलोनी के रहने वाले मनोज के तौर में हुई।

बिहार का रहने वाला था मनोज : जानकारी के अनुसार लक्ष्मण कॉलोनी में रहने वाले चमन लाल के घर करीब 10 साल से मनोज अपने चार बच्चे पवन (10), कारू (9), मुरूली (5), छोटू (3) और पत्नी प्रिया के साथ रहता था। मनोज बिहार लखीसराय के गांव तारतर बहरिया का मूल निवासी था। वह मेहनत मजदूरी करके अपने परिवार का पालन पोषण करता था।

चारों बच्चों को पार्क घुमाने के बहाने ले गया था मनोज : मंगलवार की दोपहर को वह अपने चारों बेटों को पार्क घुमाने के लिए लेकर गया था। दोपहर को करीब दो बजे जीआरपी को सूचना मिलनी की बल्लभगढ़ रेलवे स्टेशन से डेढ़ किलोमीटर दूर फ्लाईओवर के नीचे पांच लोगों की गोल्डन टैंपल मेल के सामने आने से मौत हो गई है। जीआरपी थाना की पुलिस टीम मौके पर पहुंची तो मृतक की जेब से मिली पर्ची पर एक नंबर लिखा था। नंबर पर कॉल की गई तो वो मृतक की पत्नी का था जिसके बाद पूरे मामले का पता चला।

एक सप्ताह पहले गांव से आया था मनोज : मृतक की पत्नी प्रीति का कहना है कि वह एक सप्ताह पहले ही गांव से आए थे। जीआरपी पुलिस ने मौके पर पहुंचकर पांचों शवों को कब्जे में ले लेकर पोस्टमार्टम के लिए बीके अस्पताल की मोर्चरी में भिजवा दिया।

पुलिस का बयान : जीआरपी डीएसपी राजेश चेची ने बताया कि मनोज को पत्नी पर अवैध संबंध का शक था। पत्नी किसी से भी मोबाइल पर बात करती थी तो वो शक करता था। कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। फिलहान अवैध संबंध के शक को ही आत्महत्या का कारण माना जा रहा है। हालांकि पुलिस सभी पहलुओं पर जांच कर रही है। वहीं इस घटना के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है।

30 हजार करोड़ की लागत से भारत खरीदेगा सर्फेस-टू-एयर मिसाइल सिस्टम

एजेंसी/नई दिल्ली

भारत अपनी वायु रक्षा क्षमताओं को और मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम उठाने जा रहा है। रक्षा मंत्रालय जल्द ही स्वदेशी क्विक रिएक्शन सर्फेस-टू-एयर मिसाइल सिस्टम की तीन रेजिमेंट्स की खरीद के लिए 30,000 करोड़ रुपये के प्रस्ताव को मंजूरी दे सकता है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में रक्षा अधिग्रहण परिषद इस प्रस्ताव पर स्वीकृति की आवश्यकता पर विचार कर सकती है। जिसे रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन ने विकसित किया है, 25-30 किलोमीटर की रेंज में लड़ाकू विमानों, हेलीकॉप्टरों, ड्रोनों और क्रूज मिसाइलों को नष्ट करने में सक्षम है। लक्ष्य को खोजने, ट्रैक करने और छोटे पड़ावों पर फायर करने की क्षमता प्रदान करती है। यह सिस्टम युद्धक्षेत्र में थलसेना के बख्तरबंद वाहनों और तोपों के साथ तालमेल बनाकर हवाई रक्षा स्थापित करने के लिए डिजाइन किया गया है।

द्वारका में जलते फ्लैट से बेबस पिता ने दो बच्चों को नीचे फेंका, फिर स्वयं कूदा; तीनों की मौत

एजेंसी/नई दिल्ली

द्वारका में जलते फ्लैट में बेबस पिता ने दो बच्चों को नीचे फेंका। ताकि उनकी जान बच सके। फिर खुद भी कूदा। हालांकि तीनों की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, दो बच्चे (10 से 12 साल की उम्र का एक लड़का और एक लड़की) खुद को बचाने के लिए आठवीं मंजिल की बालकनी से कूद गए। घायल अवस्था में उन्हें आकाश अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। बाद में उनके पिता यश यादव (35) ने भी उसी बालकनी से छलांग लगा दी। उन्हें आईजीआई अस्पताल में मृत घोषित कर दिया गया। दिल्ली के द्वारका सेक्टर 13 के सबद अपार्टमेंट की 7वीं मंजिल पर स्थित एक फ्लैट में आग लग गई। मौके पर 8 दमकल गाड़ियां पहुंच गई हैं। आग से बचने के लिए छठी मंजिल से कूदने के कारण 3 की मौत हो गई। वीडियोज में अपार्टमेंट बिल्डिंग आग में घिरी हुई दिख रही थी और खिड़कियों से आग की तेज लपटें निकल रही थीं. इसी आग से बचने के लिए एक ही परिवार के तीन लोगों (2 बच्चे और एक पिता) ने बालकनी से छलांग लगा दी, जिससे उनकी मौत हो गयी। उन्हें आईजीआई अस्पताल में मृत घोषित कर दिया गया। पुलिस ने बताया कि यादव की पत्नी और भतीजी को भी घायल अवस्था में भर्ती कराया गया है।

जुलाई में सेवानिवृत्त होंगे कुल छह राज्यसभा सदस्य, नामांकन की प्रक्रिया पूरी

कमल हासन समेत पांच प्रत्याशी चुने जा सकते है निर्विरोध

एजेंसी/चेन्नई

अभिनेता-राजनेता कमल हासन और तमिलनाडु में सत्तारूढ़ डीएमके के तीन प्रत्याशियों समेत पांच अन्य का राज्यसभा के लिए निर्विरोध निर्वाचित होना तय है। उनके नामांकन मंगलवार को स्वीकार किए जाएंगे। विधानसभा सचिवालय के रिटर्निंग ऑफिसर-अतिरिक्त सचिव के कार्यालय से जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि मक्कल नीति मैयम के संस्थापक हासन, डीएमके प्रत्याशियों पी विल्सन, एसआर शिवलिंगम और राजथी व आईएस इनबादुरई और एम धनपाल (दोनों एआईएडीएमके) के नामांकन मंगलवार को जांच के लिए लिए गए।

पहली बार राज्यसभा के लिए चुने जाएंगे कमल हासन : राज्य में राज्यसभा चुनाव के लिए सात निर्दलीय उम्मीदवारों के नामांकन खारिज कर दिए गए हैं। वहीं उम्मीदवारों के नामांकन स्वीकार किए जाने के साथ ही अब उनका राज्यसभा के लिए निर्विरोध निर्वाचित होना तय है। डीएमके के प्रत्याशी पी. विल्सन लगातार एक कार्यकाल के लिए राज्य का प्रतिनिधित्व करेंगे, जबकि कमल हासन की प्रतिनिधि सभा में यह पहली पारी होगी। बता दें कि, कमल हासन को कोयंबटूर दक्षिण में 2021 के विधानसभा चुनावों में हार का सामना करना पड़ा था और वे भाजपा महिला मोर्चा प्रमुख वनथी श्रीनिवासन से हार गए थे। वे पिछले साल डीएमके के नेतृत्व वाले ब्लॉक में शामिल हुए थे। डीएमके के सहयोगी के रूप में, कमल हासन के नेतृत्व वाली एमएनएम को 2024 के लोकसभा चुनावों से पहले दोनों दलों के बीच बनी सहमति के अनुसार राज्यसभा की एक सीट आवंटित की गई थी। तमिलनाडु के छह राज्यसभा सदस्य, जिनमें डीएमके सहयोगी एमडीएमके के शीर्ष नेता वाइको और पीएमके के अंबुमणि रामदास शामिल हैं, 24 जुलाई, 2025 को सेवानिवृत्त

चौसा के प्लस टू आदर्श उच्च विद्यालय के छात्र की पेंटिंग राज्य स्तर पर हुई चयनित, मिलेगा पुरस्कार

- विश्व बाल श्रम निषेध दिवस पर पटना में आयुष को किया जाएगा सम्मानित
- श्रम विभाग ने पूर्व में वर्ग छह से 10 तक के बच्चों के लिए आयोजित करायी थी प्रतियोगिता

केटी न्यूज/बक्सर

कहा जाता है कि होनहार वीरवान के होत चिकने पात..., इस उक्ति को चरितार्थ कर दिखाया है, जिले के प्लस टू आदर्श उच्च विद्यालय चौसा के छात्र आयुष जायसवाल ने। बाल श्रम उन्मूलन विषय पर श्रम विभाग द्वारा पिछले महीने राज्यभर में कराई गई पेंटिंग प्रतियोगिता में उसकी पेंटिंग को दूसरे स्थान पर चुना गया है।

इस उपलब्धि पर 12 जून को विश्व बाल श्रम निषेध दिवस पर राजधानी पटना के दशरथ माझी श्रम नियोजन एवं अध्ययन संस्थान में सम्मानित किया जाएगा।

इसके लिए श्रम आयुक्त राजेश भारती ने सभी चयनित प्रतिभागियों को सम्मान समारो में आने का निमंत्रण भेजा है। उनके निर्देश पर बक्सर के श्रमाधीक्षक ने भी प्लस टू आदर्श उच्च विद्यालय चौसा के प्रधानाध्यापक को पत्र भेज आयुष तथा उसके अभिभावक को 12 जून को पटना में आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह सह सम्मान समारोह में शिरकत करने के लिए सूचना देने को कहा है।

जिला स्तर पर जिला प्रशासन के उच्च पदाधिकारी , बक्सर श्रम विभाग के पदाधिकारी और जिला शिक्षा पदाधिकारी द्वारा इस प्रतियोगिता को निर्देशित कर संचालित कराया गया था।

मई महीने में आयोजित करवाई गई थी पेंटिंग प्रतियोगिता : मिली जानकारी के अनुसार श्रम विभाग द्वारा मई महीने में जिला स्तर पर वर्ग छह से प्लस टू तक के विद्यार्थियों के बीच एक चित्रकला प्रदर्शनी प्रतियोगिता का आयोजन करवाया था। जिसमें प्रत्येक जिले के तीन सर्वश्रेष्ठ पेंटिंग का चयन कर उसे राज्य स्तर पर भेजा गया था, जिसमें आयुष की पेंटिंग को पूरे राज्य स्तर पर दूसरे स्थान पर चुना गया है।

डीपीओ ने दी बधाई: शिक्षा विभाग के कार्यक्रम पदाधिकारी समग्र शिक्षा मो. शारिक अशरफ ने कला के बल पर जिले का नाम रोशन करने वाले आयुष को बधाई दिया है। नोडल शिक्षक डॉ. मनीष कुमार शशि बताया कि आयुष कला के खजाने से भरा हुआ एक प्रतिभावान विद्यार्थी कलाकार है, उचित संसाधन व मार्गदर्शन मिलने पर वह जिले ही नहीं बल्कि देश का प्रतिनिधित्व करने की क्षमता रखता है।

कला से जुड़े शिक्षकों ने भी आयुष को बधाई दी है, जिनमें महिमा साक्षी, विजयलक्ष्मी पटेल, रवि रंजन चौबे, सुनीता कुमारी, पुतुल कुमारी, जगदम्बा सिंह, रवि रंजन चौबे, अनुप कुमार, मधुरिमा कुमारी, मनीष कुमार इत्यादि रहे।

अपनी प्रतिभा से आयुष ने किया जिले को गौरवान्वित

आयुष ने अपने इस प्रदर्शन से जिले के सभी कला प्रेमियों को गौरवान्वित किया है। 38 जिले के प्रतिभागियों के बीच राज्य स्तर पर द्वितीय स्थान प्राप्त करना विलक्षण प्रतिभा व सर्वश्रेष्ठ कलाकार का प्रमाण है। बताते चलें कि आयुष आदर्श उच्च विद्यालय चौसा का एक होनहार विद्यार्थी है, जिसने अपनी प्रतिभा का लोहा विगत बिहार दिवस कार्यक्रम में राज्य स्तर पर मनवाया था। बिहार दिवस प्रतियोगिता में भी आयुष के प्रतिभा की सराहना हुई थी। विभिन्न प्रतियोगिताओं में वह अपनी सर्वश्रेष्ठ कला को प्रदर्शित कर जिला व राज्य स्तर पर जिले का नाम रोशन करते आ रहे आयुष ने अपनी प्रतिभा से एक बार फिर से जिले का मान बढ़ाया है।

खबरें फटाफट

समरसेबल की चोरी

राजपुर। स्थानीय थाना क्षेत्र के खीरी पंचायत अंतर्गत बीरबलपुर गांव में किसान राकेश कुमार सिंह के तालाब के समीप खेत में लगे समरसेबल को अज्ञात चोरों ने चुरा लिया है। पीड़ित किसान ने मत्स्य विभाग की तरफ से तालाब की खुदाई कराया है, जिसके तहत मछली पालन एवं खेती के लिए समरसेबल लगाया था। जिसमें तीन एचपी का मोटर लगाया गया था। सोमवार की रात अज्ञात चोरों ने ने उसे चुरा लिया है। पीड़ित किसान ने इस मामले में राजपुर थाने में अज्ञात चोरों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराया है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। वहीं, इस वारदात के बाद क्षेत्र के किसानों में भय व्याप्त है।

अज्ञात लाश की नहीं हुई शिनाख्त

डुमरांव। कृष्णाब्रह्म थाना क्षेत्र के अरक पुल के पास झाड़ियों में मिले अज्ञात अधेड़ के शव की शिनाख्त दूसरे दिन भी नहीं हो पाई है। हालांकि, पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव को नियमों के तहत 72 घंटे के लिए सुरक्षित रखवा दिया है। वहीं, उसकी तस्वीर को सोशल मीडिया व विभिन्न साइबर सेनानी ग्रुपों में डाल पहचान का प्रयास कर रही है, लेकिन मंगलवार की शाम तक इसमें सफलता नहीं मिल पाई थी। कृष्णाब्रह्म के थानाध्यक्ष चंचल महंथा ने इस संबंध में कहा कि शव की शिनाख्त का प्रयास किया जा रहा है।

मुख्य सचिव अमृत लाल मीणा ने की बाढ़ पूर्व तैयारियों की समीक्षा, बोले...

जिले में टीम बिल्डिंग कर कराएं तटबंधों की मरम्मत, तैयार रखें जरूरी संसाधन

- बैठक में शामिल हुए बक्सर डीएम
- मुख्य सचिव ने बाढ़ पूर्व सभी तैयारियों को दुरूस्त करने का दिया निर्देश

केटी न्यूज/बक्सर

सरकार के मुख्य सचिव अमृत लाल मीणा की अध्यक्षता में मंगलवार को वीडियो कॉन्फ्रेसिंग के माध्यम से राज्य में बाढ़ पूर्व तैयारियों की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। जिसमें बक्सर जिलाधिकारी डॉ. विद्यानंद सिंह ने भाग लिया।

इस बैठक में मुख्य सचिव ने राज्य में बाढ़ के पूर्व की तैयारियों जैसे बाढ़ पूर्व कराये जा रहे कटाव निरोधक कार्यों, तटबंधों पर अतिक्रमण की स्थिति, बाढ़ अवधि के दौरान बाढ़ में संलग्न अभियंताओं, तटबंध सुरक्षा कर्मियों व श्रमिकों, बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के स्वयंसेवकों, संवेदको के साथ स्थानीय पुलिस, प्रखंड विकास पदाधिकारी आदि सहित अन्य स्थानीय प्रशासन के बीच ह्टीम बिल्डिंगह्ल की स्थिति, जल संसाधन विभाग के क्षेत्रीय अभियंताओं एवं स्थानीय जिला प्रशासन के साथ तटबंधों के संयुक्त निरीक्षण की स्थिति इत्यादि की समीक्षा करते हुए आवश्यक निर्देश दिए।

तटबंध पर अतिक्रमण को कराएं मुक्त: जिला प्रशासन की ओर से बताया गया कि इस दौरान मुख्य सचिव ने निर्देश दिया है कि बाढ़ पूर्व यदि किसी जगह पर तटबंध में कटाव है या निरीक्षण में तटबंध कमजोर पाया जाता है तो समय रहते उसका मरम्मत कराना है। वहीं, तटबंध पर अतिक्रमण की जानकारी मिलने पर उसे तत्काल अतिक्रमणमुक्त कराना है तथा समय रहते बाढ़ पूर्व की सभी तैयारियों को पूरा कर लेना है। मसलन बाढ़ के दौरान पीड़ितों के बीच वितरण के लिए टेंट, तिरपाल, खाद्यान्न, आवश्यक दवा, उनके वैकल्पिक ठहराव आदि की व्यवस्था करना है।

गंगा के साथ कर्मनाशा भी पहुंचाती है नुकसान : बाढ़ आने पर जिले का चौसा, सदर, सिमरी, चक्की व ब्रह्मपुर प्रखंड प्रभावित होता है। चौसा में गंगा के साथ ही कर्मनाशा की बाढ़ भी नुकसान पहुंचाती है। वहीं, सिमरी, चक्की व ब्रह्मपुर के दियारे इलाके में गंगा के रौद्र रूप से लाखों की आबादी प्रभावित होती है। इस बार गंगा का कटाव भी बलिया की अपेक्षा बक्सर की तरफ है, जिस कारण बरसात में बाढ़ आने की संभावना बनी हुई है। जिसे देखते हुए जिला प्रशासन तैयारियों में जुट गया है। मुख्य सचिव ने भी समीक्षा बैठक के दौरान तैयारियों को परखा है।

मुख्य सचिव ने की कई योजनाओं की समीक्षा

बक्सर। बिहार सरकार के मुख्य सचिव अमृत लाल मीणा ने मंगलवार को वीसी के माध्यम से पिछड़ा वर्ग एवं अति पिछड़ा कल्याण विभाग, अल्पसंख्यक कल्याण विभाग, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति कल्याण विभाग एवं समाज कल्याण विभाग के कार्यों की समीक्षा की। जिसमें बक्सर जिलाधिकारी डॉ. विद्यानंद सिंह एवं संबंधित विभाग के पदाधिकारियों ने भाग लिया।

इस दौरान मुख्य सचिव ने समाज कल्याण विभाग अंतर्गत फेसियल रिकोग्नाइजेशन सेंटर से टेक होम राशन वितरण, आंगनबाड़ी केंद्र भवन निर्माण के लिए भूमि की उपलब्धता, केंद्र पर विद्युत आपूर्ति, शौचालय एवं पेयजल की सुविधा, मुख्यमंत्री कन्या उत्थान योजना, पीवाईजे, राष्ट्रीय परिवार लाभ योजना, कबीर अंत्येष्टि अनुदान योजना, मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना, यूडीआईडी कार्ड निर्गमन, वन स्टॉप सेंटर एवं जिला हब फॉर एंपावरमेंट फॉर वीमेन के रिक्त पदों पर नियोजन की कारवाई इत्यादि की समीक्षा करते हुए योजनाओं के ससमय व पारदर्शी तरीके से संचालन तथा रिक्त पदों पर नियमानुसार शीघ्र नियोजन करने का निर्देश दिए। जिला प्रशासन मुख्य सचिव के निर्देशों के अनुपालन का प्रयास शुरू कर दी है। वहीं, इस दौरान डीएम ने इन योजनाओं व रिक्त पदों पर नियोजन की अद्यतन स्थिति से अवगत कराया।

अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति कल्याण विभाग के अंतर्गत अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति विशेष विकास शिविर के आयोजन, छात्रावास निर्माण व पुनर्निर्माण के लिए भूमि उपलब्धता, सामुदायिक भवन सह वर्कशेड इत्यादि की समीक्षा करते हुए आवश्यक निर्देश दिया गया।

पिछड़ा वर्ग एवं अति पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग, बिहार के अंतर्गत पोस्ट मैट्रिक छात्रवृति के तहत लंबित भुगतान को शीघ्र निष्पादित करने, पिछड़ा वर्ग कन्या आवासीय प्लस टू उच्च विद्यालय के भवन निर्माण कार्य, लिपिकों का रोस्टर इत्यादि की समीक्षा करते हुए आवश्यक निर्देश दिया गया। वहीं, अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के अंतर्गत अल्पसंख्यक बालक छात्रावास, अल्पसंख्यक बालिका छात्रावास इत्यादि की समीक्षा किया गया।

सगाई टूटने के बाद डिप्रेशन में आ युवक ने फांसी लगा की आत्महत्या

केटी न्यूज/चक्की

- घर के पास नीम के पेड़ से लटका था शव, पुलिस ने कब्जे में ले कराया पोस्टमार्टम

चक्की थाना क्षेत्र के चंदा गांव में 25 वर्षीय एक युवक ने फांसी लगा आत्महत्या कर ली है। घटना सोमवार की रात की है, स्वजनों को इसकी जानकारी सुबह में हुई। इसके बाद स्थानीय पुलिस को घटना की जानकारी दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में ले पंचनामा कर उसे पोस्टमार्टम करा स्वजनों को सौंप दिया।

मृतक की पहचान चंदा गांव निवासी बिरेन्द्र यादव के पुत्र गोलू यादव के रूप में हुई है। वह सोमवार की रात घर पर खाना खाकर छत पर सोने चला गया था, लेकिन मंगलवार की अहले सुबह घर के बगल में स्थित नीम के पेड़ पर फंदा डाल उसने फांसी लगा लिया था। सुबह करीब पांच बजे स्वजनों की नींद खुली तथा छत पर गए तो देखा कि गोलू छत पर नहीं है। अभी लोग उसकी तलाश शुरू ही किए थे कि नीम के पेड़ से लटका उसका शव नजर आया। जाहिर है उसने फांसी लगा आत्महत्या कर ली थी। ग्रामीण सूत्रों की मानें तो वह नशे का आदी था। दो महीने पहले उसकी सगाई टूट गई थी, जिसके बाद उसके नशे की लत और तेज हो गई थी तथा नशे की हालत में वह अक्सर अपने घरवालों से झगड़ा भी करता था। जिससे परेशान घरवाले कई बार पुलिस को इसकी सूचना भी दिए थे, लेकिन उसकी हरकते कम नहीं हुई थी।

माना जा रहा है कि नशे की लत, सगाई टूटने के डिप्रेशन व घरेलु विवाद में ही उसने ऐसा कदम उठाया है। बहरहाल पोस्टमार्टम कराने के बाद पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। वहीं, इस घटना के बाद से मृतक के स्वजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया था। जबकि गांव में भी मायूशी छाई है।

थानाध्यक्ष संजय कुमार ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि शव का पोस्टमार्टम करा स्वजनों को सौंप दिया गया है। उन्होंने कहा कि मामले की जांच की जा रही है।

सीओ के नहीं आने से चौसा अंचल का कार्य हो रहा है प्रभावित, आमजनों की बढ़ी मुश्किलें

केटी न्यूज/चौसा

चौसा सीओएक सप्ताह पूर्व बाइक दुर्घटना में गंभीर रूप से जख्मी हो गए है। फिलहाल वे इलाजरत है तथा चोट अधिक होने के कारण अंचल कार्यालय नहीं आ रहे है। जिस कारण चौसा अंचल कार्यालय का काम प्रभावित हो रहा है। वहीं, सीओ के नहीं आने से आम जनों की मुश्किलें बढ़ गई है। खासकर भूमि संबंधित मामलों के निष्पादन में लोगों को निराशा हाथ लग रही है।

मिली जानकारी के अनुसार सीओ का उपचार चल रहा है, लेकिन उनकी अनुपस्थिति से चौसा अंचल में प्रशासनिक कामकाज प्रभावित हो रहा है। खासकर भूमि सम्बंधी मामलों, नामांतरण, दाखिल-खारिज, और अन्य सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए इंतजार करना पड़ रहा है। कई ग्रामीणों का कहना है कि वे पिछले कई दिनों से अंचल

कार्यालय के चक्कर काट रहे हैं, लेकिन सीओ की अनुपस्थिति के कारण उनका काम रुका हुआ है।

स्थानीय लोग व समाजसेवी मामले में प्रशासन से शीघ्र किसी स्थायी व्यवस्था की मांग कर रहे हैं, ताकि प्रभावित लोग बिना किसी रुकावट के अपनी समस्याओं का समाधान करा सकें। साथ ही, यह भी आग्रह किया गया है कि अस्थायी तौर पर किसी अन्य सक्षम अधिकारी की नियुक्ति की जाए। ताकि कामकाजी स्थिति सामान्य हो सके।

वरिष्ठ नेता जगजीतन चौबे के निधन पर कांग्रेसियों ने जताया शोक, दी श्रद्धांजलि

केटी न्यूज/बक्सर

जिले के वरिष्ठ कांग्रेसी जगजीतन चौबे का आकस्मिक निधन हो गया है। उनके निधन की जानकारी मिलते ही कांग्रेसजनों में शोक की लहर दौड़ गई है। इसकी जानकारी मिलते ही कांग्रेस के पूर्व जिलाध्यक्ष डॉ. मनोज पांडेय के नेतृत्व में मुक्तिधाम पहुंच कांग्रेस कार्यकताओं ने उनके शव पर तिरंगा एवं फूल माला चढ़ा उन्हें अंतिम विदाई दी।

डॉ. पांडेय ने कहा कि वे कांग्रेस के सच्चे सिपाही थे। उनके निधन से बक्सर कांग्रेस को अपूरणीय क्षति पहुंची है। वे युवा कांग्रेस से जुड़ सक्रिय राजनीति की शुरूआत किए थे तथा आजीवन कांग्रेस की सेवा करते रहे। उनकी कमी बराबर खलती रहेगी। बता दें कि स्व. चौबे पश्चिम बंगाल कांग्रेस कमेटि के कोषाध्यक्ष सह वार्ड पार्षद व नया भोजपुर निवासी संतोष पाठक के मामा भी थे। संतोष पाठक ने उन्हें नमन करते हुए कहा कि वे सरल स्वभाव के व्यक्ति थे तथा सब के साथ मिलकर रहने वाले स्वच्छ छवि वाले नेता थे।

उनके निधन पर कांग्रेसियों ने शोक व्यक्त किया है। इस दौरान कामेश्वर पांडेय, संजय कुमार पांडेय, महिमा शंकर उपाध्याय, त्रिलोकी नाथ मिश्र, पिंटू उपाध्याय, अंटू चौबे, पप्पू चौबे, अवधेश, अभय मिश्र, संजय कुमार दुबे उर्फ पप्पू दुबे, मुन्ना पांडेय, महेंद्र चौबे, जितेंद्र पांडेय व अन्य शामिल थे।

नये थानाध्यक्षों ने किया योगदान, अपराध नियंत्रण के साथ शराब तस्करी रोकना रहेगी चुनौती

केटी न्यूज/बक्सर

हाल ही में एसपी शुभम आर्य ने सात पुलिस पदाधिकारियों का तबादला किया है, इनमें छह नये थानाध्यक्ष बनाए गए है। मंगलवार को सभी नये थानाध्यक्षों ने अपने-अपने थानों में योगदान कर लिया है।

मिली जानकारी के अनुसार डुमरांव के अपर थानाध्यक्ष रहे संजीत शर्मा को एसपी ने रामदास राय के डेरा थाने का थानाध्यक्ष की जिम्मेवारी सौंपी है। वे अपने नये थाने में योगदान कर लिए है। वहीं, कृष्णाब्रह्म थाने में चंचल महंथा, नावानगर थाने में नीतीश कुमार, धनसोई थाने में संतोष कुमार,

नैनीजोर थाने में बिरेन्द्र कुमार, सिकरौल थाने में रिकेश कुमार आदि सभी ने अपने-अपने थानों में मंगलवार तक योगदान कर लिया है। वहीं, डुमरांव के प्रभारी थानाध्यक्ष मतेन्द्र कुमार ने भी कमान संभाल ली है। नये थानाध्यक्षों के समक्ष अपराध नियंत्रण व तस्करी रोकना बड़ी चुनौती होगी।

बता दें कि हाल के दिनों में जिले में अपराध का ग्राफ बढ़ गया था। इस दौरान लगातार तीन दिनों तक राजपुर, वासुदेवा व मुफस्सिल थाने में हत्या की घटना भी हुई थी। जिसमें राजपुर का चर्चित ट्रिपल मर्डर कांड भी हुआ था। जिसके बाद एसपी ने तत्काल प्रभाव से राजपुर व मुफस्सिल थाने के थानेदारों को बदल दिया था। राजपुर में संतोष कुमार को हटाकर धनसोई के थानाध्यक्ष रहे ज्ञान प्रकाश को राजपुर की तथा डुमरांव थानाध्यक्ष रहे शंभू कुमार भगत को मुफस्सिल थाने की कमान एसपी ने सौंपी थी। इसके बाद विधि व्यवस्था संधारण के मद्देनजर एसपी ने कई अन्य थानेदारों को भी बदला है।

केवीके में किसानों के साथ केन्द्रीय कृषि राज्यमंत्री ने की बैठक, बोले...

पीएम किसान सम्मान निधि योजना छोटे व सीमांत किसानों के लिए मील की पत्थर

केटी न्यूज/बक्सर

केन्द्र सरकार के कृषि राज्य मंत्री रामनाथ ठाकुर ने अपने दो दिवसीय बक्सर प्रवास कार्यक्रम के दूसरे दिन मंगलवार को कृषि विज्ञान केंद्र लालगंज में किसानों एवं कृषि वैज्ञानिकों के साथ एक बैठक की।

बैठक में केन्द्रीय कृषि राज्य मंत्री ने भारत सरकार द्वारा किसानों के हितों को ध्यान में रखकर चलाई जा रही लाभकारी योजनाओं की जानकारी किसानों और वैज्ञानिकों को दी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी किसानों के प्रति हरदम संवेदनशील और चिंतित रहते हैं। किसानों की आमदनी को कैसे बढ़ाया जाए, उनकी आर्थिक स्थिति किस तरह से मजबूत हो, इस विषय पर कृषि वैज्ञानिकों के साथ हर पल

चर्चा करते रहते हैं। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार की छोटे और सीमांत किसानों के लिए प्रधानमंत्री किसान सम्मन निधि योजना उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार करने के रास्ते में मील का पत्थर साबित हुआ है। जिसकी चर्चा देश ही नहीं विदेशों में भी हो रही है। मोदी सरकार किसानों के लिए प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, राष्ट्रीय कृषि विकास योजना और ब्याज सहायता योजना चलाया।

उक्त बैठक के समापन के बाद केन्द्रीय कृषि राज्य मंत्री ने बक्सर के अतिथि गृह में एनडीए कार्यकताओं के साथ भी एक बैठक की। जिसकी अध्यक्षता हम पार्टी के जिलाध्यक्ष बलराम कुशवाहा और संचालन भाजपा जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश भुवन ने की। बैठक को संबोधित करते हुए मंत्री ने कहा कि हम सभी एनडीए के घटक दल मजबूती के साथ एक साथ होकर विधानसभा चुनाव में जाएंगे और बिहार में नीतीश के नेतृत्व में फिर एक बार मजबूत सरकार बनाकर केंद्र में नरेंद्र मोदी के हाथों को मजबूत करने का कार्य करेंगे। बैठक समापन की घोषणा जदयू जिलाध्यक्ष अशोक कुमार यादव ने किया। बैठक में मुख्य रूप से संतोष कुमार निराला पूर्व मंत्री, संतोष ओझा दिल्ली पूर्वांचल मोर्चा अध्यक्ष, रानी चौबे प्रदेश मीडिया पैनलिस्ट, राजेश सिन्हा, पुनीत सिंह, मनोज पाण्डेय, शीला त्रिवेदी, सुधा गुप्ता, इंदु देवी, संजय सिंह राजनेता, राघवेन्द्र सिंह, आजाद सिंह राठौड़, विश्वनाथ पासवान, राजेश कुशवाहा, जितेन्द्र सिंह, जयप्रकाश चौधरी तथा उमाशंकर राय जिला मीडिया प्रभारी भाजपा उपस्थित रहे।

CAMBRIDGE SCHOOL DUMRAON
Affiliated to C.B.S.E., Delhi, Up to (10+2)- Aff. No. 330723, SCHOOL No. 65720
Harnahi Road, Dumraon, Buxar - 802119
8210918840, 7319972175, 6393686958 www.cambridgeschooldumraon.com facebook.com/CAMBRIDGEDUMRAON
A CO-EDUCATIONAL SCHOOL FROM NURSERY TO STD. XII
ADMISSION NOTICE FOR STD. XI (SCIENCE & COMMERCE STREAMS)
OUTSTANDING PERFORMANCE OF OUR STUDENTS IN AISSE (Std. X) & AISSCE (Std. XII) CBSE BOARD EXAMS 2025
SCHOOL TOPPER- STD. XII
SARTHAK RAJ MISHRA 92%
SUBJECT WISE HIGHEST MARKS IN STD. XII
Chemistry : 98 Biology : 91
English Core : 97 Physics : 91
Physical Education : 96 Business Studies : 86
Mathematics : 92 Economics : 83
TOPPERS- STD. X
1st KHUSHI KUMARI 95.2%
2nd ANSH RAJ SINGH 94.8%
2nd PRAGATI KUMARI 94.8%
2nd SHREYA RAJ 94.8%
3rd ANMOL RAJ VATS 94%
3rd MOHIT KUMAR SINGH 94%
SUBJECTWISE HIGHEST MARKS
• Mathematics : 100 • Sanskrit : 100 • Social Science : 97
• Science : 100 • English : 95 • Hindi : 94
INFORMATION
The Information & Admission Cell at the JUNIOR WING,Dr. Jagnarayan Singh Hospital Campus, will remain open on all working days (Mon. - Sat.) from 9:00 am - 01:00 pm also during Summer Vacation.
LIMITED SEATS. HURRY UP!!!
REGISTRATION IS GOING ON FOR ADMISSION TO CLASS XI (SCIENCE & COMMERCE STREAMS) FOR THE ACADEMIC SESSION 2025-26. CLASSES WILL START FROM 23 JUNE, 2025.
SCHOLARSHIP SCHEME
• CANDIDATES WITH 90% & ABOVE WILL BE GIVEN HALF FREESHIP (50% REBATE IN ADMISSION FEE AND MONTHLY TUITION FEE) FOR BOTH CLASSES XI & XII. OTHER CHARGES ARE PAYABLE FOR BOTH CLASSES.
• INTEGRTION OF FOUNDATION CLASSES FOR NEET AND JEE MAINS IN CURRICULUM.
CHAIRMAN- MR. T.N. CHOUBEY

गोला रोड में वाहनों पर रोक की मांग

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव के मुख्य बाजार गोला रोड में दिनों-दिन बढ़ते जाम की समस्या को लेकर आमजन में नाराजगी बढ़ती जा रही है। विशेषकर इस व्यस्त सड़क पर ई-रिक्शा, ऑटो और बड़े वाहनों के अनियंत्रित प्रवेश से जाम की स्थिति उत्पन्न हो जाती है।

मामले में स्थानीय दुकानदारों के साथ राहगीरों ने प्रशासन से मांग किया है कि गोला रोड में इन वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित किया जाए, जिससे बाजार क्षेत्र में सुगम यातायात सुनिश्चित हो सके। दुकानदारों का कहना है कि जाम के कारण ग्राहक दुकान तक नहीं पहुंच पाते, जिससे व्यवसाय पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है। वहीं बुजुर्गों व लोगों को भी भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। कई बार एंबुलेंस तक को जाम में फंसना पड़ता है, जिससे आपात स्थिति में भी दिक्कतें आती हैं।

इस समस्या को लेकर चैंबर ऑफ कॉमर्स डुमरांव के सचिव मोहन गुप्ता, राधेश्याम प्रसाद, मनोज कुमार, सुनील प्रसाद आदि ने अनुमंडल प्रशासन से मांग किया कि गोला रोड में सुबह 10 बजे से शाम 7 बजे तक ई-रिक्शा, ऑटो व बड़े वाहनों की आवाजाही पर रोक लगाई जाए। साथ ही, वैकल्पिक मार्गों से इन वाहनों को भेजा जाए। जिससे मुख्य बाजार को जाम से निजात मिल सके।

चक्की में स्कार्पियो पर लदी विदेशी शराब की खेप के साथ तस्कर गिरफ्तार

- स्कार्पियो से करीब पौने छह लाख रूपए मूल्य की शराब हुई बरामद

केटी न्यूज/चक्की

चक्की थाने की पुलिस ने रात्रि गश्ती के दौरान शराब की एक बड़ी खेप के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने तस्करी में प्रयुक्त स्कार्पियो वाहन को भी जब्त कर लिया है।

पुलिस को यह सफलता थाना क्षेत्र के चक्की विशेश्वर डेरा भागड़ के समीप से मिली है। यूपी के बलिया जिले से शराब की यह खेप तस्करी कर बक्सर लाई जा रही थी। गिरफ्तार तस्कर की पहचान मुफस्सिल थाना क्षेत्र के बारा बसंतपुर गांव निवासी उपेन्द्र सिंह के पुत्र टुनटुन सिंह के रूप में हुई है। बरामद स्कार्पियो से एट पीएम ब्रांड विदेशी शराब की 1824 फ्रूटी पैक जिसका कुल वजन 328.320 किग्रा और अनुमानित मूल्य करीब पौने छह लाख रूपए आंकी गई है।

चक्की थानाध्यक्ष संजय कुमार ने बताया कि पुलिस टीम विशेश्वर डेरा के समीप रात्रि गश्त अभियान चला रही थी। इसी दौरान अहले सुबह यूपी की तरफ से एक सफेद रंग की स्कार्पियो आती दिखाई पड़ी। पुलिस टीम ने उसे रूकने का इशारा किया तो चालक स्पीड बढ़ा भागने का प्रयास करने लगा, लेकिन भागड़ इलाके में पुलिस ने घेराबंदी कर उक्त स्कार्पियो को दबोच लिया और तलाशी ली गई तो उसमें शराब की खेप भरी थी। जिसके बाद उसके चालक को गिरफ्तार कर लिया गया तथा वाहन को जब्त कर थाना लाया गया। थानाध्यक्ष ने बताया कि शराब की उक्त खेप को बक्सर इलाके में ही खपाने की योजना थी। उन्होंने कहा कि उससे पूछताछ के आधार पर पुलिस इस नेटवर्क में शामिल अन्य लोगों की भूमिका की जांच कर रही है। उन्होंने कहा कि शराब तस्करी में शामिल लोगों को बख्शा नहीं जाएगा। चालक सह तस्कर के पूछताछ के बाद पुलिस आगे की कार्रवाई में जुट गई है।

गौरतलब हो कि दियारे इलाके में शराब तस्करी कोई नई बात नहीं है। शराब तस्करों के लिए यह इलाका सेफ जोन माना जाता है। बिहार में शराबबंदी कानून लागू होने के बाद से ही दियारा इलाके में शराब तस्करी काफी बढ़ गई है। हाल के दिनों में दियारा इलाके के थानों से शराब की खेप के साथ तस्करों का पकड़ा जाना इस बात का प्रमाण है कि गंगा के रास्ते शराब तस्करी का धंधा परवान पर है। पुलिस की तत्परता से तस्करों के मंसूबे फेल जरूर हो रहे है, बावजूद शराब तस्करी रूकने का नाम नहीं ले रही है। जिससे कई सवाल खड़े हो रहे है।

बता दें कि इन दिनों गंगा का जलस्तर भी अपने निम्न स्तर पर पहुंच गया है, जिस कारण तस्करों के लिए नाव के सहारे गंगा को पार करना काफी आसान हो गया है।

खराब हुआ डुमरांव अनुमंडलीय अस्पताल का ईसीजी मशीन, 24 घंटे में बनवाने का निर्देश

बोले डीएस... लापरवाही नहीं होगी बर्दाश्त मरीजों का करना है गुणवत्तापूर्ण इलाज

- मशीन के बार-बार खराब होने से अस्पताल की व्यवस्था पर सवाल खड़े हो रहे हैं

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव अनुमंडलीय अस्पताल का ईसीजी मशीन एक बार फिर से खराब हो गया है। इसकी जानकारी मिलते ही डीएस डॉ. गिरिश कुमार सिंह ने संबंधित तकनीशियन को फटकार लगाई तथा 24 घंटे के अंदर इसका मरम्मत कराने का निर्देश दिया।

डीएस ने कहा कि अस्पताल में ऐसी लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी, जिससे मरीजों का गुणवत्तापूर्ण इलाज बाधित हो। उन्होंने ईसीजी के अलावे अन्य खराब पडे. उपकरणों की सूची तलब की है, ताकी उनका मरम्मत शीघ्र करवाया जा सकें।

बताते चलें कि डुमरांव अनुमंडलीय अस्पताल का ईसीजी मशीन बार-बार खराब हो जाता है, जिससे मरीजों तथा उनके परिजनों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है। मशीन खराब होने पर मरीजों को निजी अस्पतालों में आर्थिक दोहन कराने को मजबूर होना पड़ता है।

मंगलवार को भी कुछ ऐसा ही नजारा था, ईसीजी मशीन खराब होने से पूरे दिन इसका लाभ नहीं मिल सका, जिससे कई मरीजों को बिना जांच कराए बैरंग लौटना पड़ा। इसकी जानकारी मिलते ही डीएस नाराज हो गए, उन्होंने तत्काल ईसीजी तकनीशियन टीम को बुला कड़ी फटकार लगाई और 24 घंटे के भीतर मशीन को दुरुस्त कराने का निर्देश दिया। उपाधीक्षक ने कहा कि यह बेहद गंभीर लापरवाही है। मरीजों की लगातार बढ़ती संख्या को देखते हुए ईसीजी जैसी महत्वपूर्ण जांच सेवा का सुचारु रूप से चलना जरूरी है, लेकिन मशीन के बार-बार खराब होने से अस्पताल की व्यवस्था पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

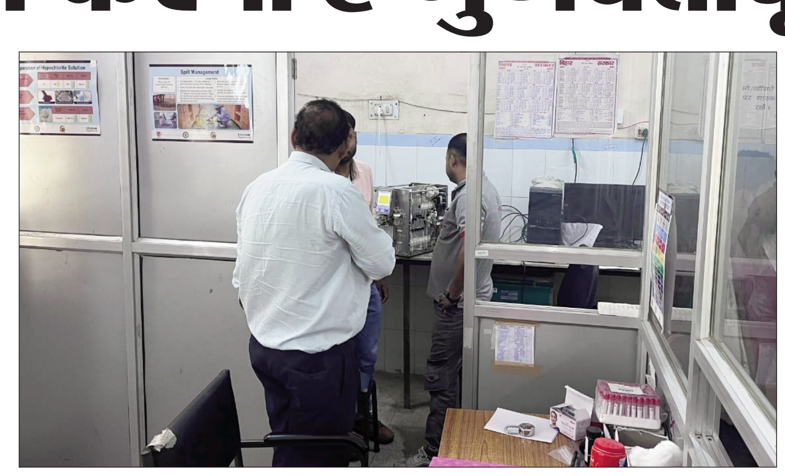

बहरहाल डीएस के तेवर के बाद अब इस बात की उम्मीद जगी है कि अस्पताल में मरीजों की जांच के लिए महत्वपूर्ण संसाधन अब खराब भी होंगे तो उनकी मरम्मत शीघ्र होगी।

अस्पताल का निरीक्षण कर व्यवस्था की समीक्षा की: ईसीजी मशीन की खराबी की जानकारी मिलने के बाद से डीएस काफी सख्त हो गए थे। उन्होंने तत्काल ईसीजी कक्ष के अलावे पूरे अस्पताल परिसर का निरीक्षण किया तथा अन्य व्यवस्थाओं की भी गहन समीक्षा की। उन्होंने ओपीडी में मरीजों की उपस्थिति, डॉक्टरों की तैनाती, दवा वितरण व्यवस्था और अन्य सेवाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने कई कमियों की ओर संकेत किया और संबंधित कर्मियों को जिम्मेदारी के साथ कार्य करने की सख्त हिदायत दी। डीएस ने कहा कि अस्पताल में आ रहे मरीजों को चिकित्सा सेवा का परस्पर लाभ मिले यही अनुमंडलीय अस्पताल की प्राथमिकता होनी चाहिए। किसी भी प्रकार की शिकायत या कोई कोताही पर सख्त कार्रवाई करेंगे। उपाधीक्षक के सख्त लहजे से अस्पताल में लापरवाही करने वाले स्वास्थ्य कर्मियों में हड़कंप मचा हुआ है।

पूर्व में मरम्मत के लिए पटना भेजी गई थी मशीन

जानकारी के अनुसार अनुमंडलीय अस्पताल के ईसीजी मशीन में लंबे समय से तकनीकी खराबी की शिकायते मिल रही है। इससे परेशान डीएस ने पिछले दिनों ईसीजी मशीन में आई तकनीकी गड़बड़ी को दूर कराने के लिए पटना भेजा था, लेकिन पटना में मरम्मत के बाद अस्पताल लाए जाने के कुछ दिन बाद ही यह मशीन फिर से खराब हो गया। जिससे कई सवाल खड़े हो रहे है।

वहीं, दूसरी ओर ईसीजी मशीन की गुणवत्ता पर सवाल उठ रहा तो दूसरी तरफ तकनीशियन टीम की नियति भी सवालों के घेर में आ गई है कि आखिर बार बार यह मशीन क्यों खराब हो रही है। कही उसके रख रखाव में तो लापरवाही नहीं बरती जा रही है या फिर जानबूझकर इसे खराब तो नहीं किया जा रहा है। ताकि, मरम्मत की खर्च में अपपा कट ले सकें।

लापरवाहों पर करेंगे कार्रवाई

अनुमंडलीय अस्पताल में मरीजों को गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सेवा का लाभ मरीजों मिले, यही हमारी प्राथमिकता है। किसी भी सूरत में किसी की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जो लापरवाह होंगे उनपर कारवाई करेंगे। - डॉ गिरीश कुमार सिंह, उपाधीक्षक, अनुमंडलीय अस्पताल, डुमरांव

डुमरांव में जल्द बनेगा अशोक सम्राट भवन नगर परिषद ने भेजा 1.70 करोड़ का प्रस्ताव

- नगर परिषद कार्यालय से सटे उत्तरी दिशा में 11 डिसमिल भूमि है चयनित
- एक माह के भीतर टेंडर निकाल कर्य प्रारंभ करने की है उम्मीद

केटी न्यूज/डुमरांव

आधुनिक व बहुउपयोगी सामुदायिक भवन का निर्माण नगरवासियों के लिये शीघ्र किया जाना है। इस भवन का नाम सम्राट अशोक के नाम पर होगा, जिसका प्रस्ताव तीन साल पहले ही लिया जा चुका था। अब इसकी तैयारी जोरों पर चल रही है। इस भवन का निर्माण प्रखंड कार्यालय परिसर की जमीन पर होगा जो नप कार्यालय से सटे ठीक उत्तर दिशा में मौजूद है।

सामुदायिक सम्राट अशोक भवन का निर्माण कुल 11 डिसमिल भूमि पर किया जाएगा। इसके लिए नगर परिषद ने 1 करोड़ 70 लाख रुपये का प्राक्कलन तैयार कर विभाग के कार्यपालक अभियंता को भेज दिया है। जैसे ही तकनीकी स्वीकृति और प्रक्रिया पूरी होगी, भवन निर्माण के लिए टेंडर जारी कर दिया जाएगा। टेंडर जारी होते ही भवन निर्माण कर्य की सारी औचारिकता पूरी हो जाएगी, जिससे भवन निर्माण कार्य में तेजी आएगी।

ईओ मनीष कुमार ने बताया कि प्रस्तावित भवन नप क्षेत्र के लिए बहुउद्देश्यीय उपयोग के कार्य में काम आएगा। इसमें सरकारी व सार्वजनिक आयोजनों के साथ सांस्कृतिक, सामाजिक व जनकल्याण से जुड़ी गतिविधियों को भी प्राथमिकता मिलेगी। इस तरह की सुविधा मिलने से कार्यक्रम आयोजित करने के लिये लोगों को भागदौड़ नहीं करनी पड़ेगी। उन्होंने आगे बताया कि सब कुछ ठीक रहा तो एक माह के भीतर टेंडर की प्रक्रिया पूरी कर निर्माण कार्य आरंभ कर दिया जाएगा। नगर परिषद कार्यालय के ठीक सामने स्थित 11 डिसमिल भूमि को चिन्हित कर भूमि की साफ-सफाई और सर्वे का कार्य भी पूरा कर लिया गया है।

आधुनिक सुविधाओं से लैस होगा भवन: प्रस्तावित अशोक सम्राट भवन पूरी तरह से आधुनिक सुविधाओं से युक्त होगा। भवन में एक भव्य सभा कक्ष, मीटिंग हॉल, अतिथि कक्ष, शौचालय, पेयजल की सुविधा, और रैंप जैसी सुलभ सुविधाएं भी उपलब्ध रहेंगी। रैंप सुविधा बहाल होने से दिव्यांगजन को भवन में प्रवेश करने से लेकर उतरी मंजिल तक जाने में भी असानी होगी। इसके साथ ही भवन के मुख्य गेट से प्रवेश करते ही हरियाली और समुचित प्रकाश व्यवस्था मौजूद रहेगी। वहीं गेट के बाहर और भीतर पार्किंग की पूरी व्यवस्था रहेगी।

लाल राज में हत्या और लूट तो आम बात कपड़े सुखाने की रस्सी भी होने लगी थी चोरी: विनोद चौबे

केटी न्यूज/बक्सर

बिहार के विकास की जब भी बात होती है। तो लालू प्रसाद यादव के शासनकाल की याद आती है। वह ऐसा समय था। जब हर तरफ जंगल राज था। खुलेआम लूटपाट, हत्या, बलात्कार, अपहरण, धांधली, सरकारी नौकरियों में पूरी तरह भाई-भतीजावाद ,शहर के गुंडों की सरकारी नौकरी में भर्ती। गांव के चुनिंदा लोगों के यहां सैकड़ों की संख्या में आकर लूटपाट करते थे। बिहार में एक ऐसा भी दौर आया कि पोछे के कपड़े तथा कपड़े सुखाने के लिए बांधी गई रस्सी तक की चोरी होने लगी थी। राह चलते साइकिलों और मोटरसाइकिलों की लूट व मकानों व जमीन पर कब्जा और कब्जे के लिए हत्या तो मानों आम बात हो गयी थी। उक्त बातें पूर्व आइआरएस विनोद चौबे ने एक प्रेस वार्ता के दौरान कहीं।

उन्होंने कहा कि लालू राज की शासन ऐसी थी कि पालतू जानवरों की चोरी, स्कूल कॉलेज की पढ़ाई ठप, परीक्षा तथा सेशन का लेट होना, रंगदारी के कारण रोजगार धंधों का बंद हो जाना, व्यापारियों का पलायन, पढ़ाई तथा नौकरी के लिए पलायन और कई अनगिनत अपराध आम बात थी। अगर आज के नौजवानों को इन सब बातों का ज्ञान या आभास नहीं हो तो आप अपने मां-बाप,दादा-दादी,मामा-मामी,नाना-नानी से पूछ ले और उन सारे भुक्तभोगियों से इसकी जानकारी ले सकते हैं। केंद्र की कांग्रेस की सरकार मूकदर्शक बनकर देखती रही। बिहार की निरीह और असहाय जनता यह सब सहती रही। कानून के रखवाले इन सारे के सारे अपराधों में कहीं ने कहीं शामिल रहे। जब शासन बदला और भाजपा

और नीतीश की एनडीए सरकार आई, तब सब कुछ रातों-रात बदलना चालू हो गया।

आज का बिहार विकास की ओर अग्रसर : अपराधियों की गिरफ्तारी व उन पर कानूनी शिकंजा कसने लगा। रात का सफर आसान हो गया। हत्या, लूट, अपहरण और सारे अपराधों पर लगाम लग गया। उस समय एक ही चूक हुई कि सारे के सारे अपराधियों पर मुकदमा चलना चाहिए था तथा सजा होनी थी। एनडीए के नेतृत्व की सरकार के शासनकाल में आज का बिहार बिल्कुल ही अलग, विकास की ओर अग्रसर है, और आज सभी क्षेत्रों में विकास की नई गाथा लिख रहा है। पूर्व आइआरएस ने इन विषयों को लेकर कुछ समय पहले जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में गोष्ठी हुई थी। आज इसकी चर्चा इस लिए जरुरी है क्योंकि, बिहार विधानसभा का चुनाव सामने है। ऐसे में यहां की जनता को यह निर्णय लेना है। बिहार का विकास कैसे होगा।

पति की हत्यारोपित सोनम गाजीपुर से गिरफ्तार स्कॉर्ट के इंतेजार में नगर थाने में रूका काफिला

केटी न्यूज/बक्सर

राजा रघुवंशी हत्याकांड में पत्नी सोनम रघुवंशी पर शिकंजा कसता जा रहा है। उत्तर प्रदेश के गाजीपुर से गिरफ्तार सोनम रघुवंशी की 72 घंटे की ट्रांजिट रिमांड मिलने के बाद शिलांग पुलिस मेघालय के लिए निकल गई है। शिलांग पुलिस सोमवार रात सोनम रघुवंशी को लेकर गाजीपुर से बक्सर के रास्ते पटना होकर शिलांग ले जा रही है।

बताया जाता है कि सोमवार देर रात सोनम रघुवंशी को गाजीपुर के जिला जज की अदालत में पेश किया गया। कोर्ट में शिलांग पुलिस ने ट्राजिंट रिमांड की मांग की। दलील सुनने के बाद अदालत ने शिलांग पुलिस की अपील पर सोनम रघुवंशी को 72 घंटे की रिमांड पर सौंपा। अदालत की प्रक्रिया पूरी करने के

बाद सोमवार देर रात ही शिलांग पुलिस गाजीपुर से पटना के लिए निकल गई। शिलांग पुलिस सोनम को गाड़ी से पटना के लिए रवाना हुई। शिलांग पुलिस का काफिला कुछ देर के लिए बक्सर जिले के आदर्श नगर थाने में रुका था। बताया जाता है कि, मेघालय पुलिस की संख्या 12-15 के बीच थी. सोनम रघुवंशी ने अपने चेहरे को स्कॉफ से ढका हुआ था। नगर थाने से रात्रि एक बजे सुरक्षा की मांग की गई। सभी लोगों ने चाय नास्ता किया। वहीं सोनम लेकर मेघालय जा रही पुलिस की टीम ने भोजन किया। इस दौरान पुलिसकर्मी आपस में सोनम के द्वारा अपने पति की हत्या कराये जाने की बात कर रहे थे।

जानकारी के अनुसार, राजा रघुवंशी और सोनम रघुवंशी की शादी 11 मई को इंदौर में संपन्न हुई थी। शादी के महज नौ दिन बाद 20 मई को नवविवाहित जोड़ा हनीमून पर पूर्वोत्तर राज्य मेघालय के शिलांग स्थित सोहर गया था। राजा रघुवंशी की हत्या इसी दौरान की गई और 23 मई को खाई में गिरी शव बरामद हुआ। परिजनों के अनुसार, सोनम ने पहले से ही पूर्वोत्तर के राज्य में हनीमून मनाने की योजना बनाई थी, लेकिन वहां से वापसी का कोई टिकट बुक नहीं कराया था, जिससे संदेह और गहराया।

वार्ड 19 के लालगंज कड़बी के लोगों को नहीं मिली जलजमाव से मुक्ति

केटी न्यूज/डुमरांव

विकास के नाम पर उपेक्षा का दंश झेल रहे लालगंज कड़बी के लोग को आज भी समस्याओं से छूटकारा नहीं मिल पाया। परिसीमन बदला, वार्ड की चौहदी बदली, लेकिन उनका विकास नहीं हुआ। रोड, नाली और गली की समस्याओं से लोग अज भी जूझ रहे हैं। नगर के मुख्य सड़क स्टेशन रोड से जुड़ा लालगंज कड़बी मोहल्ले में प्रवेश करने वाले रास्ते में जलजमाव की समस्या सालों से बरकरार है।

लोगों का कहना है कि प्रखंड कार्यालय के मुख्य गेट के सामने मध्य विद्यालय खिरौली से रोड जाती है। इसके एक तरफ नाली का निर्माण हुआ है, जो पूरी तरह से टूट गई है। इस कारण पानी सड़क पर जमा हो जाता है, जिससे रास्ता अवरूद्ध हो जाता है। लिहाजा लोगों को पानी से होकर आने-जाने पर मजबूर होना पड़ता है।

इस वार्ड में कई ऐसी गलिया हैं, जहां दो-चार घरों के लिये पीसीसी रोड बना दिया गया है। वहीं इस मुख्य रोड पर पानी जमा होने के बाद भी इसका कोई इंतजाम नहीं किया जा रहा है। स्कूल में पढ़ने के लिए छोटे बच्चे आते हैं, जिन्हें जूता-मोजा खोलकर जमा पानी के रास्ते पार करना पड़ता है। बहुत छोटे बच्चों को पार कराने के लिये उनके अभिभावक गोद में उठाकर ले जाते हैं। इसको लेकर लोगों ने ईओ से शिकायत की है, बावजूद इस पर कोई कार्रवाई नहीं हो पाई। लोग अब आंदोलन करने के मूड में आ गए हैं। इसका निदान नहीं निकला तो भूख हड़ताल से लेकर आमरण अनशन तक लोग करने की तैयारी करने में लगे हुए हैं।

अधिप्राप्ति धान के विरूद्ध सीएमआर जमा करने की डीएम ने की समीक्षा, बोले...

15 जून तक जमा कराए शत प्रतिशत सीएमआर

- 15 जून तक सीएमआर जमा नहीं करने वाले समितियों व मिलरो पर करें कार्रवाई

केटी न्यूज/बक्सर

जिलाधिकारी डॉ. विद्यानंद सिंह की अध्यक्षता में मंगलवार को खरीफ विपणन मौसम 2024-25 के तहत अधिप्राप्ति धान के विरूद्ध सीएमआर (चावल) जमा करने की समीक्षा की गई।

समीक्षा के क्रम में यह पाया गया कि अधिप्राप्ति धान के विरूद्ध अब तक मात्र 81.39 प्रतिशत ही सीएमआर (चावल) की आपूर्ति राज्य खाद्य निगम के गोदाम में किया जा सका है। इस संबंध में

जिलाधिकारी ने जिला सहकारिता पदाधिकारी एवं जिला प्रबंधक, राज्य खाद्य निगम बक्सर को निदेशित किया कि सभी समितियों से खरीद किये गये धान की मात्रा के अनुरूप सम्बद्ध राईस मिलों से दिनांक 15 जून तक शत-प्रतिशत चावल प्राप्त कर अनिवार्य रूप से राज्य खाद्य निगम बक्सर के सीएमआर गोदामों पर जमा कराना सुनिश्चित करेंगे।

वहीं, 15 जून तक शत-प्रतिशत सीएमआर जमा नहीं कराने वाले समितियों एवं राईस मिल के विरूद्ध नियमानुसार कार्रवाई का प्रस्ताव देने का निर्देश जिलाधिकारी ने दिया।

समीक्षा के दौरान यह पाया गया कि वर्तमान में सबसे अधिक प्रखण्ड राजपुर में 112 लॉट तथा प्रखण्ड इटाढ़ी में 89 लॉट सीएमआर जमा करना शेष है। डीएम ने इस पर गहरी नाराजगी जताई तथा अपर समाहर्ता, विभागीय जांच को निर्देश दिया कि सबसे कम सीएमआर आपूर्ति करने वाले पैक्सों एवं राईस मिलों तथा सभी प्रखंड सहकारिता प्रसार पदाधिकारी के साथ समीक्षा बैठक कर उन्हें अपने स्तर से 15 जून तक शत-प्रतिशत सीएमआर आपूर्ति करने का निर्देश दें। जिलाधिकारी ने जिला सहकारिता पदाधिकारी को निर्देश दिया कि निर्धारित तिथि तक सीएमआर जमा कराना सुनिश्चित करें अन्यथा उनके विरूद्ध कार्रवाई के लिए विभाग को प्रतिवेदित किया जाएगा। समीक्षा बैठक में अपर समाहर्ता, विभागीय जॉच, जिला आपूर्ति पदाधिकारी, जिला सहकारिता पदाधिकारी, जिला प्रबंधक राज्य खाद्य निगम बक्सर एवं अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

केशव टाइम्स डिजिटल संस्करण
भोजपुर आसपास
बक्सर, 11 जून 2025
website:keshavtimes.com
e-mail:keshavtimes1@gmail.com

नीरा उत्पदान से नशा मुक्ति अभियान का करना है अनुपालनः बीपीएम

- नीरा उत्पादन और बिक्री केंद्र का बीपीएम ने किया शुभारंभ
- बिक्री स्टॉल के निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने बताए इसके महत्व

केटी न्यूज/सासाराम

जिले के तिलौथू प्रखंड क्षेत्र के हुरका पंचायत में ग्रेजुएशन किए हुए इंदू देवी के द्वारा सुधा पिजी नीरा उत्पादन समूह एवं चंदनपुरा पंचायत के चोरकप गांव में नीरा उत्पादन सह बिक्री केंद्र का शुभारंभ बीपीएम साकीब दानीश ने की।

इस संदर्भ में कहा कि इसका उद्देश्य बिहार सरकार के द्वारा गरीबी उन्मूलन व नशा मुक्ति अभियान के अनुपालन करना है। बताया कि नीरा का प्रोत्साहन न केवल एक आर्थिक पहल है, बल्कि इससे जुड़ कर जीविका दीदी रोजगार कर आत्म निर्भर बन रही है। इसके अलावा यह ग्रामीण स्वास्थ्य और पोषण को भी सुदृढ़ बनाने की दिशा में सकारात्मक कदम है। नीरा सूर्योदय से पहले एक विशेष विधि द्वारा निकाली जाती है और इसकी शुद्धता बनाए रखने एवं लंबे समय तक भंडारण के लिए विशेष उपकरणों का उपयोग किया जाता है। नीरा एक शुद्ध, प्राकृतिक और पौष्टिक पेय है, जिसमें भरपूर मात्रा में विटामिन, खनिज और अन्य पोषक तत्व पाए जाते हैं। यह पेय शरीर को ठंडक प्रदान करता है और गर्मी के मौसम में ऊर्जा का अच्छा स्रोत माना जाता है। कहा कि यह पहल पारंपरिक रूप से ताड़ी उत्पादन से जुड़े परिवारों को सरकार द्वारा वैकल्पिक एवं स्थायी रोजगार उपलब्ध कराने की दिशा में एक सशक्त कदम है। इसमें महिलाओं की भागीदारी को प्राथमिकता दी जा रही है, ताकि उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त किया जा सके।

ताड़ और खजूर के पेड़ों से जुड़ी अन्य वस्तुएं जैसे झाड़, पंखा, डलिया, चटाई आदि का भी निर्माण कर लाभ कमाया जा सकता है। नीरा से गुड़, पेड़ा और आइसक्रीम जैसे उत्पाद तैयार कर बाजार में बेचे जा सकते हैं, जिससे रोजगार के साथ-साथ आमदनी में भी वृद्धि संभव है।

महिलाओं की भागीदारी को प्राथमिकता दी जा रही है : पारंपरिक रूप से ताड़ी उत्पादन से जुड़े परिवारों को सरकार द्वारा वैकल्पिक एवं स्थाई रोजगार उपलब्ध कराने की दिशा में एक सशक्त कदम है। इसमे महिलाओं की भागीदारी को प्राथमिकता दी जा रही है, ताकि उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त किया जा सके। तिलौथू प्रखंड क्षेत्र के 250 ताड़ के पेड़ों से 37 टैपरों के द्वारा प्रशिक्षण देकर 20 लोगों के द्वारा नीरा निकालने का काम निरा उत्पादक समूहों के द्वारा किया जा रहा है। जो संबंधित बिक्री केंद्र पर जीविका दीदी डीप फ्रीजर मे रख कर बेचने का कार्य कर रहीं हैं।

एक नजर

अच्छी खबर : रेल यात्रियों की सुविधा के लिए आज से चलेगी एक जोड़ी स्पेशल ट्रेन

आरा। ग्रीष्मकालीन अवकाश को लेकर यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ ट्रेनों में देखने को मिल रही है। ऐसे में यात्रियों की सुविधा के लिए रेलवे ने कई स्पेशल ट्रेनों का परिचालन शुरू किया है, जिससे यात्रियों को काफी राहत मिल रही है। डीडीयू-पटना-मोकामा-झाझा के रास्ते नई दिल्ली और हावड़ा के बीच 01 जोड़ी स्पेशल ट्रेन 04092/04091 का परिचालन किया जा रहा है। इसकी जानकारी रेलवे के सूचना जनसंपर्क अधिकारी सरस्वती चंद्र ने दी। उन्होंने बताया कि गाड़ी सं. 04092 नई दिल्ली-हावड़ा स्पेशल 11 जून से 19 अगस्त तक प्रत्येक बुधवार एवं शनिवार को नई दिल्ली से 19:30 बजे खुलकर अगले दिन 08:20 बजे डीडीयू, 09:30 बजे बक्सर, 10:30 बजे आरा, 10:53 बजे दानापुर, 11:30 बजे पटना जं., 12:16 बजे बख्तियारपुर, 12:33 बजे बाढ़, 12:55 बजे मोकामा, 13:53 बजे किउल, 14:21 बजे जमुई एवं 15:38 बजे झाझा सहित अन्य स्टेशनों पर रुकते हुए 21:40 बजे हावड़ा पहुंचेगी। वहीं, वापसी में गाड़ी सं. 04091 हावड़ा-नई दिल्ली स्पेशल 12 जून से 20 अगस्त 2025 तक प्रत्येक गुरुवार एवं रविवार को हावड़ा से 23:50 बजे खुलकर अगले दिन 05:13 बजे झाझा, 05:38 बजे जमुई, 06:12 बजे किऊल, 06:40 बजे मोकामा, 06:58 बजे बाढ़, 07:16 बजे बख्तियारपुर, 08:15 बजे पटना जं., 08:53 बजे दानापुर, 09:26 बजे आरा, 10:08 बजे बक्सर, 11:40 बजे डीडीयू सहित अन्य स्टेशनों पर रुकते हुए तीसरे दिन 01.00 बजे नई दिल्ली पहुंचेगी। इस स्पेशल ट्रेन में प्रथम वातानुकूलित श्रेणी का 01 कोच, द्वितीय वातानुकूलित श्रेणी के 02 कोच, तृतीय वातानुकूलित श्रेणी के 04 कोच, तृतीय इकॉनोमी वातानुकूलित श्रेणी का 01 कोच, शयनयान श्रेणी के 06 तथा साधारण श्रेणी के 04 कोच होंगे।

बिहार बदलाव यात्रा के तहत भोजपुर जिले में आज होगी प्रशांत किशोर की होगी जनसभा

आरा। बिहार में संपूर्ण क्रांति और व्यवस्था परिवर्तन के उद्देश्य से शुरू की गई 'बिहार बदलाव यात्रा' के तहत जन सुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर भोजपुर में जन सभा को संबोधित करेंगे। उनकी पहली जनसभा शाहपुर प्रखंड के हरिनारायण हाई स्कूल मैदान में होगी, और दूसरी सभा आरा नगर निगम में रामलीला मैदान में होगी जन सभाओं से पहले प्रशांत किशोर का जिले में विभिन्न स्थानों पर पार्टी कार्यकताओं और आम जनता द्वारा ढोल नगाड़ों के साथ स्वागत किया जाएगा। जन सुराज के सूत्रधार के आगमन को लेकर पूरे जिले के कार्यकताओं में काफी उत्साह है और बुधवार को हजारों की संख्या में लोग उन्हें सुनने के लिए जनसभा में शामिल होंगे। 20 मई से सारण जिले के सिताब दियारा से शुरू की गई 'बिहार बदलाव यात्रा' का उद्देश्य बिहार की जनता को व्यवस्था परिवर्तन के लिए जागरूक करना और आगामी विधानसभा चुनाव में जन सुराज के तौर पर एक मजबूत विकल्प जनता के समक्ष रखना। इस यात्रा के तहत प्रशांत किशोर अगले 120 दिन में बिहार के सभी 243 विधानसभा सीटों का दौरा करेंगे और जनता से सीधा संवाद स्थापित करेंगे।बिहार को बदहाली से निकाल कर देश के अग्रणी राज्यों की श्रेणी में शामिल करने के सपने को लेकर प्रशांत किशोर राज्यव्यापी यात्रा पर एक बार फिर से निकले हैं।

खबरें फटाफट

चोरी में संलिप्त फरार अभियुक्त गिरफ्तार

काराकाट। बिक्रमगंज अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी कुमार संजय ने अपने पुराने कार्यालय कक्ष में मंगलवार को प्रेसवार्ता की। उक्त दौरान उन्होंने बताया कि काराकाट थाना क्षेत्र के मनोज आईटीआई संस्थान से चोरी मामले में एक और चोर को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया हैं। उन्होंने कहा कि पिछले साल नगर पंचायत काराकाट के सात वार्ड में स्थित मनोज आईटीआई में चोरो ने लाखों रुपए के सामानों की चोरी की थी। जिसमें उस समय ही त्वरित कार्रवाई करते हुए बरामद कर ली गई थी। वहीं उक्त मामलें में पुलिस ने एक अप्राथमिकी अभियुक्त को गुप्त सूचना के आधार पर नासरीगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत डिहरी गांव निवासी धीरेंद्र सिंह के 19 वर्षीय पुत्र मोनू कुमार को घर से गिरफ्तार कर लिया गया और जांच के उपरांत जेल भेज दिया गया।

20 सूत्री कार्यालय का जदयू नेत्री ने किया उद्घाटन

बिक्रमगंज। बिक्रमगंज प्रखंड कार्यालय परिसर में निर्मित भवन दो मंजिलें पर प्रखंड स्तरीय कार्यक्रम कार्यान्वयन समिति 20 सूत्री कार्यालय का उद्घाटन किया गया। जदयू काराकाट राज्य परिषद सदस्य सह तरारी विधानसभा प्रभारी नेत्री अरुणा देवी एवं भारतीय जनता पार्टी के जिला प्रवक्ता सह 20 सूत्री सदस्य नवीन चंद्र शाह तथा मदन प्रसाद वैश्य सहित एनडीए के सभी दलों के प्रखंड अध्यक्ष ने सामूहिक रूप से फीता काट कर किया। अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष को कुर्सी के आसन पर विराजमान कराकर फूल माला से स्वागत किया गया। तत्पश्चात प्रखंड कार्यालय की मीटिंग हॉल में एक बैठक की गई। जिसकी अध्यक्षता धनंजय सिंह तथा संचालन संजय कुमार वर्मा ने किया। जिले की ओर से आए हुए सभी अतिथियों का स्वागत फूल माला एवं अंग वस्त्र से किया गया। सदस्यों के परिचय के उपरांत अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष ने तन मन धन से सेवा करने का संकल्प लिया। मौके पर गौतम तिवारी, अरविंद भारतीय, सुनील सिंह, सूरज कुमार, मिंटू कुमार, डॉ सुरेश सिंह, डॉ गोरखनाथ गुप्ता, विजय कुमार चौधरी, बृज बिहारी सिंह व अन्य मौजूद रहे।

अजीमाबाद थाना क्षेत्र के करवासीन ईंट भट्टा के 25 नंबर बालू घाट पर हुआ हादसा

ट्रक ने बाइक सवार दो दोस्तों को मारी टक्कर, एक की मौत; दूसरा इलाजरत

- मंगलवार की सुबह हुई बड़ी घटी दुर्घटना
- इलाज के लिए ननउर स्थित निजी अस्पताल ले जाने के दौरान उसने रास्ते में तोड़ा दम

केटी न्यूज/आरा

आरा-अरवल मार्ग पर जिले के अजीमाबाद थाना क्षेत्र के करवासीन ईट भट्ट स्थित 25 नंबर बालू घाट के समीप मंगलवार की सुबह ट्रक ने फुफेरी भाई के बारात से वापस लौट रहे बाइक सवार दो दोस्तों को टक्कर मार दी। हादसे में एक की मौत हो गई, वहीं एक बुरी तरह से जख्मी है। बताया जा रहा है कि इलाज के लिए ननउर स्थित निजी अस्पताल ले जाने के दौरान एक ने रास्ते में ही दम तोड़ दिया। वहीं, जख्मी उसके एक अन्य दोस्त का इलाज परिजन द्वारा अपने स्तर से निजी अस्पताल में कराया जा रहा है। घटना को लेकर लोगों के बीच अफरा-तफरी का आलम रहा। घटना के बाद चालक ट्रक लेकर मौके से फरार हो गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतक गीधा थाना क्षेत्र के कायमनगर गांव निवासी जीतन पासवान का 19 वर्षीय पुत्र नीतीश कुमार है एवं वह इंटर का छात्र था। जबकि जख्मी उसका एक अन्य दोस्त शामिल है। उधर घटना के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने घटनास्थल पर शव को सड़क के बीच रख कुछ देर सड़क जाम कर दिया। सड़क जाम की सूचना पाकर आदिमाबाद थानाध्यक्ष पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और लोगों को समझा-बूझाकर जाम को हटवाया। जिसके पश्चात पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर उसका पोस्टमार्टम सदर अस्पताल में करवाया। इधर मृतक के पिता जीतन पासवान ने बताया कि सोमवार की शाम वह बेटे नीतीश कुमार के साथ अपने भांजे के बारात में अरवल जिला के बहादराबाद शामिल होने के लिए गए थे और वे बस में थे। जबकि उनका बेटा नीतीश कुमार अपने एक अन्य दोस्त के साथ बाइक से गया था। मंगलवार की सुबह जब उनका बेटा नीतीश कुमार अपने एक अन्य दोस्त के साथ बाइक से बारात से वापस लौट रहा था। उसी दौरान करवासीन ईट भट्ठा स्थित 25 नंबर बालू घाट के समीप ट्रक ने उनके बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। हाथ जिससे वह एवं उसका दोस्त जख्मी हो गए। इसके बाद गंभीर हालत में नीतीश कुमार को स्थानीय लोगों द्वारा ननउर स्थित निजी अस्पताल ले जाया गया। जहां चिकित्सक ने देख उसे मृत घोषित कर दिया। इसके बाद स्थानीय लोगों द्वारा इसकी सूचना उसके परिजनों को दी गई। सूचना पाकर परिजन वहां पहुंचे और उन्होंने इसकी सूचना स्थानीय थाना को दी।

फुफेरे भाई की शादी की खुशियां मना रहे थे परिजनः बताया जाता है कि मृतक अपने दो भाई व एक बहन में बड़ा था। उसके परिवार में मां धनवंती देवी व एक भाई गुमान कुमार एवं एक बहन निशा कुमारी है। जहां एक तरफ लोग उसके फुफेरे भाई की शादी की खुशियां मना रहे थे। वहीं उसकी मौत की खबर मिलते ही शादी का माहौल मातम में तब्दील हो गया। जिस घर में गाने-बजाने एवं ढोल ताशे की आवाज सुनाई दे रही थी। उसी घर में उसकी मौत के बाद रोनेधोने एवं चीखने-चिल्लाने की चित्कारियां गूंजने लगी। घटना के बाद मेरी छात्र के घर में कोहराम मच गया है। इस घटना के बाद मृत छात्र की मां धनवंती देवी एवं परिवार के सभी सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।

7.9 किग्रा गांजा के साथ एक तस्कर

केटी न्यूज/सासाराम

जिले के काराकाट में मंगलवार को बिक्रमगंज एसडीपीओ कुमार संजय ने प्रेसवार्ता का आयोजन किया। इस दौरान उन्होंने बताया कि काराकाट पुलिस ने सोमवार को गुप्त सूचना के आधार पर करीब सात किलो 900 ग्राम गांजा के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार कर लिया। यह कार्रवाई सीओ डॉ रितेश कुमार व थानाध्यक्ष भागीरथ कुमार के नेतृत्व में गोडारी के समीप से की गई है। पकड़ा गया गांजा तस्कर गुप्तेश्वर प्रसाद भोजपुर जिले के नवादा बेन का रहने वाला है।

उन्होंने कहा कि काराकाट पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि एक व्यक्ति डेहरी से पटना जाने वाली बस में गांजा लेकर जा रहा है। सूचना मिलते ही मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए एनएच 120 पर बहुआरा काली मंदिर के समीप सघन वाहन चेकिंग की गई। जैसे ही नासरीगंज की ओर से एक बस को रोका गया तो पुलिस को देख एक व्यक्ति तेजी से गेट की ओर बढ़ने लगा,जिसे तुरंत पकड़ लिया गया। उस व्यक्ति का नाम गुप्तेश्वर प्रसाद, ग्राम नवादा बेन, थाना उदवंतनगर जिला भोजपुर बताया गया। कहा कि एनडीपीएस एक्ट के तहत तलाशी नियमों का पालन करते हुए उसके पिठू बैग और झोले की तलाशी की गई। तलाशी में आठ बंडल गांजा जैसा मादक पदार्थ बरामद हुआ, जिसका कुल वजन 7.900 किग्रा था। इसका कीमत करीब 96 हजार रुपए के आसपास होगी। साथ ही एक वीवो कंपनी का मोबाइल भी बरामद किया गया है, जिसमें जिओ कंपनी का सिम मौजूद था।

बेटी के घर आए पिता को गाय ने मारा, हुई मौत

आरा। सिन्हा थाना क्षेत्र के सिन्हा गांव में मंगलवार की सुबह गाय के मारने से एक व्यक्ति रामाशंकर साह की इलाज के दौरान मौत हो गयी। जानकारी के अनुसार रामाशंकर साह अपनी बेटी के ससुराल शादी समारोह में शामिल होने आये थे। मृतक उत्तरप्रदेश के बलिया जिले के बैरिया थाना क्षेत्र के घुरी टोला मुरली छपरा गांव निवासी शिव परसन साह के 80 वर्षीय पुत्र रामाशंकर साह है।

इधर मृतक के समधी कृष्णा साह ने बताया कि उनकी बेटी सरस्वती कुमारी की सात जून को बारात थी, जिसको लेकर उनके समधी रामाशंकर साह बारात के दो दिन पूर्व उनके गांव सिन्हा आये थे। मंगलवार की सुबह जब वे गाय को रोटी खिलाने गये, तभी गाय ने उन्हें अपने सींग से मार उन्हें दीवार में दाब दिया, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गये। सदर अस्पताल ले जाने के क्रम में उनकी मौत हो गई। बताया जाता है कि मृतक के परिवार में पत्नी ललिता देवी, तीन पुत्री विमला, सुनीता, रामावती व दो पुत्र जय प्रकाश एवं पंकज कुमार साह है। घटना के बाद मृतक के घर में कोहराम मच गया है।

जिले के सभी पीएचसी को 45-45 किट कराए गए है उपलब्ध, बोले वीबीडीसीओ...

हाथीपांव के मरीजों के लिए एमएमडीपी किट जरूरी

केटी न्यूज/सासाराम

हाथीपांव एक गंभीर बीमारी है। इससे निपटने के लिए सरकार कई कार्यक्रम चला रही है जिसमें सर्वजन दवा सेवन अभियान के साथ-साथ फाइलेरिया पीड़ित मरीजों को एमएमडीपी किट एवं दिव्यांगता प्रमाण पत्र प्रदान करना शामिल है।

इधर रोहतास जिले में भी हाथीपांव से पीड़ित मरीजों को इन सुविधाओं से लाभ दिलाने के लिए जिला फाइलेरिया उन्मूलन इकाई लगातार कार्य कर रही है। फाइलेरिया पीड़ित लोगों को एमएमडीपी किट के साथ-साथ दिव्यांगता प्रमाण पत्र मुहैया कराया जाए इसके लिए भी जिला स्वास्थ्य समिति लगातार कार्य कर रही है। रोहतास जिले में 1500 के आसपास हाथीपांव से पीड़ित मरीज की पहचान की गई है। ऐसे मरीजों को सबसे पहले एमएमडीपी किट मुहैया कराने को लेकर कार्य किया जा रहा है। एमएमडीपी किट में मरीजों को टब, टॉवल, साबुन, क्रीम, लोशन, चप्पल जैसे कई महत्वपूर्ण सामग्री दिए जा रहे हैं जो फाइलेरिया पीड़ित मरीजों के लिए काफी उपयोगी होता है। जिला फाइलेरिया उन्मूलन इकाई से मिली जानकारी के अनुसार जिले के सभी पीएचसी के 45-45 एमएमडीपी किट उपलब्ध करा दिया गया है। सभी पीएचसी अपने अपने स्तर से इस किट का वितरण जरूरतमंद फाइलेरिया पीड़ित मरीजों के बीच करेंगे। इसके पूर्व सभी एमओआईसी, बीसीएम एवं सीएचओ को एमएमडीपी किट का इस्तेमाल करवाने का प्रशिक्षण भी प्रदान किया जा चुका है।

एमएमडीपी किट फायदेमंद : वेक्टर जनित रोग नियंत्रण पदाधिकारी जयप्रकाश गौतम ने बताया कि हाथीपांव से पीड़ित मरीजों के लिए एमएमडीपी किट काफी फायदेमंद होता है। क्योंकि इस किट में कई समान और दवाइयां होती जिसके इस्तेमाल से हाथीपांव से पीड़ित मरीजों को राहत मिलता है। उन्होंने बताया कि इस किट का इस्तेमाल करने के लिए भी हाथीपांव के मरीजों को प्रशिक्षण दिया जाता है और बताया जाता है कि यह किट कितना आवश्यक है। उन्होंने बताया कि इस किट में एक विशेष प्रकार का चप्पल भी होता है जो हाथीपांव के मरीजों के लिए काफी फायदेमंद होता है, क्योंकि हाथीपांव के मरीजों को ईफैक्टेड हिस्से को धूल और गंदगी से बचाना होता है।

11-06-2025 Final_11-06-2025 Final.qxd 6/10/2025 11:32 PM Page 5

बिहार में अवैध हथियार रखने वाले सावधान, होगी सख्त कार्रवाई : एडीजी कुंदन कृष्णन

केटी न्यूज/पटना

बिहार में अवैध हथियार रखने वाले सावधान हो जाए। एडीजी कुंदन कृष्णन ने उनके ऊपर सख्त कार्रवाई की तैयारी कर ली है। जिनके पास वैध हथियार है, उनके लाइसेंस का सत्यापन किया जाएगा। कारतूसों की खरीद का कोटो नियंत्रित किया जाएगा। बंदूक की दुकानों में भी जांच की जाएगी।

हथियार और कारतूस तस्करी पर पुलिस बड़ी कार्रवाई की तैयारी में है। राज्य में अपराध को नियंत्रित करने के लिए अपराधियों को अवैध तरीके से उपलब्ध होने वाले हथियार और कारतूस की पूरी चेन को नष्ट किया जा रहा है। इसके मद्देनजर पुलिस महकमा ने एक खास रणनीति तैयार करके अमलीजामा पहनाया जा रहा है। सूबे में लाइसेंसी हथियार रखने वालों की संख्या करीब 80 हजार है। इन सभी के लाइसेंस का सत्यापन किया जाएगा। यह देखा जाएगा कि लाइसेंस रखने वाले हथियार चलाने योग्य हैं या नहीं। अधिक उम्र या बुजुर्गों के नाम पर लाइसेंस होने पर इसे रद्द भी किया जा सकता है, क्योंकि हथियार चलाने के लिए वे अनफिट माने जाएंगे।

आर्म्स कंट्रोल एक्ट में उल्लेखित प्रावधानों के अंतर्गत कार्रवाई करने की तैयारी में पुलिस महकमा है। इसके अलावा सभी लाइसेंसों की विस्तृत जानकारी केंद्र सरकार की वेबसाइट नेशनल डाटाबेस ऑफ आर्म्स लाइसेंस इश्यूएंस सिस्सटम पर होना अनिवार्य है।

गोली खरीद का कोटा होगा निर्धारित

हथियारों को एक विशेष कोड मिलता है। जिस हथियार में यह यूनिक कोड नहीं होगा, उसे अवैध की तर्ज के तौर पर ही माना जाता है। इस पैमाने पर सभी लाइसेंसी हथियार धारकों को परखा जाएगा। इसके लिए जिला स्तर पर विशेष अभियान जल्द शुरू होने जा रहा है। ताकि हथियारों की समुचित जानकारी गृह विभाग और पुलिस महकमा के पास मौजूद हो। इस मामले में एडीजी (मुख्यालय) कुंदन कृष्ण ने बताया कि लाइसेंसी हथियारों के वेरिफिकेशन का कार्य चुनाव से पहले शुरू कर दिया जाएगा। इससे चुनाव में भी हथियारों की उपयोगिता के बारे में जानकारी मिल सके। राज्य सरकार ने पहले ही पूर्वोत्तर राज्यों और जम्मू-कश्मीर से बने हथियारों के लाइसेंसों को अवैध या अमान्य घोषित कर चुकी है। लाइसेंस धारकों को प्रति वर्ष 200 राउंड गोली या कारतूस खरीदने की अनुमति अभी है। परंतु इसे कम प्रत्येक लाइसेंस पर अधिकतम 85 गोली खरीदने का आदेश जारी होने जा रहा है। इसमें भी एक बार में अधिकतम 25 राउंड गोली ही खरीद सकते हैं। इससे अधिक गोली खरीदने से पहले पुरानी कारतूस का खोखा जमा करना होगा, तभी आगे की खेप में गोली खरीद सकते हैं। सभी आर्म्स दुकानदारों को समुचित डाटाबेस मेंटेन करना होगा।

85 लाइसेंसी आर्म्स दुकानों की भी होगी जांच

राज्यभर में लाइसेंसी आर्म्स दुकानों की संख्या 85 है। इन सभी की जांच होगी। इनका रजिस्टर या पंजी देखा जाएगा कि किस तारीख में कितने कारतूस, हथियार समेत अन्य की बिक्री की गई है। किस लाइसेंस पर अधिक गोली का उठाव किया जाता है। लाइसेंसधारकों को गोली खरीदने की क्या स्थिति है। किसी सिक्योरिटी कंपनी के पास हथियार है, तो उसके स्तर से कितनी गोली की खरीद होती है। इन बातों का पूरा डाटाबेस दुकानों को रखना अनिवार्य होता है। इन बातों की गहन तफ्तीश होगी। इस कारण इसे किया गया आवश्यक कई मामलों में यह देखा गया है कि कई लाइसेंस धारक बड़ी संख्या में गोली का उठाव करते हैं, लेकिन वे चलाते कहां हैं, इसकी कोई जानकारी नहीं होती है। बार-बार बिना उपयोग के गोली की खरीद करने वाले कई लोग इसे ब्लैक मार्केट में बेच देते हैं। अपराधियों तक अवैध कारतूस के पहुंचने का यह बड़ा कारण माना जाता है। इस तरह की कवायद से अपराधियों को मिलने वाले अवैध हथियार और कारतूस के बड़े चेन को आसानी से तोड़ा जा सकता है। इससे अपराध पर नियंत्रण में मदद मिलेगी। इसके लिए सभी लाइसेंस धारकों का गोली खरीद का भी रिकार्ड चेक किया जाएगा। जिससे यह पता चल पायेगा कि उन्होंने गोली कहां खर्च की है।

गर्मी के कारण बिल्डिंग के दूसरे फ्लैट में सो रहा था मालिक, चोरों ने उठाया इसका फायदा

पटना में बंद फ्लैट की खिड़की तोड़कर 30 लाख रुपये की चोरी

- आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज देख रही है पुलिस
- जांच में डॉग स्क्वायड टीम की ली जाएगी मदद

केटी न्यूज/पटना

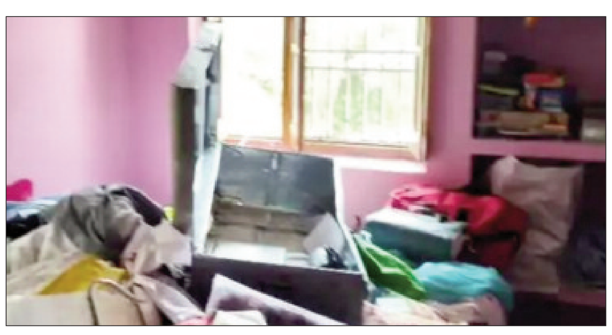

पटना जिले के बिहटा नगर परिषद क्षेत्र में एक बंद फ्लैट से अज्ञात चोरों ने लगभग 30 लाख रुपये के गहने और नकदी चोरी कर ली। घटना जीजे कॉलेज रोड स्थित एक अपार्टमेंट की है, जहां मनीष कुमार नामक व्यक्ति के दो फ्लैट हैं। चोरी की यह वारदात उस समय हुई जब मनीष अपने परिवार के साथ दूसरे फ्लैट में सो रहे थे।

घटना मंगलवार देर रात की बताई जा रही है। वैशाली जिले के रहने वाले मनीष कुमार पिछले कई वर्षों से बिहटा में रह रहे हैं और स्थानीय एक प्राइवेट कंपनी में कार्यरत हैं। उनके पास जीजे कॉलेज रोड स्थित अपार्टमेंट में दो फ्लैट हैं-फ्लैट संख्या 103 और 108। गर्मी के कारण वह अपने परिवार के साथ 108 नंबर फ्लैट में सो रहे थे, जबकि 103 नंबर फ्लैट बंद था। इसी बंद फ्लैट का फायदा उठाकर चोर खिड़की तोड़कर अंदर घुसे और अलमारियों को तोड़कर सोने-चांदी के गहनों और नकदी की चोरी कर ली। चोरी की इस वारदात की किसी को भनक तक नहीं लगी। सुबह फ्लैट के अन्य लोगों ने बंद फ्लैट का टूटा हुआ हाल देखा तो तुरंत 112 नंबर पर पुलिस को सूचना दी। इसके बाद पुलिस ने मनीष कुमार को जानकारी दी। जब मनीष परिवार सहित फ्लैट नंबर 103 पर पहुंचे तो उन्होंने देखा कि अलमारियां टूटी हुई हैं और सारा सामान बिखरा पड़ा है। इसके बाद फ्लैट के मालिक मनीष कुमार ने थाने में लिखित शिकायत दी और चोरी हुए सामान को वापस दिलाने की मांग की। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। बिहटा थाना के थानाध्यक्ष शशि कुमार राणा ने बताया कि चोरी फ्लैट नंबर 103 में हुई है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज देख रही है और डॉग स्क्वायड की मदद से भी जांच की जाएगी। सूचना मिलने के बाद पुलिस की टीम मौके पहुंची थी जहां घटना की जानकारी डॉग स्क्वायड टीम को दी गई है। फ्लैट के मालिक मनीष कुमार ने अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कराया है।

घर में लगभग 25 से 26 लाख के गहने, कैश और अन्य सामानों की चोरी हुई है। फिलहाल पुलिस जांच में जुटी है।इस बड़ी घटना की जानकारी मिलते ही बिहटा थाना की पुलिस टीम मौके पर पहुंची। थानाध्यक्ष शशि कुमार राणा ने बताया कि फ्लैट नंबर 103 में चोरी की पुष्टि हुई है और मामले की गंभीरता को देखते हुए डॉग स्क्वायड को भी सूचना दी गई है ताकि सुराग जुटाए जा सकें। शुरूआती जांच में यह सामने आया है कि चोरों ने बड़ी चालाकी से वारदात को अंजाम दिया है और किसी को भनक तक नहीं लगने दी। पुलिस को इस बात का पूरा विश्वास है कि गर्मी के कारण फ्लैट का मालिक दूसरे के यहां परिवार के साथ सो रहा था तब इसकी जानकारी किसी को जरूरी होगी। तभी इसका फायदा उठा कर इस घटना को अंजाम दिया गया है। और किसी को पता भी नहीं चल पाया है। वहीं इस संबंध में थानाध्यक्ष ने बताया कि पुलिस हर पहलू की गहरायी से जा रही है। जल्द ही इस घटना का उद्भेदन कर कर दिया जाएगा। साथ ही माल भी बरामद होगा।

छपरा नगर निगम के घूसखोर क्लर्क को निगरानी ने दबोचा

छपरा। छपरा में भ्रष्टाचार के खिलाफ निगरानी विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए नगर निगम के एक लिपिक को घूस लेते रंगेहाथ गिरफ्तार किया है। पकड़े गए लिपिक की पहचान सूरज मोहन यादव के रूप में हुई है, जो नगर निगम में कार्यरत है। जानकारी के अनुसार, सूरज मोहन यादव एक सेवानिवृत्त नगर निगम कर्मी की पेंशन शुरू कराने के एवज में 60 हजार रुपये की रिश्वत की मांग कर रहा था। जैसे ही वह घूस की रकम ले रहा था। तभी पकड़ा गया।

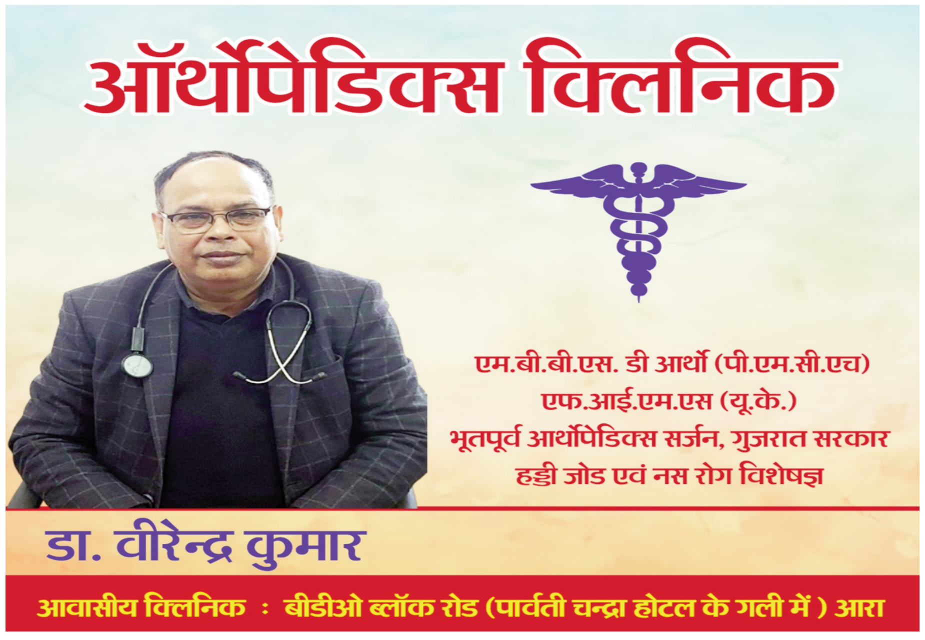

डीएम ने किया निरीक्षण, ड्यूटी से गायब मिले पदाधिकारी व कर्मी, वेतन किया बंद

- औचक निरीक्षण में डीएम ने आम जनता की समस्या को भी सूना

केटी न्यूज/गयाजी

गया जी जिले के डीएम शशांक शुभंकर मंगलवार सदर प्रखंड कार्यालय पहुंचे। औचक निरीक्षण में अंचलाधिकारी के साथ-साथ सभी राजस्व कर्मचारी एवं अंचल के प्रधान लिपिक रीता कुमारी, उच्च लिपिक श्याम दास, उच्च लिपिक अशोक कुमार सिंह, निम्न लिपिक शिव शंकर दास, निम्न लिपिक मंजीत कुमार, उर्दू अनुवादक मो. रामदास अहमद, रानू गुप्ता अमीन, सौरव कुमार अमीन, स्वेता कुमारी अमीन, नवीन कुमार संविदा अमीन, प्रणव अली अमीन सहित 2 कार्यालय परिचारी अनुपस्थित थे। डीएम आरटीपीएस काउंटर पर भी गये। वहां उपस्थित लोगों से बातचीत की। पूछा कि किस काम के लिए आप यहां आए हैं, आवेदन जमा करने के लिए एप्लीकेशन कहां से प्राप्त किए हैं। इस तरह के कई सवाल डीएम ने वहां पहुंचे लोगों से किया। वही आवश्यक जानकारी को बाहर चिपकाने का निर्देश वहां के कर्मचारियों को दिया ताकि जरूरी जानकारी लोगों को मिल सके। डीएम ने पूछा कि पिछले एक सप्ताह में आरटीपीएस पर कितने आवेदन प्राप्त हुए हैं। कितने का निपटारा किया गया। इस बात की जानकारी उन्होंने कर्मचारियों से ली। चिलचिलाती धूप और भीषण गर्मी में गयाजी के डीएम शशांक शुभंकर पैदल घूम-घूम कर सभी कार्यालयों का औचक निरीक्षण किया। जिसके बाद सीडीपीओ कार्यालय का निरीक्षण डीएम ने किया। निरीक्षण के दौरान सीडीपीओ अनुपस्थित पाए गए। जबकि प्रखंड कृषि कार्यालय में कृषि पदाधिकारी अनुपस्थित पाये गये। सांख्यिकी कार्यालय पहुंचने पर देखा की वो भी अधिकारी अनुपस्थित मिले, इस प्रकार सभी कार्यालयों के बारी बारी निरीक्षण किया और यह अभियान आगे भी जारी रहेगा। गायब रहने वाले पदाधिकारी व कर्मियों का वेतन कर दिया है।

पलटी डायल 112 की पुलिस वैन, हादसे में चार पुलिसकर्मी घायल

सारण। जिले के दाउदपुर थाना क्षेत्र में सोमवार देर रात एक बड़ा हादसा हो गया। बरेजा-जैतपुर मुख्य सड़क पर डायल 112 की गश्ती वाहन अनियंत्रित होकर गड्ढे में पलट गई। हादसा रात करीब डेढ़ बजे हुआ, जब पुलिस टीम रात्रि गश्ती पर निकली थी। इस दुर्घटना में वाहन सवार चार पुलिसकर्मी गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय ग्रामीण मौके पर पहुंचे और कड़ी मशक्कत के बाद सभी घायलों को गड्ढे से बाहर निकाला। इसके बाद उन्हें तत्काल एकमा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए चारों को छपरा सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया। डॉक्टरों के अनुसार सभी खतरे से बाहर हैं। दाउदपुर थानाध्यक्ष रिंकी कुमारी ने हादसे की पुष्टि की।

सुपात्र परिवारों की पहचान के लिए तेजी से कराया जा रहा है सर्वेक्षण

बिहार के दस जिलों में 1308 जनजातीय परिवारों को मिलेगा पक्का घर: सम्राट चौधरी

- विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों के लिए आवास योजना के लिए राशि बढ़ाकर दो लाख रुपये की गई निर्धारित

केटी न्यूज/पटना

उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाअभियान के तहत विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों के 1308 परिवारों को पक्का मकान उपलब्ध कराना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। चौधरी ने कहा कि यह योजना डबल इंजन सरकार की उस प्रतिबद्धता का प्रतीक है, जिसके अंतर्गत कमजोर समुदायों को सामाजिक-आर्थिक न्याय दिलाने की दिशा में ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि भारत सरकार के ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा दिनांक 29 अप्रैल 2025 को जारी पत्र के माध्यम से बिहार राज्य को इस योजना में शामिल किया गया है। चौधरी ने बताया कि अनुसूचित जाति एवं जनजाति कल्याण विभाग ने राज्य के 10 जिलों में बांका, कैमूर, भागलपुर, गया, कटिहार, किशनगंज, मधेपुरा, नवादा, पूर्णिया एवं सुपौल में असुर, बिरहोर, बिरजिया, हिलखरिया, कोरवा, मालपहाड़िया, परहइया, सौरिया पहाड़िया एवं सावर जनजाति के परिवारों को चिन्हित किया है, जो इस योजना के अंतर्गत लाभान्वित होंगे।

उपमुख्यमंत्री चौधरी ने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत जहां अब तक लाभुकों को 1.20 लाख रुपये की सहायता राशि तीन किस्तों में मिलती थी। विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों के लिए यह राशि बढ़ाकर 2.00 लाख रुपये कर दी गई है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाअभियान और प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) की सहायता राशि का भुगतान चार बराबर किस्तों में किया जाएगा।

प्रथम किस्त 50,000 रुपये की होगी जो आवास की स्वीकृति के बाद दी जाएगी। द्वितीय किस्त 50,000 रुपये की होगी जो भूतल सतह (प्लिंथ) तक निर्माण कार्य पूर्ण होने पर दिया जाएगा। तृतीय किस्त 50,000 रुपये की होगी जो लिंटर तक कार्य पूरा होने पर दी जाएगी, और अंतिम चौथी किस्त 50,000 रुपये की होगी जो छत स्तर से ऊपर फिनिशिंग कार्य पूरा होने के बाद दी जाएगी। चौधरी ने कहा कि इसके अतिरिक्त प्रत्येक लाभुक को मनरेगा के अंतर्गत लगभग 27,000 रुपये की मजदूरी तथा स्वच्छ भारत मिशन के तहत 12,000 रुपये की राशि शौचालय निर्माण के लिए दी जाएगी। इस प्रकार प्रत्येक परिवार को कुल 2.39 लाख रुपये की वित्तीय सहायता प्राप्त होगी उपमुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि इस योजना का लाभ उन्हीं परिवारों को मिलेगा जिनके पास पहले से पक्का मकान नहीं है और जिनके परिवार का कोई सदस्य सरकारी सेवा में नहीं है। सुपात्र परिवारों की पहचान के लिए सर्वेक्षण कराया जा रहा है।

11-06-2025 Final_11-06-2025 Final.qxd 6/10/2025 11:32 PM Page 6

संक्षिप्त समाचार

मंडल से लेकर प्रदेश तक मोदी सरकार की उपलब्धियां बताएगी भाजपा, आदिवासियों पर फोकस

रांची, एजेंसी। केंद्र में नरेन्द्र मोदी सरकार के 11 वर्ष पूरे होने पर भाजपा राज्यभर में कार्यक्रम का आयोजन कर रही है। इसमें केंद्रीय नेताओं की उपस्थिति भी होगी। 25 जून तक चलने वाले कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री राज्य का दौरा करेंगे। 10 जून को रांची में पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति इरानी का संवाद कार्यक्रम आयोजित है। 19 जून को रातू रोड एलिवेटेड रोड का शिलान्यास करने आ रहे केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी युवा प्रोफेशनल्स के साथ संवाद करेंगे। इसके अलावा केंद्रीय मानव संसाधन मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के कार्यक्रम की स्वीकृति भी मिलने वाली है। ये सभी नेता नरेन्द्र मोदी सरकार के 11 वर्ष पूरे होने पर राज्य के लिए किए गए कार्यों से जनता को अवगत कराएंगे। मंडल स्तर से लेकर प्रदेश स्तर तक के कार्यक्रम में मोदी सरकार के कार्यक्रमों की प्रदर्शनी लगाई जाएगी। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता अजय साह ने बताया कि 11 सालों में केंद्र सरकार की तरफ से राज्य के सभी समुदाय विशेषकर आदिवासी समाज के लिए किए गए कार्यों की जानकारी पार्टी के नेता देंगे। केंद्र सरकार की तरफ से राज्य को 11 सालों में मिली सहायता राशि का पूरा चार्ट भाजपा की प्रदर्शनी में लगाया जाएगा। इसके अलावा जिला स्तर पर केंद्र से मिली मदद और उससे धरातल पर मिले फायदे की जानकारी भी दी जाएगी। राज्य में बने एकलव्य स्कूल, आयुष्मान भारत योजना के लाभार्थी का आंकड़ा भी प्रदर्शित किया जाएगा। राज्य में केंद्रीय मदद से नेशनल हाइवे और स्टेट हाइवे में बनी सड़कों की सूची भी प्रदर्शनी में शामिल की जाएगी।

जहां कभी नक्सलियों की धमक सुनाई देती थी, वहां आज फैल रही है सेब की महक

तोपचांची, एजेंसी। जहां कभी नक्सलियों की धमक सुनाई देती थी, वहां अब सेब की महक फैल रही है। तोपचांची के सुदूर ग्रामीण क्षेत्र रोआम में इन दिनों सेब की खेती की शुरुआत की गई है। इसकी शुरुआत पूर्व बीस सूत्री अध्यक्ष सह किसान विकास तिवारी ने किया है। सेब की खेती की शुरुआत कर वे दूसरे किसानों के लिए प्रेरणास्त्रोत बन गए हैं। उन्होंने दो वर्ष पूर्व पांच हजार रुपया खर्च कर अपने एक मित्र से हिमाचल से 10 सेब का पौधा मंगवाया था। घर के पीछे जमीन पर 10 पौधे को लगाए और पूरी लगन के साथ दो वर्षों तक पौधे के पीछे मेहनत किया। वर्तमान में आठ पौधों में फल लगा है। इसका उपयोग फिलहाल वे स्वयं कर रहे हैं। सेब का फल लगने के कारण पूरे प्रखंड में विकास तिवारी चर्चा के केंद्र बन गए हैं। सेब की उपज कर किसानों व आमजनों के बीच उन्होंने यह संदेश दिया है कि अगर इच्छा शक्ति हो तो कुछ भी असंभव नहीं है। नक्सल प्रभावित क्षेत्र के नाम से बदनाम तोपचांची में बदलाव की बयार का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि पहले यहां के किसान सब्जी का उत्पादन कर रहे थे। आज सेब की खेती की कोशिश कर रहे हैं। उसमें सफलता भी प्राप्त कर रहे हैं। उनके बगीचे में सेब के पौधों के साथ अंबिका तथा अरुणिका प्रजाति के आम के पौधे भी लगे हुए हैं। जिसमें हर वर्ष फल आता है। उन्होंने बताया कि सेब की खेती को उन्होंने परीक्षण के तौर पर शुरू किया था, जिसमें उन्हें सफलता मिली है। सरकार अगर उन्हें मदद करे तो बड़े पैमाने पर सेब की खेती कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि अभी हिमाचल तथा कश्मीर में सेब पेड़ पर ही लगा हुआ है लेकिन उनके द्वारा लगाए गए पौधे में सेब पूरी तरह से तैयार हो गया है।

सदर अस्पताल में आंखों व दांत के डॉक्टर कर रहे घायल और इमरजेंसी के मरीजों का इलाज, जान को खतरा

गिरिडीह, एजेंसी। गिरिडीह सदर अस्पताल में स्वास्थ्य व्यवस्था की हालत दिन-ब-दिन बिगड़ती जा रही है। अस्पताल में जहां मेडिकल ऑफिसर के 13 पद स्वीकृत हैं, वहां वर्तमान में केवल एक ही मेडिकल ऑफिसर कार्यरत है। चिकित्सकों की भारी कमी के कारण अस्पताल की ओपीडी से लेकर आपातकालीन सेवाओं तक का पूरा दारोमदार अब विशेषज्ञ डॉक्टरों के कंधों पर आ गया है।

मेडिकल ऑफिसर की अनुपलब्धता की वजह से नेत्र रोग विशेषज्ञ, दंत चिकित्सक सहित अन्य विभागों के डॉक्टरों को सामान्य ओपीडी ड्यूटी में लगाया जा रहा है। इससे जहां एक ओर मरीजों को उनकी बीमारी के अनुसार विशेषज्ञ इलाज नहीं मिल पा रहा है, वहीं दूसरी ओर डॉक्टरों को भी अपने वास्तविक कार्य क्षेत्र से अलग होकर ड्यूटी करनी पड़ रही है। इससे स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित हो रही हैं। घायल या आपातकालीन मरीज को तत्काल इलाज की जरूरत होती है तो उसका इलाज भी दांत या आंख के डॉक्टरों से ही करवाया जा रहा है इससे मरीजों की जान को भी खतरा हो सकता है क्योंकि किसी भी आपातकालीन स्थिति में सही विशेषज्ञ का होना बहुत जरूरी होता है। इस पूरे हालात का सीधा असर मरीजों की देखभाल पर पड़ रहा है।

अस्पताल आने वाले लोगों को घंटों इंतजार करना पड़ता है तो कई मामलों में सही सलाह और इलाज नहीं मिल पा रहा है। दूसरी ओर डॉक्टरों पर अतिरिक्त कार्यभार और मानसिक दबाव भी लगातार बढ़ता जा रहा है। अस्पताल कर्मियों की मानें तो कई बार इस विषय को उच्च अधिकारियों के समक्ष उठाया गया है, लेकिन अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। जिले के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल सदर अस्पताल में इस तरह की स्थिति का बने रहना गंभीर सवाल खड़े करता है।

गिरिडीह सदर अस्पताल में स्वास्थ्य सेवाओं की हालत बद से बदतर होती जा रही है। हालात ऐसे हैं कि रात के समय आपातकालीन सेवा की जिम्मेदारी भी अब विशेषज्ञ डॉक्टरों के हवाले कर दी गयी है। नेत्र रोग, दंत रोग, ऑर्थोपेडिक के विशेषज्ञों को भी इमरजेंसी वार्ड में ड्यूटी निभानी पड़ रही है। इसका सीधा असर गंभीर रूप से घायल या अत्यधिक बीमार मरीजों के इलाज पर पड़ रहा है। क्योंकि मेडिकल ऑफिसरों की जबरदस्त कमी बनी हुई है। इस एकमात्र अधिकारी के भरोसे पूरा अस्पताल चलाना नामुमकिन हो गया है, जिसके चलते अन्य विशेषज्ञ चिकित्सकों को ओपीडी से लेकर नाइट शिफ्ट तक ड्यूटी पर लगाया जा रहा है। विशेषज्ञ डॉक्टर, जिनका कार्य किसी विशेष रोग या स्थिति का इलाज करना होता है, वे अब सामान्य बुखार, चोट, एक्सीडेंट और अन्य आपातकालीन मामलों में भी इलाज कर रहे हैं। रात में अगर कोई सड़क हादसे का शिकार घायल अस्पताल पहुंचता है, तो उसका इलाज आंख या दांत के डॉक्टर से करवाया जा रहा है। ऐसे में मरीजों की जान को गंभीर खतरा बना रहता है, क्योंकि कई बार इलाज में अनुभव की जरूरत होती है जो सामान्य मेडिकल ऑफिसर ही बेहतर दे सकता है। अस्पताल में आने वाले मरीजों और उनके परिजनों का कहना है कि वे यहां इलाज कराने आते हैं, लेकिन डॉक्टरों की कमी के कारण घंटों इंतजार करना पड़ता है और फिर जिस बीमारी के लिए विशेषज्ञ डॉक्टर की जरूरत होती है, वहां सामान्य या अन्य विशेषज्ञ इलाज कर रहे होते हैं।

गिरिडीह सदर अस्पताल में मेडिकल ऑफिसरों की लगातार कमी को लेकर स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों की ओर से कई बार उच्च विभाग को पत्राचार किया गया है। इस संबंध में गिरिडीह के सिविल सर्जन डॉ शिव प्रसाद मिश्रा ने बताया कि वर्तमान में अस्पताल में मेडिकल ऑफिसर के कुल 13 पद स्वीकृत हैं, लेकिन दुर्भाग्यवश यहां केवल एक मेडिकल ऑफिसर कार्यरत हैं।

उन्होंने कहा कि इस कारण दंत, नेत्र समेत अन्य विशेषज्ञ डॉक्टरों को ओपीडी के साथ-साथ इमरजेंसी ड्यूटी में भी लगाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इस संकट की जानकारी विभाग को पहले भी दी जा चुकी है। हमने कई बार विभाग को पत्र के माध्यम से मेडिकल ऑफिसरों की कमी से अवगत कराया है और आग्रह किया है कि जल्द से जल्द बहाली की प्रक्रिया शुरू की जाए, लेकिन अब तक कोई सकारात्मक कदम नहीं उठाया गया है।

आदिवासी कल्याण मंत्री भवन का निरीक्षण करने पहुंचे तो गुल हो गई बिजली

रांची, एजेंसी। राजधानी रांची में बिजली की आंख-मिचौनी से आम लोग ही नहीं, खास लोग भी परेशान हैं। सोमवार को राज्य के आदिवासी कल्याण मंत्री चमरा लिंडा हिंदपीढ़ी में आदिवासी मैदान के पास एक भवन का निरीक्षण करने पहुंचे। इस भवन में एससी-एसटी और ओबीसी छात्रों के लिए नि : शुल्क कोचिंग शुरू होने वाली है। मगर बारिश के कारण बिजली गुल हो गई। पूरा भवन अंधकार में डूब गया।

मंत्री निरीक्षण नहीं कर पाए। अंधेरे और गर्मी के कारण वे बरामदे में बैठे रहे। काफी देर बिजली नहीं आई तो मंत्री ने अपने सहायकों से बिजली विभाग के इंजीनियरों को सूचना देने को कहा। पता चला कि बारिश के कारण लोकल फॉल्ट से बिजली गुल हुई है। करीब एक घंटे बाद बिजली बहाल हुई। लेकिन मंत्री नाराज होकर बिना निरीक्षण के ही लौट गए।

उधर, बारिश के कारण शहर के कई इलाकों में बिजली आपूर्ति ठप हो गई। डॉ. कामिल बुल्के पथ पर एक्सआईएसएस के पास एक बड़ा पेड़ तार पर गिर गया।

चक्रधरपुर स्टेशन में जल्द लगेगा वाटर वेंडिंग मशीन, इतने रुपये में मिलेगा एक लीटर आरओ को ठंडा पानी

चक्रधरपुर, एजेंसी। चक्रधरपुर के पैसेंजरों के लिए एक गुड न्यूज है। चक्रधरपुर स्टेशन में चार साल से बंद पड़ी वाटर वेंडिंग मशीन अब एक बार फिर से शुरू होगी।

रेल प्रशासन ने स्टेशन के एक नंबर प्लेटफार्म में वाटर वेंडिंग मशीन लगाने के लिए एक संबंधित एजेंसी को कार्य सौंपा है। 15 दिनों के भीतर एजेंसी वाटर वेंडिंग मशीन लगाने का कार्य शुरू करेंगी। इसके बाद कम पैसे में यात्रियों को शुद्ध आरओ वाटर यात्रियों को मिल सकेगा।

वहीं, चक्रधरपुर स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर 2 और 3 में भी वाटर वेंडिंग मशीन लगाने के लिए रेल प्रशासन टेंडर निकाल कर एजेंसी की तलाश कर रही है।

मालूम रहे कि चक्रधरपुर स्टेशन में पांच वर्षों से वाटर वेंडिंग मशीन बंद पड़ी थी। वाटर वेंडिंग मशीन के बंद होने से यात्री पांच रुपए के बजाय 15 से 20 रुपए में पानी की बोतल खरीदकर पीने के लिए मजबूर हैं।

लंबी दूरी की यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए ट्रेन से उतरकर 5 रुपये में आरओ के ठंडे पानी की बोतल मिल जाती थी, लेकिन अभी लोगों को 15 रुपए में पानी की बोतल मिल रही हैं, जिससे यात्रियों को ज्यादा रुपए खर्च करने पड़ रहे हैं।

चक्रधरपुर स्टेशन में प्रतिदिन 20 हजार से अधिक यात्रियों का आना-जाना होता है। गर्मी के दिनों में चक्रधरपुर स्टेशन के यात्री 3 से 4 हजार लीटर से अधिक बोतलबंद पानी खरीद कर पी जाते है। वहीं, भीषण गर्मी में स्टेशन में लगे नल से गर्म पानी निकल रहा है। यात्रियों को सस्ता शीतल पेयजल उपलब्ध नहीं हो पा रहा था।

चक्रधरपुर रेल मंडल के सीनियर डीसीएम आदित्य कुमार चौधरी ने बताया कि जल्द ही चक्रधरपुर स्टेशन के एक नंबर प्लेटफार्म में वाटर वेंडिंग मशीन लगेगा। रेलवे ने टेंडर के माध्यम से एजेंसी का चयन कर लिया है। उसे जल्द से जल्द वाटर वेंडिंग मशीन को स्थापित करने को कहा गया है।

साल के बीज बेचकर सशक्त हो रहीं ग्रामीण महिलाएं, आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहे कदम

बोकारो, एजेंसी। बोकारो के गोमिया में साल के बीज महिला सशक्तिकरण और आमदनी का जरिया बन रहे हैं। ग्रामीण महिलायें साल के बीज को बेचकर आर्थिक रूप से सशक्त बन रही हैं और आत्मनिर्भरता की ओर कदम बढ़ा रही हैं। जानकारी के अनुसार, गोमिया प्रखंड के सुदूरवर्ती जंगल के ग्रामीण क्षेत्रों में साल के पेड़ के बीज को चुनना लोगों के लिए आमदनी का एक बेहतर जरिया है।

बताया जाता है कि इलाके के झुमरापहाड़, बडकीसिधावारा,चतरोचटी ,बडकीचिदरी,करीं ,कढमा जैसे ग्रामीण इलाकों में साल के पेड़ काफी संख्या में हैं। साल, जिसे 'सखुआ (या सखुवा)' भी कहा जाता है। बड़ी संख्या में महिलायें साल पेड़ के बीज को जमा कर घर लेकर आती है। यहां समतल जगह में रखकर बीज के साथ आये पत्तों को जलाकर महिलायें अलग कर लेती हैं। फिर, साल के बीज को जमा करती हैं, जिसे बाहर से आये व्यापारी खरीदकर ले जाते हैं।

इस काम से जुड़ी महिलाओं ने बताया कि वो लोग 30 से 40 रूपये किलो के भाव से बीज को बेचती है। उनका कहना है कि इस काम को करने में कोई पूंजी नहीं लगती। केवल मेहनत करने से, घर में कुछ पैसे आ जायेंगे। महिलाओं के मुताबिक, बीज बेचकर वो लोग रोजाना 100-200 रपये कमा लेती हैं। वहीं, इस संबंध में वन विभाग के अधिकारियों का कहना है कि वन को सुरक्षित रखते हुए वनो उत्पाद का उपयोग किया जा सकता है।

इधर, बताया गया कि साल के बीज से निकले तेल को 'कुजरी का तेल' कहा जाता है। यह तेल साबुन बनाने में काम आता है। इसे लेकर चतरोचट्टी पंचायत के मुखिया महादेव महतो ने कहा कि इस पर सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में ही लघु उद्योग स्थापित कर तेल निकालना चाहिये। इस तरह गांव में भी साबुन बनाया जा सकता है। इससे राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों में स्वरोजगार और आत्मनिर्भरता बढ़ेगी।

वहीं, पर्यावरणविद जटलू महतो का कहना है कि साल के बीज वन उत्पाद है। इस संबंध पर वन विभाग को समिति बनाकर ग्रामीण क्षेत्रों में लघु उद्योग स्थापित कर साबुन बनाने पर बल देने चाहिये। इससे काफी संख्या में महिला रोजगार से जुड़ेंगी। उन्हें आत्मनिर्भर बनने में बल मिलेगा। जटलू ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में वनो उत्पाद में करंज,नीम,पियार, महुआ,आदि के बीज प्रचुर मात्रा में मिलते हैं, जिससे तेल और साबुन बनता है।

झारखंड में 14 जून तक बारिश का यलो अलर्ट : 40किलो मीटर प्रति घंटा की रफ्तार से चल सकती है हवा

रांची, एजेंसी। झारखंड में मंगलवार यानी 10 जून से मौसम का मिजाज बदलने वाला है। मौसम विज्ञान केंद्र रांची की ओर से जारी अलर्ट के अनुसार, 10 से 14 जून के बीच राज्य के कई जिलों में तेज हवाएं चलने के साथ बारिश की संभावना जताई गई है। खासकर 12 से 14 जून के बीच झारखंड के लगभग सभी जिलों में बारिश और वज्रपात का पूर्वानुमान है। इस दौरान तेज हवाएं चलने और बिजली गिरने की घटनाएं भी हो सकती हैं।

तेज हवाओं के साथ गरज-चमक : मौसम केंद्र के मुताबिक, 10 और 11 जून को राज्य के मध्य और दक्षिणी हिस्सों में तेज हवाएं चल सकती हैं। हवा की गति 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटा तक पहुंच सकती है। इन दो दिनों में लोहरदगा, रांची, रामगढ़, बोकारो, गुमला, सिमडेगा, खूंटी, पूर्वी व पश्चिमी सिंहभूम और सरायकेला-खरसावां जिलों में मेघ गर्जन और वज्रपात की चेतावनी दी गई है।

12 से 14 जून तक पूरे प्रदेश में बारिश : 12 से 14 जून के बीच झारखंड के लगभग सभी जिलों में व्यापक स्तर पर बारिश होने की संभावना है। इस दौरान बिजली गिरने की घटनाएं भी बढ़ सकती हैं। मौसम विभाग ने लोगों से अपील की है कि वे खराब मौसम के दौरान खुले में रहने से बचें और सावधानी बरतें।

तापमान में गिरावट की संभावना : मौसम के बदलते रुख के कारण झारखंड के अधिकतर जिलों में तापमान सामान्य से नीचे रह सकता है। बारिश और बादलों की वजह से अधिकतम तापमान में गिरावट देखी जाएगी। केवल पलामू प्रमंडल में तापमान अभी भी 40 डिग्री सेल्सियस के करीब बना हुआ है, जबकि अन्य जिलों में तापमान इससे नीचे रहने की संभावना है।

जिलावार संभावित तापमान का अनुमान : देवघर, धनबाद, दुमका, गिरिडीह, गोड्डा, जामताड़ा, पाकुड़ और साहिबगंज में अधिकतम तापमान 36 और न्यूनतम 26 डिग्री सेल्सियस रह सकता है। कोडरमा, चतरा, गढ़वा, लातेहार, लोहरदगा और पलामू में अधिकतम तापमान 33 और न्यूनतम 24 डिग्री के आस-पास रहने की संभावना है। रांची, खूंटी, गुमला, बोकारो, रामगढ़ और हजारीबाग में अधिकतम तापमान 35 और न्यूनतम 27 डिग्री, जबकि पूर्वी और पश्चिमी सिंहभूम, सरायकेला और सिमडेगा में अधिकतम 37 और न्यूनतम 27 डिग्री सेल्सियस तक दर्ज हो सकता है।

सावधानी बरतने की सलाह : मौसम विभाग ने लोगों से अपील की है कि वे मौसम की जानकारी पर नजर रखें और खराब मौसम के दौरान खुले इलाकों में न जाएं। किसानों को भी सलाह दी गई है कि वे बारिश और आंधी को देखते हुए फसल संबंधी कामों की योजना सावधानी से बनाएं।

मॉल से शुरू हुई लड़ाई, सोशल मीडिया पर छाई, ढुलू व रणविजय समर्थकों में रील वार शुरू

धनबाद, एजेंसी। धनबाद कोयलांचल के दो बड़े नेताओं के समर्थकों के बीच सोशल मीडिया पर जारी बहस धनबाद में चर्चा का विषय बना हुआ है। इस बहस में उपयोग हो रहे निम्न स्तर की भाषा से जहां जिले की भद्द पिट रही, वहीं लोग शर्मसार भी हो रहे हैं। दरअसल, शुक्रवार की रात धैया स्थित एक मॉल में गाड़ी पार्क करने को लेकर सांसद ढुलू महतो के समर्थक प्रेम महतो और कांग्रेस नेता रणविजय सिंह के पुत्र रणवीर सिंह के बीच विवाद हो गया था। मौके पर पहुंची पुलिस ने स्थिति को अप्रिय होने से रोक दिया था।

उस वक्त काफी देर तक हंगामा चलने के बाद सब वापस लौट गये थे, पर रार कायम रही और उसका असर दो दिन से सोशल मीडिया पर दिख रहा है। दोनों के समर्थक अपने-अपने नेता के समर्थन में और दूसरे को नीचा दिखाने के लिए रील बनाकर सोशल मीडिया पर डाल रहे हैं। ढुलू महतो के समर्थक सांसद को आगे बताने में जुटे हैं तो रणविजय सिंह के समर्थक उन्हें बड़ा साबित करने में लगे हैं, इस सोशल मीडिया वार ने अब राजनीतिक रंग ले लिया है। दोनों ही के रील धीरे पर अब उनके समर्थक अपना-अपना विचार भी दे रहे हैं। इस विचार का स्तर भी धीरे-धीरे काफी नीचे गिरता जा रहा है।

विवाद के बाद जो सोशल मीडिया पर जो रील डाला जा रहा है उसमें किसी को गाड़ी पीछे करते दिखाया जा रहा है, तो किसी को पैर छूते। खास कर एआइ का इस्तेमाल कर फोटो एडिट कर भी उसका एक दूसरे के खिलाफ इस्तेमाल किया जा रहा है। गाने का भी इस्तेमाल किया गया है। भाषाई तौर पर देखें, तो स्तर काफी गिरा हुआ है। पुराने वीडियो और फोटो का भी काफी इस्तेमाल किया गया है। कुछ रील में भोजपुरी गाने के साथ एक-दूसरे को नीचा दिखाया गया है, तो कुछ में डायलॉग है।

सनद रहे कि दोनों ही नेता गाड़ियों के काफिला और लाव-लश्कर के लिए जाने जाते हैं। इसलिए दोनों के समर्थक अलग-अलग ऐसी तसवीरें और वीडियो बना कर सोशल मीडिया पर डाल रहे हैं। सभी में बॉडीगार्ड और गाड़ियों का काफिला दिखा कर एक दूसरे को नीचा दिखाया जा रहा है।

तालाब में बदली राजधानी की सड़कें, प्री मानसून बारिश ने खोली नगर निगम की तैयारी की पोल

रांची, एजेंसी। मानसून आगमन से पहले ही राजधानी रांची के कई इलाके जलमग्न दिख रहे हैं। प्री मानसून बारिश में ही रांची का हाल बेहाल दिख रहा है। जानकारी के अनुसार, सोमवार को रांची में दोपहर दो बजे के बाद झमाझम बारिश हुई। इससे लोगों को भीषण गर्मी से थोड़ी राहत मिली। लेकिन, बारिश के कारण शहर के कई इलाकों में जलजमाव की समस्या सामने आ गयी। इसने जनजीवन को अस्त-व्यस्त कर दिया।

बताया गया कि प्री मानसून बारिश के बाद राजधानी के कई प्रमुख सड़कों, गलियों और मोहल्लों में पानी भर गया। इससे लोगों को आवागमन में परेशानी हुई। बारिश के दौरान कई इलाकों में थंडरिंग होती रही। डॉ जाकिर हुसैन पार्क, जयपाल सिंह स्टेडियम, हलघर प्रेस गली (कचहरी रोड), करमटोली चौक, हिंदपोंदी, पीपी कंपाउंड, स्टेशन रोड, रिम्स समेत अन्य कई स्थानों पर जलजमाव की स्थिति देखी गयी। वहीं, कई इलाकों में नालियों का पानी उफान मारते हुए सड़कों पर बहने लगा, जिससे सड़कें तालाब में तब्दील हो गयी।

इधर, रांची के बड़ा तालाब के पास भारी बारिश के कारण सड़क पूरी तरह जलमग्न हो गयी। इस कारण बाइक सवारों को काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा। एक बाइक सवार असंतुलित होकर गिर गया और उसकी बाइक नाले में जा गिरी। स्थानीय लोगों की मदद से बाइक को बाहर निकाला गया। इसी तरह डॉ जाकिर हुसैन पार्क के पास भी लोग सड़क पर फिसलकर गिरते देखे गये।

कचहरी रोड में भी बारिश के बाद जलजमाव से लोग परेशान दिखे। यहां स्थित हलघर प्रेस गली भी पानी में डूब गयी, जिससे पैदल चलने वालों और वाहन चालकों को परेशानी हुई। बारिश की तीव्रता ऐसी रही कि कुछ ही मिनटों में नालियों का पानी ओवरफ्लो कर सड़क पर फैल गया।

झारखंड में चर्च में भीषण लूट, धर्मगुरुओं को बुरी तरह से पीटा, लगवाए धार्मिक नारे

बोलबा (सिमडेगा), एजेंसी। झारखंड के सिमडेगा जिले के समसेरा स्थित चर्च में रविवार की रात लगभग 1~30 बजे पांच नकाबपोश और हथियारबंद डकैतों ने आतंक मचाया। चर्च में रखे आठ लाख रुपये से अधिक की लूट की और पल्ली पुरोहितों के साथ मारपीट की। मारपीट से तीन धर्मगुरु घायल हो गए।

डकैतों ने धर्मगुरुओं के सिर पर कट्टा तानकर विशेष धर्म के नारे भी लगवाए। इस घटना के बाद ईसाई समाज के लोग दहशत में हैं। इस घटना की जानकारी मिलते ही सोमवार सुबह ईसाई समाज के लोग सड़क पर उतर गए। सड़क जाम कर विरोध प्रकट किया। चर्च में प्रवेश करने के बाद डकैतों ने लगभग एक घंटे तक आतंक मचाया।

चर्च में रखे पैसे के बारे में जानकारी ली और डकैती की। पल्ली पुरोहित फादर इंग्नासियुस टोप्पो, समसेरा विद्यालय के प्रधानाध्यापक अगुस्टिन डुंगडुंग, और सहायक पल्ली पुरोहित रोशन पर जानलेवा हमला किया। तीनों को गंभीर हालत में बोलबा सीएचसी में भर्ती कराया गया है।

सहायक पल्ली पुरोहित रोशन ने बताया कि डकैत डुप्लीकेट चाबी लेकर आए थे और सबसे पहले फादर टोप्पो के कमरे में घुसे। उन्होंने फादर से अन्य लोगों के सोने के स्थान के बारे में पूछा और फिर उन्हें लाठी से पीटते हुए अन्य कमरों में ले गए। सभी को बारी-बारी से पीटते हुए कट्टा का भय दिखाकर धार्मिक नारे लगाने को कहा गया।

डकैतों में से एक ने कट्टा और दूसरे ने बड़ी भुजाली पकड़ी हुई थी। डकैतों ने स्कूल, पल्ली और चर्च से मिलाकर लगभग आठ लाख रुपये की लूट की। सभी डकैत ओड़िया भाषा में बात कर रहे थे। फादर इंग्नासियुस टोप्पो ने कहा कि यह डकैती की तीसरी घटना है, इससे पहले भी दो बार डकैती हो चुकी है।

बोलबा थाना की पुलिस ने पूरे प्रखंड क्षेत्र की सीमाएं सील कर दी हैं और छापेमारी कर रही है। थाना प्रभारी संतोष कुमार ने कहा कि अपराधियों को जल्द गिरफ्तार किया जाएगा। इस घटना से क्षेत्र में आक्रोश व्याप्त है।

केशव टाइम्स डिजिटल संस्करण

संपादकीय

बक्सर, 11 जून 2025
website:keshavtimes.com
e-mail:keshavtimes1@gmail.com

सुभाषितम्

दीपक के प्रकाश की तरह अच्छे काम की ख्याति भी चारों और फैलती है।

विलियम शेक्सपियर

कश्मीर में रेल की कल्पना सदियों पुरानी

- विनोद कुमार सिंह

कश्मीर में रेल की कल्पना सन 1892 में डोगरा महाराजाओं के विजन के साथ शुरू हुआ।एक सदी से भी अधिक पुराना यह स्वप्निल परियोजना हमारे भूवैज्ञानिक,स्थला कृतिक और तार्किक चुनौतियों भरा था।यहाँ कि शिवालिक और पीर पंजाल पर्वत श्रृंखलाओं के बीच से कश्मीर घाटी तक ट्रेन चलाने की एक सदी से भी अधिक पुरानी महत्वाकांक्षी योजना है। सम्पूर्ण विश्व में भारत की पहचान विभिन्नता,विविधता की विशेषताओं से होती है।इसका उदाहरण कश्मीर से कन्या कुमारी तक दी जाती है।तभी तो कश्मीर को भारत माता की मुकुट कहीजाती है।आज फिर कश्मीर की चर्चा चहुँ दिशाओं हो रही है।हो भी क्यूँ नही,यह भारत की विकाश गति गाथा की है।जिनका शुभ शुभारम्भ व शंखनाद करने के लिए स्वयं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देशवासियों को 46000करोड़ रुपये से अधिक विकाश परियोजना ओं की सौगात देने पहुंचे थें।इस अवशर उन्होंने कहा कि यह पवित्र भुमि ह्ववीर जोरावर सिंह जी की है,मैं इस धरती को प्रणाम करता हूँ।माता वैष्णो देवी के आशीर्वाद से आज कश्मीर रेल नेटवर्क से जुड़ गई है।कश्मीर से कन्याकुमारी अब रेलवे नेटवर्क के लिए भी हकीकत बन गया है।आज की हकीकत के पीछे की कहानी पर एक नजर डालते है। आपको बता दे कि कश्मीर में रेल की कल्पना सन1892 में डोगरा महाराजाओं के विजन के साथ शुरू हुआ।एक सदी से भी अधिक पुराना यह स्वप्निल परियोजना हमारे

भूवैज्ञानिक,स्थलाकृतिक और तार्किक चुनौतियों भरा था। यहाँ कि शिवालिक और पीर पंजाल पर्वत श्रृंखलाओं के बीच से कश्मीर घाटी तक ट्रेन चलाने की एक सदीयों से भी पुरानी महत्वाकांक्षी परियोजना है।इनमें चिनाब नदी पर एक स्टील आर्च ब्रिज है जिसे भूकंप और हवा की स्थिति को झेलने के लिए डिजाइन किया गया है।पुल का एक प्रमुख प्रभाव जम्मू और श्रीनगर के बीच संपर्क को बढ़ाना होगा।पुल पर चलने वाली वंदे भारत ट्रेन के माध्यम से,कटरा और श्रीनगर के बीच यात्रा करने में मात्र तीन घंटे लगेंगे,जिससे वर्तमान यात्रा समय में दो-तीन घंटे की कमी आएगी।जम्मू- कश्मीर अभिलेखागार विभाग के विशेष दस्तावेजों के अनुसार,सन 1892 में डोगरा के महाराजा ने पहली बार कश्मीर तक रेल संपर्क का विचार रखा था।जिसे1898 में,शासक ने ब्रिटिश इंजीनियरिंग फर्म एसआर स्कॉट स्ट्रैटन एंड कंपनी को कश्मीर तक रेल मार्ग के लिए बीहड़ इलाके का सर्वेक्षण करने का काम सौंपा था। इस सर्वेक्षण रिपोर्ट तैयार करने और उसे क्रियान्वित करने के लिए तीन ब्रिटिश इंजीनियरों को नियुक्त किया गया,लैकिन1898 से1909 के बीच 11 वर्षों में तैयार की गई तीन में से दो रिपोर्टें अस्वीकार कर दी गईं।डीए एडम द्वारा प्रस्तुत पहली रिपोर्ट में जम्मू और कश्मीर क्षेत्रों के बीच एक इलेक्ट्रिक रेलवे की सिफारिश की गई थी,जिसमें दो फीट छह इंच की एक संकरी लाइन पर भाप इंजन लगे होंगे।इस चुनौती पूर्ण ऊंचाई स्तरों के कारण इस प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया गया था।सन 1902 में डब्ल्यूजे वेटमैन द्वारा प्रस्तुत एक अन्य प्रस्ताव में झेलम नदी के किनारे एबटाबाद(अब पाकिस्तान में)से कश्मीर को जोड़ने वाली रेलवे लाइन का सुझाव दिया गया था,इसे भी अस्वीकार कर दिया गया।हालांकि,वाइल्ड ब्लड के तीसरे प्रस्ताव में रियासी क्षेत्र से होकर चेनाब नदी के किनारे रेलवे लाइन बिछाने की सिफारिश की गई थी।अन्तत इस रिपोर्ट को मंजूरी दे दी गई।उधमपुर,रामसू और बनिहाल के पास बिजली से चलने वाली ट्रेनों को चलाने और बिजलीघर स्थापित करने की कई योजनाओं की भी जांच की गई,लेकिन अंततः उन्हें खारिज कर दिया गया।हालांकि,कई बार खारिज किए जाने के बाद, ब्रिटिश इंजीनियर कर्नल डी.ई. बोरेल को आखिरकार स्थानीय कोयला भंडारों पर एक विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने का काम सौंपा गया।इसके अलावा,भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण(जीएसआई)के तत्कालीन उप अधीक्षक टीडी ला टच से संगरमार्ग और महोगला कोयला खदानों पर एक विस्तृत रिपोर्ट तैयार कराई गई थी।कई अस्वीकृतियों के बाद एक सकारात्मक विकास को चिह्नित करते हुए, दिसंबर1923 में, एसआर स्कॉट स्ट्रैटन एंड कंपनी को कोयला निष्कर्षण परियोजना को लागू करने के लिए फिर से नियुक्त किया गया।हालांकि दस्तावेजों में कहा गया है कि 1925 में महाराजा प्रताप सिंह की मृत्यु और बढ़ते भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के कारण परियोजना को स्थायी रूप से स्थगित कर दिया गया।इस यात्रा में उम्मीद की एक किरण छह दशक बाद जब तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने 1983 में पुनः प्रयास जम्मू-उधमपुर-श्रीनगर रेलवे लाइन की आधारशिला रखी।जिससे यह महत्वाकांक्षी परियोजना को नव जीवन मिला।सुत्रों के अनुसार,उस समय इस मेगा प्रोजेक्ट की लागत करीब 50 करोड़ रुपये आंकी गई थी और इसे पांच साल में पूरा किया जाना था।हालांकि,अगले 13 सालों में बजट बहुत बढ़ गया क्योंकि केवल11किलोमीटर लाइन का निर्माण किया जा सका,जिसमें 300 करोड़ रुपये की लागत से 19 सुरंगें और 11पुल शामिल थे।यह परि योजना बाद में व्यापक उधमपुर -कटरा-बारामूला रेलवे परियोजना में बदल गई,जिसकी अनुमानित लागत 2,500 करोड़ रुपये थी,जिसकी आधारशिला 1996 और 1997 में प्रधानमंत्रियों एचडी देवेगौड़ा और आईके गुजराल ने उधमपुर,काजीगुंड और बारामूला में रखी थी।इस परियोजना का निर्माण कार्य 1997 में शुरू हुआ।यह कार्य भूवैज्ञानिक,स्थलाकृतिक और मौसम संबंधी स्थितियों के कारण चुनौती पूर्ण था।जिसके कारण देरी हुई,जिससे लागत 43,800 करोड़ रुपये से अधिक हो गई है।उधमपुर- श्रीनगर-बारामुल्ला रेलवे लाइन (यूएसबीआरएल)को इसके सामरिक महत्व को देखते हुए राष्ट्रीय परि योजना घोषित किया गया था।272 किमी लंबे खंड में से 209 किमी पहले ही चरणों में चालू हो चुका है,जिसमें 2009 में काजीगुंड- बारामूला, 2013 में बनिहाल- काजीगुंड, 2014 में उधमपुर-कटरा और 2023 में बनिहाल-संगलदान शामिल है।हमारे इंजीनियरिंग के इस चमत्कार में कश्मीर रेल परियोजना के साथ 38 सुरंगें और 927 पुल शामिल हैं,जिनमें चिनाब पुल सबसे खास है,जो एफिल टॉवर से 35 मीटर ऊंचा है।

रावण और कंस को भी मात दी, ट्रंप ने

अमेरिका में हाल मे हुए घटनाक्रम ने विश्व को हिलाकर रख दिया है। डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व में लागू की गई नई नीतियाँ और कार्रवाइयाँ न केवल अमानवीय हैं। एक सभ्य समाज के नैतिक मूल्यों को चुनौती देने वाली हैं। ट्रम्प सरकार द्वारा की जा रही कार्यवाही अंतर्राष्ट्रीय मानव अधिकार कानून का घोर उल्लंघन है। यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगा, ट्रंप की नीतियों ने रामायण के रावण और महाभारत के कंस जैसे पौराणिक अत्याचारियों और अंहकारियों को पीछे छोड़ दिया है। अमेरिका में पिछले कुछ महीनो में जिस तरह से प्रवासियों के ऊपर अत्याचार किए जा रहे हैं। घरों से निकालकर सड़कों पर घसीटकर मारा-पीटा जा रहा है। मां-बाप से बच्चों को दूर किया जा रहा है। अमेरिका में प्रवासियों, विशेषकर बच्चों और उनके परिवारों के साथ पशुओं से भी गया बीता व्यवहार किया जा रहा है। वह मानवता के लिए एक काला अध्याय बन गया है। ट्रंप प्रशासन द्वारा शुरू की गई डिपोर्टेशन नीति, जिसमें रोजाना 3000 लोगों को देश से बाहर निकालने का लक्ष्य राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा दिया गया है। उसने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मानवीय एवं सामाजिक ताने-बाने को छिन्न-भिन्न कर दिया है। बच्चों को उनके माता-पिता से अलग करना, देर रात और सुबह घरों में घुसकर परिवार के सदस्यों को घसीटना, मारपीट करना, चर्च व स्कूल जैसे स्थानों पर छापेमारी कर अमानवी व्यवहार करते हुए लोगों को गिरफ्तार करना, यह सब अमेरिका जैसे लोकतांत्रिक देश की छवि को सारी दुनिया में धूमिल कर रहा है। अमेरिका में जो हो रहा है, वह किसी युद्धग्रस्त क्षेत्र की याद दिलाता है। विश्व के सबसे शक्तिशाली लोकतंत्र मैं यह कृत्य होगें, इसकी कल्पना भी किसी ने नहीं की थी। एक बच्ची का सड़क पर रोते हुए अपनी माँ से कहना, ह्लमुझे मत ले जाने दो,ह्व दिल दहला देने वाला दृश्य सारी दुनिया ने देखा है। यह दृश्य न केवल अमेरिका के संविधान और अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकारों के नियम और कानूनो का घोर उल्लंघन है। ट्रंप का यह कदम न केवल प्रवासियों, बल्कि अमेरिका के अपने नागरिकों, छात्रों, मानवाधिकार कार्यकताओं, और सामान्य लोगों को भी ट्रंप सरकार के नियमों के विरोध में सड़कों पर उतरने के लिए मजबूर कर रहा है। ब्लैक लाइव्स मैटर, डेमोक्रेटिक सोशलिस्ट्स ऑफ अमेरिका जैसे संगठन और स्थानीय गवर्नर राष्ट्रपति ट्रंप की इस नीति के खिलाफ एकजुट होकर विरोध कर रहे हैं। लासएंजेलिस में पिछले चार दिनों से फैला यह विद्रोह कोई हुड़दंग नहीं है, बल्कि बेहतर और मानवीय समाज के संवैधानिक अधिकारों की मांग का आंदोलन है। भारत के संदर्भ में देखें तो हमारी संस्कृति और ग्रंथ हमें सहानुभूति, करुणा और न्याय का पाठ पढ़ाते हैं। रामायण में रावण के अत्याचार और महाभारत में कंस के अत्याचार से सभी भारतीय भली-भांति परिचित हैं। ट्रंप की नीतियाँ अंतर्राष्ट्रीय मानव अधिकार कानून के विपरीत हैं। अमेरिकी संविधान के खिलाफ हैं। दूसरी बार राष्ट्रपति बनने के बाद ट्रम्प में जिस तरह का अहंकार और तानाशाही देखने को मिल रही है। वह दुनिया के देशों को यह सोचने पर मजबूर करता है। सत्ता का दुरुपयोग किस तरह से अमेरिका जैसे विकसित लोकतांत्रिक राष्ट्र राष्ट्र में हो सकता है। विश्व समुदाय को, ट्रंप द्वारा किए जा रहे अत्याचार और असंवैधानिक कार्यों के खिलाफ एकजुट होकर विरोध करने आगे आना होगा। अमेरिका में जिस तरह से भारतीय प्रवासी और छात्रों के साथ बर्बरता पूर्ण व्यवहार किया जा रहा है। इसका विरोध करने के लिए भारत सरकार को कडा विरोध करने की जरूरत है। सबसे आश्चर्य की बात है, भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस मामले में चुप्पी साधे हुए हैं। अमेरिका में रह रहे भारतीय नागरिकों के हितों की रक्षा करने मैं भारत सरकार और अमेरिका स्थित भारतीय दूतावास की लापरवाही, अनदेखी और गैर जिम्मेदारी से भारतीय समुदाय आश्चर्य चकित हैं। अमेरिका के लासएंजेलिस में अमेरिका के नागरिक प्रवासियों का साथ दे रहे हैं। प्रवासियों की लड़ाई लड़ने अमेरिका मूल के नागरिक सड़कों पर उतारकर ट्रंप का विरोध कर रहे हैं। अमेरिका के कई राज्यों के गवर्नर ट्रंप की इस कार्रवाई और असंवैधानिक का विरोध कर रहे हैं। ऐसे समय में मोदी सरकार की चुप्पी से सभी को आश्चर्य हो रहा है। भारत सरकार को समय रहते हुए अमेरिका में रह रहे भारतीयों के हितों को सुरक्षित एवं बेहतर बनाने के लिए त्वरित हर संभव प्रयास करने होंगे।

पंडित राम प्रसाद बिस्मिल : भारत माता के अमर क्रांतिकारी सपूत

- डॉ. शैलेश शुक्ला

पंडित राम प्रसाद बिस्मिल का जन्म 11 जून 1897 को उत्तर प्रदेश के शाहजहाँपुर जिले में हुआ था। उनके पिता का नाम मुरलीधर था जो एक ब्राह्मण परिवार से थे और आय का मुख्य साधन पूजा-पाठ और संस्कृत अध्यापन था। माता का नाम मूलमती था। बिस्मिल बचपन से ही तेजस्वी, जिज्ञासु और आत्मनिर्भर स्वभाव के थे। उनके परिवार की आर्थिक स्थिति अत्यंत सामान्य थी, फिर भी उनके माता-पिता ने उन्हें नैतिक मूल्यों और धार्मिक संस्कारों से परिपूर्ण किया। राम प्रसाद ने प्रारंभिक शिक्षा अपने गाँव और बाद में शाहजहाँपुर के आर्य समाज विद्यालय में प्राप्त की। उन्होंने संस्कृत, हिंदी और उर्दू भाषाओं में विशेष दक्षता प्राप्त की। बचपन में ही राम प्रसाद ने न केवल धार्मिक ग्रंथों में रुचि ली बल्कि राष्ट्रभक्ति और आत्मगौरव की भावना उनके भीतर गहराई से बस गई। जब वे किशोरावस्था में पहुँचे, तो देश की दुर्दशा देखकर उनके मन में ब्रिटिश शासन के प्रति विरोध की भावना प्रबल होने लगी। यह भावना उस समय और तीव्र हुई जब उन्होंने देखा कि भारतीय जनता अंग्रेजों के शासन में दयनीय स्थिति में जीवन जी रही है। यही वह काल था जब उन्होंने बिस्मिल उपनाम से कविताएँ और लेख लिखना आरंभ किया। बिस्मिल की विचारधारा का निर्माण मुख्यतः आर्य समाज और स्वामी दयानंद सरस्वती के सिद्धांतों से हुआ। वे सत्यार्थ प्रकाश के नियमित पाठक थे और आर्य समाज के सुधारवादी विचारों को आत्मसात करते थे। उन्होंने आर्य समाज के मंच से सामाजिक कुरीतियों, धार्मिक अंधविश्वासों और गुलामी के खिलाफ स्वर उठाना शुरू किया। आर्य समाज ने उनमें आत्मबल, राष्ट्रप्रेम और निर्भीकता का बीज बोया। यही वह संगठन था जिसने उन्हें राष्ट्र की मुक्ति के लिए क्रांति के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी। आर्य समाज के प्रभाव में रहकर उन्होंने न केवल धार्मिक स्तर पर पुनर्जागरण की दिशा में कार्य किया, बल्कि सामाजिक और राजनीतिक चेतना भी जागृत की। बिस्मिल का मानना था कि भारत की स्वतंत्रता केवल सुधारवाद से नहीं आएगी, इसके लिए क्रांतिकारी कदम उठाने होंगे। इसी सोच ने उन्हें अनुशीलन समिति, फिर हिंदुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन (ऌफ्अ) जैसी क्रांतिकारी संस्थाओं की ओर खींचा। वे कविताओं, लेखों और पुस्तकों के माध्यम से जनता को जगाने लगे। उनके लेखों में क्रांति की गरिमा और स्वतन्त्रता के लिए संघर्ष की प्रेरणा स्पष्ट झलकती है। उन्होंने मेरी आत्मकथा, कैदियों की माताएं, स्वदेश प्रेम जैसी रचनाएँ लिखीं जो आज भी क्रांतिकारी साहित्य में महत्वपूर्ण स्थान रखती हैं। सन 1924 में राम प्रसाद बिस्मिल, चंद्रशेखर आजाद, योगेश चंद्र चटर्जी, शचीन्द्रनाथ सान्याल और अन्य साथियों के साथ मिलकर हिंदुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन (ऌफ्अ) की स्थापना करते हैं। इस संगठन का उद्देश्य ब्रिटिश शासन के विरुद्ध सशस्त्र संघर्ष करके भारत को आजाद कराना था। इसका घोषणापत्र द रिवोल्यूशनरी नाम से प्रकाशित हुआ जिसमें ब्रिटिश साम्राज्यवाद के खिलाफ पूर्ण असहयोग और हथियारों के प्रयोग की वकालत की गई थी। बिस्मिल न केवल इस संगठन के संस्थापक सदस्य थे, बल्कि इसके वैचारिक, रणनीतिक और साहित्यिक स्तंभ भी थे। उन्होंने संगठन के लिए आर्थिक संसाधन जुटाने, नवयुवकों को प्रशिक्षित करने, गुप्त बैठकों का आयोजन करने और प्रचार साहित्य तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। बिस्मिल का यह मानना था कि केवल अहिंसात्मक आंदोलन अंग्रेजों को देश छोड़ने को बाध्य नहीं करेगा, इसलिए उन्होंने हथियारबंद संघर्ष को आवश्यक बताया। इंकलाब ज़िंदाबाद और वंदे मातरम जैसे नारों के माध्यम से युवाओं को आकर्षित किया और जनजागरण फैलाया। इस संस्था ने देश के विभिन्न हिस्सों में अपने कार्यकर्ताओं को संगठित किया और योजनाबद्ध ढंग से सरकारी संस्थानों को निशाना बनाकर अंग्रेजी शासन को चुनौती दी। 9 अगस्त 1925 को घटित काकोरी कांड भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में एक क्रांतिकारी मोड़ था। इस कांड का नेतृत्व पंडित राम प्रसाद बिस्मिल ने किया था। उद्देश्य था ट्रेन से ब्रिटिश सरकार के खजाने को लूटना ताकि संगठन के लिए धन एकत्र किया जा सके। यह घटना लखनऊ के पास काकोरी रेलवे स्टेशन पर घटित हुई जब क्रांतिकारियों ने चलती ट्रेन को रोककर सरकारी खजाना लूट लिया। इस मिशन में बिस्मिल के साथ अशफाक उल्ला खाँ, ठाकुर रोशन सिंह, राजेन्द्र लाहिड़ी और अन्य कई युवा शामिल थे। यह कार्य अत्यंत साहसिक और सुनियोजित था। हालांकि इस घटना में किसी निर्दोष नागरिक को हानि नहीं पहुँचाई गई, फिर भी ब्रिटिश सरकार ने इसे एक गंभीर आपराधिक कृत्य मानते हुए व्यापक स्तर पर गिरफ्तारी और दमन अभियान चलाया। लगभग 40 से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया गया। इनमें से 4 लोगों झ बिस्मिल, अशफाक, लाहिड़ी और रोशन सिंह झ को मृत्युदंड दिया गया। काकोरी कांड भारत के स्वतंत्रता आंदोलन में यह स्पष्ट कर गया कि युवा पीढ़ी अब केवल याचना या अहिंसा तक सीमित नहीं रहना चाहती, वे सशस्त्र क्रांति के माध्यम से भी देश को आजाद कराने के लिए तत्पर हैं। यह कांड आनेवाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बना।

काकोरी कांड के बाद अंग्रेज सरकार ने बड़ी संख्या में क्रांतिकारियों को पकड़ना शुरू किया। राम प्रसाद बिस्मिल को शाहजहाँपुर से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारी के बाद उनके विरुद्ध मुकदमा चलाया गया जो ऐतिहासिक रूप से काकोरी षड्यंत्र केस के नाम से प्रसिद्ध हुआ। इस मुकदमे की सुनवाई विशेष न्यायालय में की गई और अंग्रेज सरकार ने अत्यंत कठोर दृष्टिकोण अपनाया। बिस्मिल ने न्यायालय में अपने वक्तव्य में देशभक्ति को अपराध नहीं माना बल्कि इसे अपना परम धर्म बताया। उन्होंने ब्रिटिश सरकार के अन्यायपूर्ण रवैये को खुलकर चुनौती दी। जेल में रहते हुए उन्होंने आत्मकथा लिखी जो आज भी स्वतंत्रता संग्राम का अमूल्य दस्तावेज मानी जाती है। जेल का जीवन उनके लिए केवल दंड नहीं बल्कि आत्मचिंतन और साहित्य-सृजन का अवसर भी बना। उन्होंने जेल में रहकर आध्यात्मिक और वैचारिक गहराई के साथ समाज और स्वतंत्रता के मुद्दों पर चिंतन किया। उनका आचरण और धैर्य जेल अधिकारियों को भी प्रभावित करता था। उनका संयम, समर्पण और आत्मबल आज भी आदर्श माने जाते हैं।

पंडित राम प्रसाद बिस्मिल और अशफाक उल्ला खाँ की मित्रता भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की सबसे प्रेरणादायक कहानियों में से एक है। एक हिन्दू और एक मुस्लिम, दोनों ने न केवल धर्म की सीमाओं को लांघा, बल्कि अपने लक्ष्य के लिए जीवन की आहुति भी दी। दोनों का रिश्ता केवल संगठनात्मक नहीं था, बल्कि आत्मीय और भावनात्मक स्तर पर भी अत्यंत गहरा था। बिस्मिल की विचारधारा में दृढ़ता और अशफाक की भावनात्मक प्रतिबद्धता ने दोनों को अभिन्न बना दिया। जब बिस्मिल को गिरफ्तार किया गया और उन पर मुकदमा चला, तब अशफाक ने यह संकल्प लिया कि वे बिस्मिल को छुड़ाने के लिए अपनी जान की बाजी लगा देंगे। लेकिन भाग्य को कुछ और ही मंजूर था।

मृत्यु के बाद आखिर क्या होता है

- संजय गोस्वामी

मृत्यु के बाद आपके अपने कर्मों के अनुसार फल मिलता है आप मान लें 3साल जब आप बच्चे थे तो कैसा था फिर बहुत कड़ी साधना और प्रभु राम के ध्यान में मग्न होंगे तो और पीछे जाने पर माँ की कोख में पाते है उससे पहले आप हवा में विचरण करते मालूम होंगे कड़ी साधन और भगवान राम के प्रति अटूट साधना से मालूम होगा क्योंकि पंडित राम शर्मा आचार्य ने अपने तीन पूर्व जीवन के बारे में मात्र 13वर्ष की आयु में साधना से अपने तीनों जीवन में महान संत थे अन्य धर्मों से जुड़े लोग और वैज्ञानिक सिद्धांतों में विश्वास करने वाले लोग कई अलग-अलग विचार रखते हैं। हिंदू धर्म के अनुसार, मानव आत्मा अमर है और कभी नहीं मरती।

मनुष्य की मृत्यु के बाद, आत्मा (आत्मा) पुनर्जन्म के माध्यम से एक अलग शरीर में पुनर्जन्म लेती है। यह अच्छे और बुरे कर्म (कर्म) हैं जो आत्मा के भाग्य का निर्धारण करते हैं। अंतिम लक्ष्य मोक्ष प्राप्त करना है, जिसका अर्थ है पुनर्जन्म के चक्र से खुद को मुक्त करना और एक पूर्ण आत्मा का हिस्सा बनना।

हिंदू अनुष्ठानों और समारोहों के आधार पर, मृत्यु के तुरंत बाद, आत्मा जीवन के अगले रूप में पुनर्जन्म नहीं लेती है। यह (लिंग शरीर) की संरचना में रहती है। मृत्यु के देवता, जिन्हें यम के रूप में भी जाना जाता है, पहचान की जाँच के लिए यह रूप लेते हैं। इस प्रक्रिया के बाद, आत्मा मृतक के स्थान पर वापस लौटती है, जहाँ वह दरवाजे पर रहती है। मान्यताओं के अनुसार, हमें इस वापसी से पहले दाह संस्कार की रस्में करनी चाहिए ताकि आत्मा शरीर में दोबारा प्रवेश न करे।पुनर्जन्म के इस चक्र को समाप्त करने या इससे बचने के लिए, व्यक्ति को मोक्ष प्राप्त करना चाहिए। केवल संत या वे लोग जिनकी अंतिम संस्कार के बाद राख को गंगा के पवित्र जल में बहा दिया जाता है, वे ही इस अवस्था को प्राप्त कर सकते हैं। दूसरों के लिए, भाग्य पुनर्जन्म की ओर ले जाएगा।

ऐसा माना जाता है कि मृत्यु के 10वें दिन तक, तत्काल परिवार ने कलंक को दूर कर दिया था। कर्ता (मुख्य शोककर्ता) और पुजारी श्राद्ध अनुष्ठान करते हैं। वे मृतक की आत्मा (प्रेत) के अगले भौतिक रूप के सम्मानजनक पुनर्जन्म को सुनिश्चित करने के लिए ये अनुष्ठान करते हैं। समारोह करने के लिए एक पवित्र नदी के पास जमीन पर एक गड्ढा खोदा जाता है। भगवान विष्णु का आह्वान किया जाता है, और शहद, दही, घी, तिल, चीनी और दूध जैसी सामग्री के साथ आटे की दस गोलियां उस क्षेत्र में रखी जाती हैं।दाह संस्कार में शरीर को लकड़ी के लट्ठों में जलाना शामिल है, और ऐसा माना जाता है कि अग्नि एक संदेशवाहक के रूप में कार्य करती है। अग्नि शरीर को भस्म कर देती है और उसे पृथ्वी पर वापस भेज देती है, जहाँ से वह आया था। इस प्रक्रिया से, आत्मा अपने अगले गंतव्य पर जा सकती है। जैसे-जैसे सामान एक-एक करके रखा जाता है, मुख्य शोककर्ता सिर, गर्दन, कंधे, दिल, छाती आदि बनाने की इच्छा रखता है। अंतिम और 10वीं प्रार्थना यह है कि आत्मा भोजन पचा सके और खा सके, जिससे अंततः नए पुनर्जन्म वाले शरीर की प्यास और भूख मिट सके। श्राद्ध और पितृ पक्ष के बारे में अधिक जानने के लिए पितृ पक्ष श्राद्ध पर जाएँ। श्राद्ध समारोह और अन्य अनुष्ठानों के बारे में जानने के लिए हिंदू श्राद्ध अनुष्ठान पृष्ठ पर जाएँ। इन सभी अनुष्ठानों को पूरा करने के बाद, आत्मा अपनी आगे की यात्रा के लिए दुनिया छोड़ देती है।

चिंतन-मनन

जीवन का बड़ा सबक

पं. रामनाथ एक छोटी-सी जगह गुरुकुल में छात्रों को पढ़ाते थे। कृष्णनगर के राजा शिवचंद्र को यह पता लगा तो उन्हें बहुत दुख हुआ कि ऐसा महान विद्वान भी गरीबी में रह रहा है। एक दिन वह स्वयं पंडितजी से मिलने उनकी कुटिया में जा पहुंचे और बोले-पंडित जी, मैं आपकी कुछ सहायता करना चाहता हूं। पं. रामनाथ ने कहा-राजन, भगवान की कृपा ने मेरे सारे अभाव मिटा दिए हैं। मुझे अब कोई आवश्यकता नहीं रही। राजा बोले-मैं घर खर्च के बारे में पूछ रहा हूं। हो सकता है उसमें कुछ परेशानी होती हो। उन्हें जवाब मिला-इस बारे में तो गृहस्वामिनी अधिक जानती हैं। आप उन्हीं से पूछ लें। यह सुनकर राजा गृहिणी के पास जा पहुंचे-माता, आपके घर के खर्च के लिए कोई कमी तो नहीं? गृहिणी का जवाब था- भला सर्व-समर्थ परमेश्वर के रहते उनके भक्तिं को क्या कमी रह सकती है। पहनने को कपड़े हैं। सोने को बिछौना है। पानी रखने के लिए मिट्टी का घड़ा है। भोजन की खातिर विद्यार्थी सीधा ले आते हैं। बाहर खड़ी चौलाई का साग हो जाता है। इससे अधिक की जरूरत भी क्या है? राजा श्रद्धावनत हो गए, फिर भी बोले-हम चाहते हैं कि आपको कुछ गांवों की जागीर प्रदान करें। इससे आपको भी अभाव नहीं रहेगा और गुरुकुल भी ठीक से चलता रहेगा। राजा की यह बात सुनकर वृद्ध गृहिणी मुस्कराई-देखिए राजन, इस संसार में परमात्मा ने हर मनुष्य को जीवन रूपी जागीर पहले से दे रखी है। जो इसे अच्छी तरह से संभालना सीख लेता है, उसे फिर किसी चीज का अभाव नहीं रह जाता। यह सुनकर राजा शिवचंद्र का मस्तक झुक गया। आज उन्हें एक बड़ा सबक मिल गया था।

आज का राशिफल

मेष आज दिन मेहनत और लगन से काम करने का है। आपके पास साहस की कमी नहीं है।

तुला समस्याएं सुलझेंगी जिससे आत्मबल में वृद्धि होगी। पेट और आंखों की समस्या से सतर्क रहें।

वृषभ किसी कार्य में अत्यधिक जल्दबाजी आपकी मेहनत पर पानी फेर सकती है। संयम बनाए रखें।

वृश्चिक जटिल कार्यों का समाधान मिलेगा और नए प्रॉजेक्ट की शुरुआत हो सकती है।

मिथुन नया टार्गेट या क्लाइंट मिलने की संभावना है, लेकिन यह आपके धैर्य की परीक्षा लेगा।

धनु आज लाभ होगा और पुरुषार्थ व साहस के बल पर आप नई ऊंचाइयां छू सकते हैं।

कर्क आज भाग्य के भरोसे न बैठें, आपको अपनी मेहनत के बल पर ही सफलता मिलेगी।

मकर दृष्टिकोण से अत्यंत लाभकारी रहेगा। आपको किसी महत्वपूर्ण कार्य में सफलता मिल सकती है।

सिंह आज समय अनुकूल है। आपके अधूरे काम सहजता से पूरे होंगे और मन में आत्मविश्वास बना रहेगा।

कुंभ आज लाभ होगा और बेहतर होगा कि आप किसी रिश्ते या कार्य में अनावश्यक शक से बचें।

कन्या आज दिन शुभ रहेगा। सामाजिक समारोह में भाग लेने का मौका मिल सकता है।

मीन आज दिन सफलता और संतुलन दोनों लेकर आया है। कठिन समय खत्म होता दिख रहा है।

विशेष

शाह ने लगाए स्टालिन पर भ्रष्टाचार के आरोप

कहते हैं काठ की हांडी बार-बार नहीं चढ़ती है भाजपा यह हांडी बार-बार चढ़ाना चाहती है लेकिन अब इस हांडी में रखे हुये आरोप पक नहीं पा रहे हैं। पिछले दिनों पश्चिम बंगाल के दौरे में अमित शाह गए थे वहां पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए उसके बाद तमिलनाडु आए यहां पर तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन पर 4600 करोड रुपए के भ्रष्टाचार का आरोप लगा दिया अब इन आरोपों के बारे में कोई ना तो जवाब देता है और ना तवज्जो लेता है जनता भी समझ गई है आरोप कभी सच नहीं होते हैं। अब तो भाजपा की वाशिंग मशीन की चर्चा होती है। जिसमें सभी आरोप धुलकर साफ हो जाते हैं।

मंत्रियों के वजन को हल्का करेंगे मोदी जी

केंद्रीय मंत्रिमंडल का जल्द ही पुनर्गठन किया जा सकता है। जिन केंद्रीय मंत्रियों के पास एक से अधिक विभाग हैं।उनका वजन कम करते हुए उनसे एक या दो विभाग वापस लिए जाने की चर्चा शुरू हो गई है। अश्विनी वैष्णव के पास अभी तीन मंत्रालय हैं। शिवराज सिंह चौहान और मनोहर लाल खट्टर के पास दो दो बड़े विभाग हैं। पहलाद जोशी और मनसुख भाई मांडवीया के वजन को भी हल्का किया जा सकता है।बिहार और कुछ राज्यों के अगले साल विधान सभा चुनाव होने वाले हैं। केंद्रीय मंत्रिमंडल में नई जमावट जल्द मोदी जी करेंगे। ऐसी चचाएं शुरू हो गई हैं।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1783 वारेन हेस्टिंग्स के खिलाफ ब्रिटिश संसद ने भ्रष्टाचार के ग्यारह आरोप लगाए, 1858 हागू रोज के नेतृत्व में ब्रिटिश फौजों से भीषण लड़ाई के बाद झांसी की रानी लक्ष्मीबाई झांसी से काल्पी और ग्वालियर गई. 1889 साहित्यकार माखनलाल चतुर्वेदी का जन्म. 1904 प्रसिद्ध गायक कुंदनलाल सहगल का जन्म. 1912 चीनी गणराज्य की घोषणा तिब्बत में की गई. 1942 बावरिया में बंगाल की खाड़ी में तीन ब्रिटिश जहाजों को डुबा दिया गया. 1942 वाशिंगटन में उत्तर अटालांटिका संधि पर अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, बेल्जियम, इटली, पुर्तगाल, नार्वे डेनमार्क, आइसलैंड और कनाडा हस्ताक्षर किये. 1961 हाउस्ट, टेक्सास के एक अस्पताल में कृत्रिम हृदय का प्रत्यारोपण किया.

दैनिक पंचांग

11 जून 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	वृष में	मिथुन	05.34 बजे से
चंद्र	वृश्चिक में	कर्क	07.47 बजे से
मंगल	सिंह में	सिंह	10.03 बजे से
बुध	मिथुन में	कन्या	12.15 बजे से
गुरु	मिथुन में	तुला	14.26 बजे से
शुक्र	मेष में	वृश्चिक	16.41 ब.से
शनि	मीन में	धनु	18.57 बजे से
राहु	कुंभ में	मकर	21.02 बजे से
केतु	सिंह में	कुंभ	22.48 बजे से
राहुकाल		मीन	00.21 बजे से
12.00 से 1.30		मेष	01.52 बजे से
बजे तक		वृष	03.32 बजे से

बुधवार 2025 वर्ष का 162 वा दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास ज्येष्ठ **पक्ष** शुक्ल
तिथि पूर्णिमा 13.14 बजे को समाप्त।
नक्षत्र ज्येष्ठा 20.11 बजे को समाप्त।
योग साध्य 14.04 बजे को समाप्त।
करण बव 13.14 बजे तदनन्तर बालव 01.54 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 14.9 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 23° 05'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872372
जूलियन दिन 2460837.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना जिल्हेज
तारीख 14
विशेष कबीरदास जयंती।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
लाभ	05.54 से 07.22 बजे तक	उद्वेग	05.41 से 07.12 बजे तक
अमृत	07.22 से 08.51 बजे तक	शुभ	07.12 से 08.44 बजे तक
काल	08.15 से 10.19 बजे तक	अमृत	08.44 से 10.16 बजे तक
शुभ	10.19 से 11.47 बजे तक	चर	10.16 से 11.47 बजे तक
रोग	11.47 से 01.16 बजे तक	रोग	11.47 से 01.19 बजे तक
उद्वेग	01.16 से 02.44 बजे तक	काल	01.19 से 02.51 बजे तक
चर	02.44 से 04.12 बजे तक	लाभ	02.51 से 04.23 बजे तक
लाभ	04.12 से 05.41 बजे तक	उद्वेग	04.23 से 05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

बेहद अनोखा है ये फ्लोरिडा का अंडरवाटर म्यूज़िक फेस्टिवल

हर साल फ्लोरिडा में अंडरवाटर म्यूज़िक फेस्टिवल आयोजित होता है, जिसमें दुनियाभर के डाइवर्स, स्नॉर्कलर और म्यूज़िशियन हिस्सा लेते हैं। फ्लोरिडा कीज़ में इस बार भी जुलाई में अंडरवाटर म्यूज़िक फेस्टिवल हुआ और सैकड़ों लोगों ने हिस्सा लिया। इस आयोजन के लिए खास अंडरवाटर म्यूज़िकल इंस्ट्रूमेंट्स इस्तेमाल किए जाते हैं। यह चार घंटे का म्यूज़िकल इवेंट लोकल रेडियो स्टेशन और लोअर कीज़ चैम्बर ऑफ़ कॉमर्स आयोजित करता है जो कि रीफ़ के संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से किया जाता है।

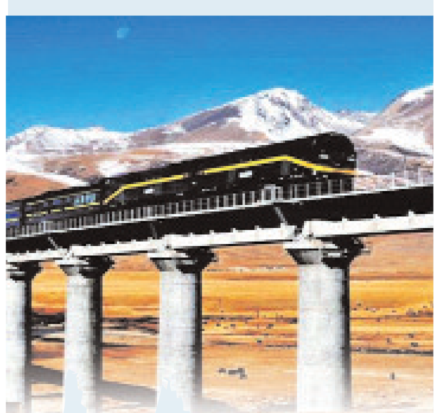

किंघई-तिब्बत रेलवेः सबसे ऊंचाई पर है ये रेल लाइन

दुनिया की सबसे ऊंची रेलवे लाइन चीन–तिब्बत रेलवे लाइन की है। यह रेलवे लाइन चीन के किंघई को तिब्बत से जोड़ती है। ये रेलवे मार्ग हिमालय में लगभग 2,000 किलोमीटर तक फैला हुआ है। इसे इंजीनियरिंग का चमत्कार कहा जाता है। ये ट्रैक समुद्रतल से 5,702 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। इस क्षेत्र में इतनी ठंड पड़ती है कि कम तापमान की वजह से उंगलियां गलकर शरीर से अलग हो सकती हैं। इस रूट पर ऑक्सीजन का दबाव कम होने की शिकायत भी रहती है। यात्रियों को सफर में दिक्कत न हो, इसलिए रेल में ऑक्सीजन की व्यवस्था रहती है। कम तापमान के कारण इस क्षेत्र को तीसरा ध्रुव भी कहा जाता है।

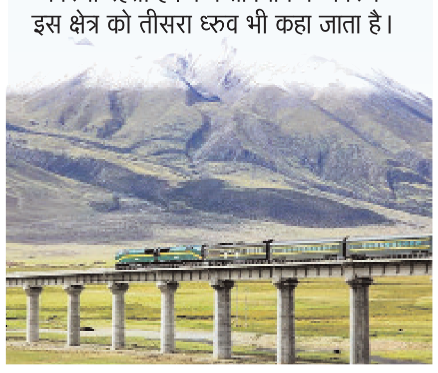

ये है दुनिया के सबसे खतरनाक स्काई वॉक

इन पर चलना है हिम्मत का काम

दुनियाभर में ऐसी कई जगहें हैं जहां जाते ही लोगों के कदम डर के कारण कांपने लगने हैं। लोगों को इनकी भव्यता तो लुभाती है, लेकिन उनकी ऊंचाई पर पहुंचकर उन्हें खूबसूरत के साथ ही खौफनाक मंजर नजर आता है। हम बात कर रहे हैं दुनिया के सबसे खतरनाक ग्लास स्काई वॉक की। आसमान से बात करते इन स्काई वॉक को देखने हर साल लाखों लोग पहुंचते हैं, लेकिन इतनी ऊंचाई पर चलने का साहस हर किसी में नहीं होता। चलिए आज आपको बताते हैं दुनिया के सबसे खतरनाक स्काई वॉक के बारे में

झांगजियाजी ग्रैंड कैन्यन, चीन

दुनिया के सबसे लंबे और ऊंचे कांच के पुलों में शुमार है चीन में बना झांगजियाजी ग्रैंड कैन्यन। अपनी ऊंचाई के कारण दुनियाभर के लोग इसे देखने आते हैं। चारों ओर हरी भरी घाटियां और गहरी खाई को जोड़ता बादलों से बात करता यह ब्रिज अपने आप में अनोखा है। ग्रांड कैन्यन स्काईवॉक 430 मीटर लंबा है। इसकी चौड़ाई 6 मीटर है। यह जमीन से करीब 985 फीट ऊंचा है। यह ग्लास स्काईवॉक तियानमेन पर्वत से जुड़ा है। ग्लास फ्लोर होने के कारण इसे पार करना हिम्मत वालों का ही काम है। यहां हवा इतनी तेज चलती है कि आपको कदम जमाने के लिए भी मशक्कत करनी पड़ती है।

ग्लेशियर स्काईवॉक, कनाडा

ग्लेशियर स्काईवॉक कनाडा के मशहूर पर्यटक स्थलों में से एक है। यहां सैर का अनुभव आपको अलग ही रोमांच देगा। सुन वप्ता घाटी से करीब 270 मीटर ऊपर चट्टान पर यह 1475 फीट लंबा स्काईवॉक बनाया गया है। यहां से पर्यटक कैनेडियन रॉकीज में जैस्पर नेशनल पार्क के पहाड़ी क्षेत्रों का अनोखा नजारा देख सकते हैं। यह स्काईवॉक स्टील और ग्लास का बनाया गया है। स्काईवॉक की खासियत है इसकी बाहर की ओर निकली कैंटिलीवर संरचना। जहां से आप आइसफील्ड में स्थित अथाबास्का ग्लेशियर करीब से देख सकते हैं।

ग्रैंड कैन्यन स्काईवॉक, यूएसए

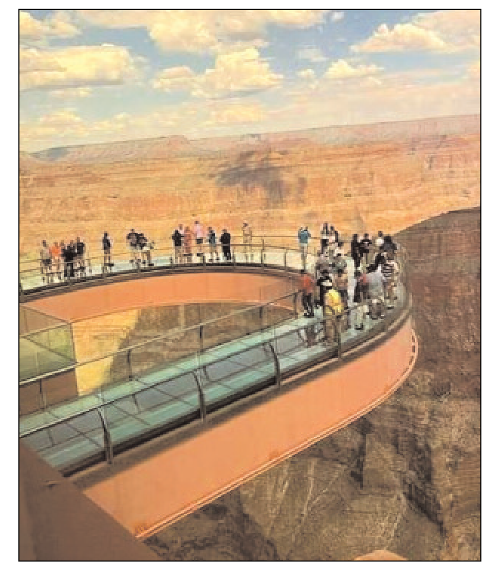

यूएसए का ग्रांड कैन्यन स्काईवॉक कई मायनों में अलग है। जमीन से करीब 290 मीटर ऊंचाई पर बनाए गए इस स्काईवॉक से आप कैन्यन का आखिरी छोर देख सकते हैं। यह स्काई वॉक 10 फीट चौड़ा है। घोड़े की नाल के आकार में बना यह ग्लास ब्रिज रिम 70 फीट तक फैला हुआ है। पत्थरों की गहरी खाई के बीच हवा में झूलता यह ब्रिज आपको रोमांच से भर देगा। यहां सनसेट का नजारा बहुत ही शानदार लगता है। कहा जाता है कि यह स्काई ब्रिज इतना मजबूत है कि यह 747 यात्री जेट का वजन उठा सकता है।

तियानमेन स्काईवॉक, चीन

दक्षिणी चीन में तियानमेन पर्वत बना हुआ 100 मीटर लंबा कांच का स्काईवॉक अपने आप में अनोखा है। जमीन से 4,700 फीट की ऊंचाई पर बना ग्लास का तियानमेन स्काईवॉक न सिर्फ आपको रोमांच से भर देगा, बल्कि आपकी हिम्मत को भी परख लेगा। यह स्काईवॉक करीब 200 फीट लंबा है। इसमें लगे कांच की मोटाई करीब ढाई इंच है। तीन फीट चौड़े इस स्काईवॉक पर चलने की हिम्मत बहुत ही कम लोग कर पाते हैं। कुछ लोग तो इतनी ऊंचाई पर पहुंचकर डर जाते हैं और रोने लगते हैं। यहां से आप तियानमेन माउंटेन पार्क का शानदार नजारा देख सकते हैं।

2015 में नीलाम हुआ था दुनिया का सबसे महंगा बिस्किट

अक्टूबर 2015 में एक बिस्किट नीलाम हुआ, जिसकी कीमत लगी 15 हजार पाउंड यानी आज के हिसाब से 15 लाख रुपये. ये इतना महंगा इसलिए है क्योंकि ये इकलौता ऐसा बिस्किट है, जो टाइटैनिक पर था और सुरक्षित पाया गया था. स्पिलर्स एंड बेकर्स का पायलट क्रैकर बिस्किट टाइटैनिक की एक लाइफ बोट में रखे सर्वाइवल किट में मिला था.

अगर आप बाजार में बिस्किट खरीदने जाएं तो आपको 5-10 रुपये में बढ़िया बिस्किट का पैकेट मिल जाएगा जिसमें कम से कम 8-10 पीस बिस्किट तो होंगे ही. पर दुनिया में एक बिस्किट का ऐसा पीस है, जो सिर्फ 1 है, पर उसकी कीमत इतनी ज्यादा है कि उतने में आप कार भी खरीद सकते हैं. ये दुनिया का सबसे महंगा बिस्किट है. पर सवाल ये उठता है कि ये इतना महंगा क्यों है? रिपोर्ट के अनुसार अक्टूबर 2015 में एक बिस्किट नीलाम हुआ, जिसकी कीमत लगी 15 हजार पाउंड यानी आज के हिसाब से 15 लाख रुपये. ये इतना महंगा इसलिए है क्योंकि ये इकलौता ऐसा बिस्किट है, जो टाइटैनिक पर था और सुरक्षित पाया गया था. स्पिलर्स एंड बेकर्स का पायलट क्रैकर बिस्किट टाइटैनिक की एक लाइफ बोट में रखे सर्वाइवल किट में मिला था. इस वजह से इसे दुनिया का सबसे कीमती बिस्किट भी माना जाता है.

टाइटैनिक का था बिस्किट

इसे ग्रीस के एक कलेक्टर ने खरीदा था. इस बिस्किट को सूविनियर के तौर पर आरएमएस कारपेथिया में मौजूद कपल जेम्स और मेबल फेनविक ने सहेजकर रखा था. दरअसल, आरएमएस कारपेथिया शिप को, टाइटैनिक में बचे लोगों को बचाने के लिए बुलाया गया था. तब कपल ने बिस्किट उठा लिया था और फिर उसे कोडैक फिल्म के लिफाफे में रख लिया था. इस बिस्किट के साथ कपल ने कुछ फोटोज के नेगेटिव भी सुरक्षित रख लिए थे.

पहले भी बिक चुके हैं महंगे बिस्किट

इस बिस्किट को नीलाम करने वाले नीलामकर्ता एंड्रू एल्ड्रिज ने कहा था कि ये हैरानी की बात है कि एक बिस्किट, इतने भयानक हादसे को झेल गया. उनकी जानकारी में टाइटैनिक से बचा दूसरा कोई बिस्किट उपलब्ध नहीं है. उनके अनुसार कुछ सालों पहले जाने-माने खोजी और एक्सप्लोरर Sir Ernest Shackleton की यात्राओं के दौरान मिले 100 साल पुराने बिस्किट को भी नीलाम किया गया था, जिसे 3 लाख रुपये में खरीदा गया था.

दुनियाभर में अनोखे लग्जरी होटल्स

कहीं 1300 फीट की ऊंचाई पर तो कहीं पेड़ों पर टंगे हैं

दुनियाभर में कई अनोखे लग्जरी होटल्स बने हैं। कहीं कोई होटल पहाड़ों से लटका है तो कहीं किसी बड़े से पाइप में रूम बने हैं। आज हम बात करते हैं दुनियाभर में बने ऐसे ही कुछ अनोखे कैप्सूल होटल्स की। इनमें रहने का अलग अनुभव मिलता है।

नेचुरा विवे स्काईलॉज, पेरू

ये होटल पेरू के कुरुको क्षेत्र में बना है, जो जमीन से 1300 फीट ऊपर चट्टान से लटका है। इस होटल की स्थापना 2008 में एरियो फेनरी नामक शखर ने की थी। यहां पहुंचना भी एडवेंचर से भरा है। यहां खड़ी चढ़ई या जिप लाइन से पहुंचा जा सकता है। इस कैप्सूल होटल से घाटी के मनोरम दृश्य देखने को मिलते हैं। कैप्सूल एयरोस्पेस एल्यूमीनियम और पॉलीकार्बोनेट से बने हैं। प्रत्येक कैप्सूल में चार बेड, किचन एरिया और एक बाथरूम है। इनकी लंबाई 24 फीट है। इसमें खिड़कियों और चार वेंटिलेशन भी हैं। एक दिन का किराया 77 हजार रुपए है।

टुबो होटल ला ताताकोआ, कोलंबिया

ये होटल कोलंबिया में है। इसे कांक्रीट के सीवर पाइप्स में बनाया गया है। इस होटल में 37 कमरे हैं। प्रत्येक कमरे में दो लोग रह सकते हैं। गर्मी से बचाव के लिए होटल में एक स्विमिंग पूल भी है इस होटल को कैंडी रंग में रंगा गया है। यहां एक दिन का किराया करीब 3400 रुपए है।

स्पिरिट स्फीयर होटल, कनाडा

ये होटल कनाडा के वैकुवर के जंगलों में बना है। ये कैप्सुल पेड़ों पर घोसलों की तरह बने हैं। होटल 25 साल पहले इको टूरिज्म बढ़ाने के लिए बनाए गए थे। यहां ज्यादा टूरिस्ट बर्फबारी के समय आते हैं। यह होटल तीन गोलों में बना है। इनका नाम लूना, मेलोडी व इरियन है। किराया 29 हजार रुपए है।

11-06-2025 Final_11-06-2025 Final.qxd 6/10/2025 11:32 PM Page 9

एनारॉक की रिपोर्ट

सुविधाओं के नाम पर कारपेट एरिया घटा रहे बिल्डर

नईदिल्ली, एजेंसी। प्रमुख शहरों की आवासीय परियोजनाओं में साझा सुविधाएं मुहैया कराने के नाम पर बिल्डरों ने कारपेट एरिया घटाकर औसत लोडिंग को 40 फीसदी तक पहुंचा दिया है।इससे पिछले कुछवर्षों से फ्लैट मालिकों को रहने लायक जगह कम मिल पा रही है।एनारॉक की रिपोर्ट के मुताबिक, 2019 में औसत लोडिंग अनुपात 31 फीसदी था, जो मार्च, 2025 तिमाही में बढ़कर 40 फीसदी पहुंच गया। किसी आवासीय परियोजना में साझा सुविधाओं के लिए इस्तेमाल जमीन को भी जोड़कर फ्लैट की बिक्री की जाती है। इस पूरे क्षेत्रफल को सुपर बिल्टअप

एरिया कहा जाता है, जबकि फ्लैट के भीतर की जगह कारपेट एरिया कही जाती है। इन दोनों के बीच अंतर को लोडिंग अनुपात कहा जाता है।

60 फीसदी हिस्सा ही रहने लायक– शीर्ष सात शहरों में फ्लैट की कुल जगह का 60 फीसदी हिस्सा ही रहने लायक है।बाकी 40 फीसदी क्षेत्र लिफ्ट, लॉबी, क्लब हाउस जैसी साझा सुविधाओं में चला जाता है।

मुंबई महानगर क्षेत्र में औसत लोडिंग सबसे – धिक 43 फीसदी पहुंच गईहै, जो 2019 में 33 फीसदी थी।चेन्नई में सबसे कम 36 फीसदी है। दिल्ली–एनसीआर में औसत लोडिंग 31 फीसदी से बढ़कर 41 फीसदी पहुंची।बंगलूरू में यह 41 फीसदी, पुणे में 40 फीसदी, हैदराबाद में 38 फीसदी और कोलकाता में 39 फीसदी हो गई।

कारपेट एरिया का उल्लेख जरूरी– एनारॉक ग्रुप के क्षेत्रीय निदेशक एवं प्रमुख (शोध–परामर्श) प्रशांत ठाकुर ने कहा, नियामक रेरा के तहत अब डेवलपरों के लिए फ्लैट खरीदने वालों को दिए जाने वाले कुल कारपेट एरिया का उल्लेख करना जरूरी है। लेकिन, फिलहाल किसी भी कानून में परियोजनाओं के लोडिंग फैक्टर को सीमित नहीं किया गया है।

होम लोन के साथ जीवन बीमा जरूरी

घर और परिवार से परेशानियां बनाए रहेंगी दूरी

नईदिल्ली, एजेंसी। आजकल घर खरीदने का सबसे आम तरीका है होम लोन लेना, लेकिन रियल एस्टेट की बढ़ती कीमतों के कारण यह बड़ा वित्तीय बोझ बन जाता है। ऐसे में होम लोन के लिए लाइफ इंश्योरेंस पॉलिसी लेना समझदारी है। यह न केवल आपको बिना टेंशन लोन चुकाने में मदद करता है, बल्कि परिवार को वित्तीय सुरक्षा भी प्रदान करता है। अगर अनहोनी हो, तो लोन की जिम्मेदारी परिवार पर नहीं पड़ेगी। आइए वित्तीय सलाहकार बलवंत जैन से समझते हैं होम लोन के साथ लाइफ इंश्योरेंस लेना क्यों जरूरी है और इसे कैसे लेना चाहिए।

होम लोन के लिए लाइफ इंश्योरेंस क्यों जरूरी– होम लोन की ईएमआई अक्सर परिवार की मासिक आमदनी का बड़ा हिस्सा होती है। अगर कमाने वाले व्यक्ति के साथ कुछ अनहोनी हो जाए, तो परिवार के लिए घर चलाना मुश्किल हो सकता है, लोन चुकाना तो दूर की बात। फाइनेंशियल प्लानिंग कहती है कि सभी वित्तीय जिम्मेदारियों को कवर करने के लिए लाइफ इंश्योरेंस जरूरी है। होम लोन एक नई जिम्मेदारी है। लोन के बराबर बीमा पॉलिसी लेने से यह सुनिश्चित होता है कि आपके जाने के बाद वारिसों को घर मिले, लेकिन लोन का बोझ नहीं। इससे परिवार के ऊपर दोहरी मुसीबत - कमाने वाले की वित्तीय हानि और घर खोने का खतरा- आने से बच जाती है।

अन्य बीमा जरूरतों से अलग है यह बीमा– यहां बात हो रही लाइफ इंश्योरेंस पॉलिसी आपकी मौजूदा बीमा पॉलिसी से अलग है। यह खास तौर पर होम लोन को कवर करने के लिए होती है। यह आपके परिवार को लोन की जिम्मेदारी से बचाती है और घर को सुरक्षित रखती है। इस तरह, यह पॉलिसी एक खास उद्देश्य के लिए डिजाइन की जाती है, जो आपकी अन्य बीमा जरूरतों से अलग होती है।

कैसे लेना चाहिए इंश्योरेंस– बीमा हमेशा टर्म प्लान के जरिए लेना चाहिए, न कि अन्य पॉलिसी के रूप में। ऑनलाइन टर्म प्लान सस्ते और सुविधाजनक होते हैं। बीमा की अवधि होम लोन की अवधि जितनी होनी चाहिए। लोन देने वाली कंपनियां अक्सर एकमुश्त प्रीमियम वाली पॉलिसी सुझाती हैं, जिसे लोन में जोड़कर ईएमआई से वसूला जाता है। लेकिन यह ठीक नहीं।

सालाना प्रीमियम बेहतर

सालाना प्रीमियम वाला टर्म प्लान चुनें। अगर बीमा कंपनी इसे होम लोन के हिसाब से कस्टमाइज करे, तो हर साल के अंत में बीमा राशि को बचे हुए लोन के अनुसार घटाने को कहें। इससे बीमा सस्ता और सुविधाजनक होगा। यह तरीका आपके लिए लागत को नियंत्रित करने और जरूरत के हिसाब से कवरेज को समायोजित करने में मदद करता है।

लोन देने वाले से बीमा लेना अनिवार्य– कोई बैंकिंग नियम या कानून नहीं कहता कि होम लोन लेने के बाद उसी से बीमा लेना जरूरी है। बैंक और फाइनेंस कंपनियां ऐसा दबाव बनाती हैं ताकि लोन न चुकाने की स्थिति में उन्हें प्रॉपर्टी कब्जे और नीलामी की परेशानी न उठानी पड़े। वे अक्सर अपनी संबद्ध बीमा कंपनियों से पॉलिसी बेचने की कोशिश करते हैं।

प्रोटीन ई-गवर्नेंस टेक्नोलॉजीज को मिला 100 करोड़ रुपये का काम

नईदिल्ली, एजेंसी। प्रोटीन ई–गवर्नेंस टेक्नोलॉजीज के शेयरों में आज तेजी देखने को मिली है। कंपनी के शेयरों में उछाल के पीछे की वजह नया वर्क ऑर्डर को माना जा रहा है। सोमवार को बाजार के बंद होने के बाद कंपनी ने इस वर्क ऑर्डर की जानकारी शेयर बाजारों के साथ साझा किया है।

1000 रुपये के पार पहुंच गया शेयर– बीएसई में प्रोटीन ई–गवर्नेंस टेक्नोलॉजीज के शेयरों का भाव 990.05 रुपये के लेवल पर खुला था। कंपनी के शेयरों का भाव 6 प्रतिशत से अधिक की तेजी के साथ 1009 रुपये के लेवल पर पहुंच गया था। हालांकि, इसके बाद भी कंपनी के शेयरों की कीमतों में नरमी देखने को मिली है।

बीमा सुगम से मिला है कंपनी को काम– 9 जून 2025 को बाजार के बंद होने के बाद प्रोटीन ई–गवर्नेंस टेक्नोलॉजीज ने बताया कि बीमा सुगम इंडिया फेडरेशन से काम मिला है। ऋस्नक्रप्रक्रिया के तहत मिले इस काम की वैल्यू 100 करोड़ रुपये के करीब है।

शेयर बाजार में कंपनी का प्रदर्शन कैसा है– यह स्टॉक शेयर बाजार में कंपनी संघर्ष कर रही है। बीते एक हफ्ते में यह स्टॉक 3.62 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है। लेकिन एक महीने में यह स्टॉक 22 प्रतिशत टूटा है। वहीं, 2025 में कंपनी के शेयरों का भाव 49 प्रतिशत गिरा है। वहीं, एक साल में कंपनी के शेयरों की कीमतों में 12 प्रतिशत टूटा है। बता दें, कंपनी का 52 वीक हाई 2225 रुपये है। कंपनी का 52 वीक लो लेवल 944 रुपये है।

डोनाल्ड ट्रंप का एक बयान और एलन मस्क की लग गई लॉटरी!

नईदिल्ली, एजेंसी। दुनिया के सबसे ताकतवर देश अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और दुनिया के सबसे बड़े रईस एलन मस्क के बीच आजकल संबंध बिगड़े हुए हैं। इस बीच ट्रंप ने सोमवार को कहा कि वह टेस्ला या स्टारलिंक से पीछा छुड़ाने नहीं जा रहे हैं। इससे इलेक्ट्रिक वाहन बनाने वाली कंपनी टेस्ला के शेयरों में 5 फीसदी तेजी आई। इससे कंपनी के सीईओ एलन मस्क की नेटवर्थ में 13.9 अरब डॉलर की उछाल आई। ब्लूमबर्ग बिलिनेयर के मुताबिक मस्क की नेटवर्थ अब 356 अरब पहुंच गई है। इस साल उनकी नेटवर्थ में 76.2 अरब डॉलर की गिरावट आई है। टेस्ला 993.92 अरब डॉलर मार्केट कैप के साथ दुनिया की सबसे वैल्यूएबल ऑटो कंपनी है। दुनिया की टॉप वैल्यूएबल कंपनियों की लिस्ट में यह 11वें नंबर पर है। माइक्रोसॉफ्ट 3.513 ट्रिलियन डॉलर के साथ दुनिया की सबसे वैल्यूएबल कंपनी है। उसके बाद एनवीडिया (3.478 ट्रिलियन), ऐपल (3.045 ट्रिलियन), ऐमजॉन (2.303 ट्रिलियन) और गूगल की पेरेंट कंपनी अल्फाबेट (2.114 ट्रिलियन) का नंबर है। मेटा प्लेटफॉर्म, सऊदी अरामको, ब्रॉडकॉम, टीएसएमसी और बर्कशायर हैथवे टॉप 10 में शामिल हैं।

चांदी ने तोड़े सारे रिकॉर्ड, 2025 में बनाई नई ऊंचाई

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत में चांदी ने 2025 में सभी कमोडिटीज को पीछे छोड़ दिया है। पिछले हफ्ते एमसीएक्स पर इसकी कीमत 1,06,138 प्रति किलो के ऑल-टाइम हाई पर पहुंच गई। आज सर्राफा बाजारों में चांदी बिना जीएसटी 105560 रुपये प्रति किलो के ऑल टाइम हाई पर पहुंच गई है। निवेशकों और एक्सपर्ट्स की नजर अब इसी पर टिकी है। आइए समझें क्यों उड़ रही है चांदी जानें 3 बड़े कारण...

1. **सेफ-हेवन डिमांड:** रूस-यूक्रेन जंग और ग्लोबल तनाव के बीच लोगों ने चांदी को सुरक्षित निवेश माना।
2. **इंडस्ट्री का भूखा पेट:** सोलर पैनल, इलेक्ट्रिक व्हीकल्स और इलेक्ट्रॉनिक्स के लिए चांदी की मांग आसमान छू रही है।

3. **सप्लाई किल्लत:** रूस (दुनिया के टॉप-10 सिल्वर प्रोड्यूसर्स में से एक) से सप्लाई रुकने का डर। पहले से ही दुनिया में पिछले 5 साल से चांदी की कमी चल रही थी। सोने को भी पीछे छोड़ा

आनंद राठी के नवीन माथुर का अनुमान है, 2025 में एमसीएक्स सिल्वर 1,15,000 से 1,23,000/केजी तक पहुंच सकता है। यानी अभी के भाव से 20 प्रतिशत तक का फायदा। रिच डैड पुअर डैड लेखक रॉबर्ट कियोसाकी का अनुमान है कि चांदी आज भी सबसे सस्ता निवेश है! इस साल 70/औंस (अंतरराष्ट्रीय बाजार) तक पहुंचने की उम्मीद है।

गरीबों के गोल्ड यानी चांदी का कमाल

2011 के पीक के बाद चांदी 10 साल तक लुढ़कती रही। 2020 से जादू चला और कोविड के बाद से लगातार तेजी जारी है। सोने की बढ़त से शुरुआत, फिर खुद के दम पर उड़ान। इसे डबल रोल यानी गहने बनाने प्लस इंडस्ट्री में काम आने वाली एकमात्र धातु होने का भी लाभ मिल रहा है।

पीयूष गोयल ने कहा

चार यूरोपीय देशों के समूह के साथ मुक्त व्यापार समझौता सितंबर तक लागू होने की संभावना

नईदिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत और चार देशों के यूरोपीय समूह ईएफटीए के बीच मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) इस साल सितंबर से लागू होने की संभावना है। यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ (ईएफटीए) के सदस्य देशों में आइसलैंड, लिश्टेंसटाइन, नॉर्वे और स्विट्जरलैंड शामिल हैं।

15 वर्षों में 100 अरब डॉलर की निवेश प्रतिबद्धता– दोनों पक्षों ने पिछले साल 10 मार्च को व्यापार और आर्थिक भागीदारी समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। इसके तहत भारत को इस समूह से 15 वर्षों में 100 अरब डॉलर की निवेश प्रतिबद्धता मिली है जबकि स्विस घड़ियों, चॉकलेट और कटे एवं पॉलिश किए गए हीरे जैसे कई उत्पादों को कम या शून्य शुल्क पर अनुमति होगी।

चार देशों की संसदों से मंजूरी मिली– गोयल ने ईएफटीए के साथ व्यापार समझौते पर कहा कि यह सितंबर तक लागू हो जाएगा। इस समझौते को सभी चार देशों की संसदों से मंजूरी मिल गई है। हालांकि स्विट्जरलैंड में इस पर 10 जुलाई तक आपत्ति की जा सकती है। जुलाई और अगस्त के महीनों में यहां छुट्टियां रहती हैं।

मशीनरी विनिर्माण जैसे क्षेत्रों में रुचि– गोयल भारत और स्विट्जरलैंड के बीच व्यापार एवं निवेश को बढ़ावा देने के लिए आधिकारिक यात्रा पर आए हैं।

कुछ अलग करने की थी चाहत...

सिर्फ 5,000 रुपये से शुरू किया काम, अब 70 करोड़ का टर्नओवर

नईदिल्ली, एजेंसी। जोधपुर के श्रवण डागा ने सिर्फ 5,000 रुपये से शुरुआत करके 70 करोड़ रुपये का आयुर्वेदिक जूस ब्रांड खड़ा किया है। उन्होंने 2007 में कृष्णा हर्बल एंड आयुर्वेद की शुरुआत की थी। उनका लक्ष्य था आयुर्वेदिक उत्पादों को हर घर में पहुंचाना। आज उनकी कंपनी 170 उत्पादों के साथ 70 करोड़ रुपये का कारोबार कर रही है। श्रवण ने यह सब तब शुरू किया जब परिवार के व्यवसाय को आगे बढ़ाना एक आम बात थी। हालांकि उन्होंने अपना अलग रास्ता बनाया। आइए, यहां श्रवण डागा की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

परिवार के व्यवसाय से नहीं जुड़े – श्रवण डागा का परिवार जोधपुर में लोहे और स्टील के कारोबार में था। उनसे उम्मीद थी कि वह भी यही काम करेंगे। लेकिन, श्रवण ने कुछ और करने की सोची। वह बचपन में बहुत शरारती थे। पढ़ाई में भी बहुत अच्छे नहीं थे। इस वजह से उन्हें माउंट आबू के एक स्कूल में भेजा गया। वहां उन्होंने 10वीं कक्षा तक पढ़ाई की। बाद में वह दिल्ली पब्लिक स्कूल, जोधपुर में पढ़े। 2007 में उन्होंने ओंकारमल सोमानी कॉलेज ऑफ कॉमर्स, जोधपुर से बीकॉम किया। उसी साल उन्होंने कृष्णा हर्बल एंड आयुर्वेद की भी शुरुआत की।

सिर्फ 5,000 रुपये से शुरू किया काम – 2007 में 23 साल की उम्र में श्रवण ने सिर्फ 5,000 रुपये के निवेश से अपना कारोबार शुरू किया।

थर्ड-पार्टी मैन्युफैक्चरर के तौर पर भी काम किया

श्रवण ने सिर्फ एक उत्पाद से शुरुआत की थी। लेकिन, बाद में उन्होंने 170 उत्पादों का पोर्टफोलियो बना लिया। जब उनका एलोवेरा जूस लोकप्रिय हो गया तो लोग उनसे दूसरे जूस, हर्बल पाउडर, हर्बल टैबलेट और यहां तक कि कॉस्मेटिक्स भी मांगने लगे। श्रवण ने कई व्यापार प्रदर्शनियों में भाग लिया। इससे उन्हें नए बिजनेस आइडिया मिले। हालांकि, लोगों को पहले एक नए आयुर्वेदिक उत्पाद के बारे में समझाना आसान नहीं था। अपना ब्रांड बनाने के साथ उन्होंने दो कंपनियों के लिए थर्ड–पार्टी मैन्युफैक्चरर के तौर पर भी काम किया। वह उनके लिए एलोवेरा जूस बनाते थे। यह उनका सबसे ज्यादा बिकने वाला उत्पाद बन गया। तभी श्रवण को एहसास हुआ कि उनके पास एक सफल उत्पाद है।

2 टुकड़ों में बंटने वाला है डिफेंस कंपनी का शेयर

डिविडेंड भी देगी कंपनी, शेयर खरीदने की लूट

नईदिल्ली, एजेंसी। डिफेंस इंजीनियरिंग कंपनी पारस डिफेंस स्टॉक के शेयर आज मंगलवार को कारोबार के दौरान फोकस में हैं। कंपनी के शेयर आज 2 प्रतिशत तक चढ़कर 1638 रुपये के इंट्रा डे हाई पर पहुंच गए। शेयरों में इस तेजी के पीछे एक ऐलान है। दरअसल, कंपनी ने कहा है कि उसे इक्विटी शेयरों के उप-विभाजन या स्टॉक विभाजन के लिए शेयरधारकों की मंजूरी मिल गई है। पारस डिफेंस द्वारा यह पहला स्टॉक विभाजन है।

कंपनी का कारोबार– मार्च तिमाही में पारस डिफेंस ने नेट प्रॉफिट में 97 प्रतिशत की शानदार बढ़ोतरी दर्ज की, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि के 10 करोड़ रुपये की तुलना में 19.7 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। कंपनी का रेवेन्यू भी पिछले वर्ष की तिमाही के 79.7 करोड़ रुपये से 35.8 प्रतिशत बढ़कर 108.2 करोड़ रुपये हो गया। पारस डिफेंस की ब्याज, कर, मूल्यह्रास और परिशोधन से पहले की आय बढ़कर 28.3 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले साल के 3.4 करोड़ रुपये से उल्लेखनीय वृद्धि है, जबकि मार्जिन एक साल पहले के 15.6 प्रतिशत से लगभग 10 प्रतिशत अंक बढ़कर 26.2 प्रतिशत हो गया।

क्या है डिटेल

पारस डिफेंस ने एक रेगुलेटरी फाइलिंग में कहा, आपको सूचित किया जाता है कि पारस डिफेंस एंड स्पेस टेक्नोलॉजीज लिमिटेड (कंपनी) के शेयरधारकों ने 07 जून, 2025 को पोस्टल बैलट के माध्यम से साधारण संकल्प के माध्यम से इक्विटी शेयरों के उप–विभाजन/विभाजन और कंपनी के मेमोरेंडम ऑफ एसोसिएशन (एमओए) के कैपिटल क्लॉज में बदलाव को मंजूरी दे दी है। 9 जून की एक्सचेंज फाइलिंग के अनुसार, 7 जून, 2025 को आयोजित एजीएम में 99.995 प्रतिशत शेयरधारकों ने प्रस्ताव को मंजूरी दी। बता दें कि पारस डिफेंस ने 30 अप्रैल को अपनी त्त4 स्नङ्क25 आय के दौरान 1:2 स्टॉक स्प्लिट और 0.50 रुपये प्रति शेयर का अपना पहला डिविडेंड घोषित किया है।

30,000 करोड़ के मिसाइल सिस्टम खरीदने की तैयारी में भारत

नईदिल्ली, एजेंसी। डिफेंस सेक्टर के शेयरों में आज मंगलवार को तगड़ी तेजी देखी गई है। भारत इलेक्ट्रॉनिक्स (बीईएल), बीईएमएल, भारत डायनेमिक्स (बीडीएल), डेटा पैटर्न, पारस डिफेंस और अन्य डिफेंस शेयरों में 5 प्रतिशत तक की तेजी दर्ज की गई है। इन शेयरों में तेजी के पीछे एक खबर है। दरअसल, खबर है भारतीय सेना 30,000 करोड़ रुपये की स्वदेशी क्विक रिएक्शन सरफेस-टू-एयर मिसाइल (क्यूआरएसएएम) सिस्टम खरीदने जा रही है।

किन शेयरों में कितनी तेजी– डिफेंस शेयरों में सबसे ज्यादा बढ़त डेटा पैटर्न के शेयरों में हुई, जो 4.83 प्रतिशत बढ़कर 3,097.65 रुपये के इंट्राडे हाई पर पहुंच गया, इसके बाद हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) का स्थान रहा, जो 2.6 प्रतिशत बढ़कर 5,138 रुपये पर पहुंच गया। डेटा पैटर्न और बीडीएल ने बढ़त हासिल की, जबकि बीईएल ने रिकॉर्ड ऊंचाई हासिल की।

क्या है क्यूआरएसएएम सिस्टम

क्यूआरएसएएम सिस्टम को हाई गतिशीलता और तेजी से तैनाती के लिए डिजाइन किया गया है। चलते समय या छोटे ठहराव के दौरान लक्ष्यों की खोज, ट्रैकिंग और फायरिंग करने में सक्षम, मिसाइल सिस्टम सेना की वायु रक्षा संरचनाओं को एक स्ट्रैटेजिक एडवांटेज प्रदान करता है। लगभग 30 किमी की परिचालन सीमा के साथ, क्यूआरएसएएम आकाश और मिड टूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल प्लेटफॉर्म जैसी मौजूदा सिस्टम का पूरक होगा। आर्मी एयर डिफेंस एक साथ नए रडार सिस्टम, बहुत कम दूरी की एयर डिफेंस सिस्टम और जैमर और लेजर–आधारित सिस्टम सहित ड्रोन काउंटरमेशर्स को शामिल कर रहा है। ये उभरते हवाई खतरों, विशेष रूप

रिपोर्ट में दावा: दो साल में 3 करोड़ को रोजगार, 4 करोड़ बढ़ी कामकाजी आबादी

महिलाओं की भागीदारी में भी उछाल

नईदिल्ली, एजेंसी। कोविड काल 2020-21 में 2.28 करोड़ नौकरियां जाने के बाद देश में पिछले दो वित्त वर्षों 2023-24 और 2024-25 के दौरान 3.06 करोड़ लोगों को रोजगार मिला है। इस दौरान कामकाजी आबादी के मुकाबले रोजगार में दोगुनी से अधिक वृद्धि रही। रोजगार में महिलाओं की स्थिति में भी तेजी से सुधार हुआहै। सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकॉनमी (सीएमआईई) ने रिपोर्ट में दावा किया है कि 2023-24 और 2024-25 में हर साल 1.50 करोड़ से अधिक लोगों को रोजगार मिला।यह सामान्य वर्ष में बड़ी वृद्धि है।कोविड काल के बाद सुधार वाले वित्त वर्ष 2021-22 में भी सिर्फ 1.25 करोड़ रोजगार का ही सृजन हुआ था। दो वित्त वर्षों में मिले कुल 3.06 करोड़ रोजगार में महिलाओं की हिस्सेदारी 1.28 करोड़ या 42 फीसदी रही।इनमें 2023-24 में सृजित 1.52 करोड़ रोजगार में महिलाओं की संख्या 78 लाख थी।2024-25 में जिन 1.54 करोड़ लोगों को रोजगार मिला, उनमें 50 लाख महिलाएं थीं।दो वित्त वर्षों में कामकाजी आबादी 4.14

करोड़ बढ़ी है।

कृषि क्षेत्र से पलायन जारी गैर-कृषि रोजगार में उछाल– कम वेतन के कारणकृषि क्षेत्र से पलायन जारी है।2022-23 में कृषि क्षेत्र में 1.1 करोड़ रोजगार खत्म हुए। 2023-24 में 10 लाख से भी कम रोजगार सृजित हुए, लेकिन 2024-25 में फिर 23 लाख लोग कृषि क्षेत्र से बाहर निकल गए। इसके विपरीत, गैर-कृषि रोजगार में 2022-23 में 1.28 करोड़, 2023-24 में 1.44 करोड़ और 2024-25 में 1.77 करोड़ की वृद्धि हुई। इस प्रकार, गैर-कृषि क्षेत्र में रोजगार की संख्या 2021-22 के 23.8 करोड़ से बढ़कर 2024-25 में 28.3 करोड़ पहुंच गई।

वृद्धि में शहरी क्षेत्र का अहम योगदान– रोजगार वृद्धि में शहरी क्षेत्रों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।इसकी प्रमुख वजह ग्रामीण इलाकों के मुकाबले शहरों में बेहतर भुगतान मिलना है।रिपोर्ट के मुताबिक, 2023-24 में सृजित कुल रोजगार में शहरी इलाकों की हिस्सेदारी 48 फीसदी रही।2024-25 में यह और बढ़कर 65 फीसदी पहुंच गई।शहरी भारत में 36 फीसदी कामकाजी आबादी रहती है।

केबल ऑपरेटरों ने खत्म किए 1.95 लाख रोजगार

ऑल इंडिया डिजिटल केबल फेडरेशन (एआईसीपीडीएफ) एवं ईवाई इंडिया की एक संयुक्त रिपोर्ट के मुताबिक, भुगतान आधारित केबल टीवी कनेक्शन वाले घरों की संख्या 2018 के मुकाबले चार करोड़ घटकर 2024 में 11.1 करोड़ रह गई। ऐसी स्थिति में स्थानीय केबल ऑपरेटरों ने अनुमानित तौर पर 1.14 लाख से 1.95 लाख तक रोजगार में कटौती कर दी। रोजगार में 2018 से 2024 के दौरान 31 फीसदी की कमी दर्ज की गई।रिपोर्ट के मुताबिक, 2018 में इन कनेक्शनों की संख्या 15.1 करोड़ थी, जो घटकर 2024 में 11.1 करोड़ रह गई।

11-06-2025 Final_11-06-2025 Final.qxd 6/10/2025 11:32 PM Page 10

होम लोन के साथ जीवन बीमा जरूरी

घर और परिवार से परेशानियां बनाए रहेंगी दूरी

नईदिल्ली, एजेंसी। आजकल घर खरीदने का सबसे आम तरीका है होम लोन लेना, लेकिन रियल एस्टेट की बढ़ती कीमतों के कारण यह बड़ा वित्तीय बोझ बन जाता है। ऐसे में होम लोन के लिए लाइफ इंश्योरेंस पॉलिसी लेना समझदारी है। यह न केवल आपको बिना टेंशन लोन चुकाने में मदद करता है, बल्कि परिवार को वित्तीय सुरक्षा भी प्रदान करता है। अगर अनहोनी हो, तो लोन की जिम्मेदारी परिवार पर नहीं पड़ेगी। आइए वित्तीय सलाहकार बलवंत जैन से समझते हैं होम लोन के साथ लाइफ इंश्योरेंस लेना क्यों जरूरी है और इसे कैसे लेना चाहिए।

होम लोन के लिए लाइफ इंश्योरेंस क्यों जरूरी– होम लोन की ईएमआई अक्सर परिवार की मासिक आमदनी का बड़ा हिस्सा होती है। अगर कमाने वाले व्यक्ति के साथ कुछ अनहोनी हो जाए, तो परिवार के लिए घर चलाना मुश्किल हो सकता है, लोन चुकाना तो दूर की बात। फाइनेंशियल प्लानिंग कहती है कि सभी वित्तीय जिम्मेदारियों को कवर करने के लिए लाइफ इंश्योरेंस जरूरी है। होम लोन एक नई जिम्मेदारी है। लोन के बराबर बीमा पॉलिसी लेने से यह सुनिश्चित होता है कि आपके जाने के बाद वारिसों को घर मिले, लेकिन लोन का बोझ नहीं। इससे परिवार के ऊपर दोहरी मुसीबत - कमाने वाले की वित्तीय हानि और घर खोने का खतरा- आने से बच जाती है।

अन्य बीमा जरूरतों से अलग है यह बीमा– यहां बात हो रही लाइफ इंश्योरेंस पॉलिसी आपकी मौजूदा बीमा पॉलिसी से अलग है। यह खास तौर पर होम लोन को कवर करने के लिए होती है। यह आपके परिवार को लोन की जिम्मेदारी से बचाती है और घर को सुरक्षित रखती है। इस तरह, यह पॉलिसी एक खास उद्देश्य के लिए डिजाइन की जाती है, जो आपकी अन्य बीमा जरूरतों से अलग होती है।

कैसे लेना चाहिए इंश्योरेंस– बीमा हमेशा टर्म प्लान के जरिए लेना चाहिए, न कि अन्य पॉलिसी के रूप में। ऑनलाइन टर्म प्लान सस्ते और सुविधाजनक होते हैं। बीमा की अवधि होम लोन की अवधि जितनी होनी चाहिए। लोन देने वाली कंपनियां अक्सर एकमुश्त प्रीमियम वाली पॉलिसी सुझाती हैं, जिसे लोन में जोड़कर ईएमआई से वसूला जाता है। लेकिन यह ठीक नहीं।

सालाना प्रीमियम बेहतर

सालाना प्रीमियम वाला टर्म प्लान चुनें। अगर बीमा कंपनी इसे होम लोन के हिसाब से कस्टमाइज करे, तो हर साल के अंत में बीमा राशि को बचे हुए लोन के अनुसार घटाने को कहें। इससे बीमा सस्ता और सुविधाजनक होगा। यह तरीका आपके लिए लागत को नियंत्रित करने और जरूरत के हिसाब से कवरेज को समायोजित करने में मदद करता है।

लोन देने वाले से बीमा लेना अनिवार्य– कोई बैंकिंग नियम या कानून नहीं कहता कि होम लोन लेने के बाद उसी से बीमा लेना जरूरी है। बैंक और फाइनेंस कंपनियां ऐसा दबाव बनाती हैं ताकि लोन न चुकाने की स्थिति में उन्हें प्रॉपर्टी कब्जे और नीलामी की परेशानी न उठानी पड़े। वे अक्सर अपनी संबद्ध बीमा कंपनियों से पॉलिसी बेचने की कोशिश करते हैं।

प्रोटीन ई-गवर्नेंस टेक्नोलॉजीज को मिला 100 करोड़ रुपये का काम

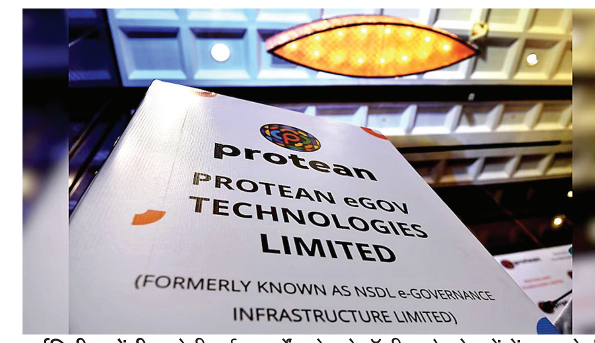

नईदिल्ली, एजेंसी। प्रोटीन ई–गवर्नेंस टेक्नोलॉजीज के शेयरों में आज तेजी देखने को मिली है। कंपनी के शेयरों में उछाल के पीछे की वजह नया वर्क ऑर्डर को माना जा रहा है। सोमवार को बाजार के बंद होने के बाद कंपनी ने इस वर्क ऑर्डर की जानकारी शेयर बाजारों के साथ साझा किया है।

1000 रुपये के पार पहुंच गया शेयर– बीएसई में प्रोटीन ई–गवर्नेंस टेक्नोलॉजीज के शेयरों का भाव 990.05 रुपये के लेवल पर खुला था। कंपनी के शेयरों का भाव 6 प्रतिशत से अधिक की तेजी के साथ 1009 रुपये के लेवल पर पहुंच गया था। हालांकि, इसके बाद भी कंपनी के शेयरों की कीमतों में नरमी देखने को मिली है।

बीमा सुगम से मिला है कंपनी को काम– 9 जून 2025 को बाजार के बंद होने के बाद प्रोटीन ई–गवर्नेंस टेक्नोलॉजीज ने बताया कि बीमा सुगम इंडिया फेडरेशन से काम मिला है। ऋऋक्रप्रक्रिया के तहत मिले इस काम की वैल्यू 100 करोड़ रुपये के करीब है।

शेयर बाजार में कंपनी का प्रदर्शन कैसा है– यह स्टॉक शेयर बाजार में कंपनी संघर्ष कर रही है। बीते एक हफ्ते में यह स्टॉक 3.62 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है। लेकिन एक महीने में यह स्टॉक 22 प्रतिशत टूटा है। वहीं, 2025 में कंपनी के शेयरों का भाव 49 प्रतिशत गिरा है। वहीं, एक साल में कंपनी के शेयरों की कीमतों में 12 प्रतिशत टूटा है। बता दें, कंपनी का 52 वीक हाई 2225 रुपये है। कंपनी का 52 वीक लो लेवल 944 रुपये है।

एनारॉक की रिपोर्ट

सुविधाओं के नाम पर कारपेट एरिया घटा रहे बिल्डर

नईदिल्ली, एजेंसी। प्रमुख शहरों की आवासीय परियोजनाओं में साझा सुविधाएं मुहैया कराने के नाम पर बिल्डरों ने कारपेट एरिया घटाकर औसत लोडिंग को 40 फीसदी तक पहुंचा दिया है। इससे पिछले कुछवर्षों से फ्लैट मालिकों को रहने लायक जगह कम मिल पा रही है। एनारॉक की रिपोर्ट के मुताबिक, 2019 में औसत लोडिंग अनुपात 31 फीसदी था, जो मार्च, 2025 तिमाही में बढ़कर 40 फीसदी पहुंच गया। किसी आवासीय परियोजना में साझा सुविधाओं के लिए इस्तेमाल जमीन को भी जोड़कर फ्लैट की बिक्री की जाती है। इस पूरे क्षेत्रफल को सुपर बिल्टअप

एरिया कहा जाता है, जबकि फ्लैट के भीतर की जगह कारपेट एरिया कही जाती है। इन दोनों के बीच अंतर को लोडिंग अनुपात कहा जाता है।

60 फीसदी हिस्सा ही रहने लायक– शीर्ष सात शहरों में फ्लैट की कुल जगह का 60 फीसदी हिस्सा ही रहने लायक है। बाकी 40 फीसदी क्षेत्र लिफ्ट, लॉबी, क्लब हाउस जैसी साझा सुविधाओं में चला जाता है।

मुंबई महानगर क्षेत्र में औसत लोडिंग सबसे – धिक 43 फीसदी पहुंच गईहै, जो 2019 में 33 फीसदी थी। चेन्नई में सबसे कम 36 फीसदी है। दिल्ली–एनसीआर में औसत लोडिंग 31 फीसदी से बढ़कर 41 फीसदी पहुंची। बंगलूरू में यह 41 फीसदी, पुणे में 40 फीसदी, हैदराबाद में 38 फीसदी और कोलकाता में 39 फीसदी हो गई।

कारपेट एरिया का उल्लेख जरूरी– एनारॉक ग्रुप के क्षेत्रीय निदेशक एवं प्रमुख (शोध–परामर्श) प्रशांत ठाकुर ने कहा, नियामक रेरा के तहत अब डेवलपरों के लिए फ्लैट खरीदने वालों को दिए जाने वाले कुल कारपेट एरिया का उल्लेख करना जरूरी है। लेकिन, फिलहाल किसी भी कानून में परियोजनाओं के लोडिंग फैक्टर को सीमित नहीं किया गया है।

पीयूष गोयल ने कहा

चार यूरोपीय देशों के समूह के साथ मुक्त व्यापार समझौता सितंबर तक लागू होने की संभावना

नईदिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत और चार देशों के यूरोपीय समूह ईएफटीए के बीच मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) इस साल सितंबर से लागू होने की संभावना है। यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ (ईएफटीए) के सदस्य देशों में आइसलैंड, लिश्टेंसटाइन, नॉर्वे और स्विट्जरलैंड शामिल हैं।

15 वर्षों में 100 अरब डॉलर की निवेश प्रतिबद्धता– दोनों पक्षों ने पिछले साल 10 मार्च को व्यापार और आर्थिक भागीदारी समझौते पर हस्ताक्षर किए थे।

इसके तहत भारत को इस समूह से 15 वर्षों में 100 अरब डॉलर की निवेश प्रतिबद्धता मिली है जबकि स्विस घड़ियों, चॉकलेट और कटे एवं पॉलिश किए गए हीरे जैसे कई उत्पादों को कम या शून्य शुल्क पर अनुमति होगी।

चार देशों की संसदों से मंजूरी मिली– गोयल ने ईएफटीए के साथ व्यापार समझौते पर कहा कि यह सितंबर तक लागू हो जाएगा। इस समझौते को सभी चार देशों की संसदों से मंजूरी मिल गई है। हालांकि स्विट्जरलैंड में इस पर 10 जुलाई तक आपत्ति की जा सकती है। जुलाई और अगस्त के महीनों में यहां छुट्टियां रहती हैं।

मशीनरी विनिर्माण जैसे क्षेत्रों में रुचि– गोयल भारत और स्विट्जरलैंड के बीच व्यापार एवं निवेश को बढ़ावा देने के लिए आधिकारिक यात्रा पर आए हैं।

डोनाल्ड ट्रंप का एक बयान और एलन मस्क की लग गई लॉटरी!

नईदिल्ली, एजेंसी। दुनिया के सबसे ताकतवर देश अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और दुनिया के सबसे बड़े रईस एलन मस्क के बीच आजकल संबंध बिगड़े हुए हैं। इस बीच ट्रंप ने सोमवार को कहा कि वह टेस्ला या स्टारलिंक से पीछा छुड़ाने नहीं जा रहे हैं। इससे इलेक्ट्रिक वाहन बनाने वाली कंपनी टेस्ला के शेयरों में 5 फीसदी तेजी

आई। इससे कंपनी के सीईओ एलन मस्क की नेटवर्थ में 13.9 अरब डॉलर की उछाल आई। ब्लूमबर्ग बिलिनेयर के मुताबिक मस्क की नेटवर्थ अब 356 अरब पहुंच गई है। इस साल उनकी नेटवर्थ में 76.2 अरब डॉलर की गिरावट आई है। टेस्ला 993.92 अरब डॉलर मार्केट कैप के साथ दुनिया की सबसे वैल्यूएबल ऑटो कंपनी है। दुनिया की टॉप वैल्यूएबल कंपनियों की लिस्ट में यह 11वें नंबर पर है। माइक्रोसॉफ्ट 3.513 ट्रिलियन डॉलर के साथ दुनिया की सबसे वैल्यूएबल कंपनी है। उसके बाद एनवीडिया (3.478 ट्रिलियन), ऐपल (3.045 ट्रिलियन), ऐमजॉन (2.303 ट्रिलियन) और गूगल की पेरेंट कंपनी अल्फाबेट (2.114 ट्रिलियन) का नंबर है। मेटा प्लेटफॉर्म, सऊदी अरामको, ब्रॉडकॉम, टीएसएमसी और बर्कशायर हैथवे टॉप 10 में शामिल हैं।

चांदी ने तोड़े सारे रिकॉर्ड, 2025 में बनाई नई ऊंचाई

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत में चांदी ने 2025 में सभी कमोडिटीज को पीछे छोड़ दिया है। पिछले हफ्ते एमसीएक्स पर इसकी कीमत 1,06,138 प्रति किलो के ऑल-टाइम हाई पर पहुंच गई। आज सर्राफा बाजारों में चांदी बिना जीएसटी 105560 रुपये प्रति किलो के ऑल टाइम हाई पर पहुंच गई है। निवेशकों और एक्सपर्ट्स की नजर अब इसी पर टिकी है। आइए समझें क्यों उड़ रही है चांदी जानें 3 बड़े कारण...

1. **सेफ-हेवन डिमांड:** रूस-यूक्रेन जंग और ग्लोबल तनाव के बीच लोगों ने चांदी को सुरक्षित निवेश माना।
2. **इंडस्ट्री का भूखा पेट:** सोलर पैनल, इलेक्ट्रिक व्हीकल्स और इलेक्ट्रॉनिक्स के लिए चांदी की मांग आसमान छू रही है।

3. **सप्लाई किल्लत:** रूस (दुनिया के टॉप-10 सिल्वर प्रोड्यूसर्स में से एक) से सप्लाई रुकने का डर। पहले से ही दुनिया में पिछले 5 साल से चांदी की कमी चल रही थी।

सोने को भी पीछे छोड़ा

आनंद राठी के नवीन माथुर का अनुमान है, 2025 में एमसीएक्स सिल्वर 1,15,000 से 1,23,000/केजी तक पहुंच सकता है। यानी अभी के भाव से 20 प्रतिशत तक का फायदा। रिच डैड पुअर डैड लेखक रॉबर्ट कियोसाकी का अनुमान है कि चांदी आज भी सबसे सस्ता निवेश है! इस साल 70/औंस (अंतरराष्ट्रीय बाजार) तक पहुंचने की उम्मीद है।

गरीबों के गोल्ड यानी चांदी का कमाल

2011 के पीक के बाद चांदी 10 साल तक लुढ़कती रही। 2020 से जादू चला और कोविड के बाद से लगातार तेजी जारी है। सोने की बढ़त से शुरुआत, फिर खुद के दम पर उड़ान। इसे डबल रोल यानी गहने बनाने प्लस इंडस्ट्री में काम आने वाली एकमात्र धातु होने का भी लाभ मिल रहा है।

कुछ अलग करने की थी चाहत...

सिर्फ 5,000 रुपये से शुरू किया काम, अब 70 करोड़ का टर्नओवर

नईदिल्ली, एजेंसी। जोधपुर के श्रवण डागा ने सिर्फ 5,000 रुपये से शुरुआत करके 70 करोड़ रुपये का आयुर्वेदिक जूस ब्रांड खड़ा किया है। उन्होंने 2007 में कृष्णा हर्बल एंड आयुर्वेद की शुरुआत की थी। उनका लक्ष्य था आयुर्वेदिक उत्पादों को हर घर में पहुंचाना। आज उनकी कंपनी 170 उत्पादों के साथ 70 करोड़ रुपये का कारोबार कर रही है। श्रवण ने यह सब तब शुरू किया जब परिवार के व्यवसाय को आगे बढ़ाना एक आम बात थी। हालांकि उन्होंने अपना अलग रास्ता बनाया। आइए, यहां श्रवण डागा की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

परिवार के व्यवसाय से नहीं जुड़े – श्रवण डागा का परिवार जोधपुर में लोहे और स्टील के कारोबार में था। उनसे उम्मीद थी कि वह भी यही काम करेंगे। लेकिन, श्रवण ने कुछ और करने की सोची। वह बचपन में बहुत शरारती थे। पढ़ाई में भी बहुत अच्छे नहीं थे। इस वजह से उन्हें माउंट आबू के एक स्कूल में भेजा गया। वहां उन्होंने 10वीं कक्षा तक पढ़ाई की। बाद में वह दिल्ली पब्लिक स्कूल, जोधपुर में पढ़े। 2007 में उन्होंने ओंकारमल सोमानी कॉलेज ऑफ कॉमर्स, जोधपुर से बीकॉम किया। उसी साल उन्होंने कृष्णा हर्बल एंड आयुर्वेद की भी शुरुआत की।

सिर्फ 5,000 रुपये से शुरू किया काम – 2007 में 23 साल की उम्र में श्रवण ने सिर्फ 5,000 रुपये के निवेश से अपना कारोबार शुरू किया।

थर्ड-पार्टी मैन्युफैक्चरर के तौर पर भी काम किया

श्रवण ने सिर्फ एक उत्पाद से शुरुआत की थी। लेकिन, बाद में उन्होंने 170 उत्पादों का पोर्टफोलियो बना लिया। जब उनका एलोवेरा जूस लोकप्रिय हो गया तो लोग उनसे दूसरे जूस, हर्बल पाउडर, हर्बल टैबलेट और यहां तक कि कॉस्मेटिक्स भी मांगने लगे। श्रवण ने कई व्यापार प्रदर्शनियों में भाग लिया। इससे उन्हें नए बिजनेस आइडिया मिले। हालांकि, लोगों को पहले एक नए आयुर्वेदिक उत्पाद के बारे में समझाना आसान नहीं था। अपना ब्रांड बनाने के साथ उन्होंने दो कंपनियों के लिए थर्ड–पार्टी मैन्युफैक्चरर के तौर पर भी काम किया। वह उनके लिए एलोवेरा जूस बनाते थे। यह उनका सबसे ज्यादा बिकने वाला उत्पाद बन गया। तभी श्रवण को एहसास हुआ कि उनके पास एक सफल उत्पाद है।

2 टुकड़ों में बंटने वाला है डिफेंस कंपनी का शेयर

डिविडेंड भी देगी कंपनी, शेयर खरीदने की लूट

नईदिल्ली, एजेंसी। डिफेंस इंजीनियरिंग कंपनी पारस डिफेंस स्टॉक के शेयर आज मंगलवार को कारोबार के दौरान फोकस में हैं। कंपनी के शेयर आज 2 प्रतिशत तक चढ़कर 1638 रुपये के इंट्रा डे हाई पर पहुंच गए। शेयरों में इस तेजी के पीछे एक ऐलान है। दरअसल, कंपनी ने कहा है कि उसे इक्विटी शेयरों के उप-विभाजन या स्टॉक विभाजन के लिए शेयरधारकों की मंजूरी मिल गई है। पारस डिफेंस द्वारा यह पहला स्टॉक विभाजन है।

कंपनी का कारोबार– मार्च तिमाही में पारस डिफेंस ने नेट प्रॉफिट में 97 प्रतिशत की शानदार बढ़ोतरी दर्ज की, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि के 10 करोड़ रुपये की तुलना में 19.7 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। कंपनी का रेवेन्यू भी पिछले वर्ष की तिमाही के 79.7 करोड़ रुपये से 35.8 प्रतिशत बढ़कर 108.2 करोड़ रुपये हो गया। पारस डिफेंस की ब्याज, कर, मूल्यह्रास और परिशोधन से पहले की आय बढ़कर 28.3 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले साल के 3.4 करोड़ रुपये से उल्लेखनीय वृद्धि है, जबकि मार्जिन एक साल पहले के 15.6 प्रतिशत से लगभग 10 प्रतिशत अंक बढ़कर 26.2 प्रतिशत हो गया।

क्या है डिटेल

पारस डिफेंस ने एक रेगुलेटरी फाइलिंग में कहा, आपको सूचित किया जाता है कि पारस डिफेंस एंड स्पेस टेक्नोलॉजीज लिमिटेड (कंपनी) के शेयरधारकों ने 07 जून, 2025 को पोस्टल बैलट के माध्यम से साधारण संकल्प के माध्यम से इक्विटी शेयरों के उप–विभाजन/विभाजन और कंपनी के मेमोरेंडम ऑफ एसोसिएशन (एमओए) के कैपिटल क्लॉज में बदलाव को मंजूरी दे दी है। 9 जून की एक्सचेंज फाइलिंग के अनुसार, 7 जून, 2025 को आयोजित एजीएम में 99.995 प्रतिशत शेयरधारकों ने प्रस्ताव को मंजूरी दी। बता दें कि पारस डिफेंस ने 30 अप्रैल को अपनी त्त्4 स्न्ङ्ग25 आय के दौरान 1:2 स्टॉक स्प्लिट और 0.50 रुपये प्रति शेयर का अपना पहला डिविडेंड घोषित किया है।

30,000 करोड़ के मिसाइल सिस्टम खरीदने की तैयारी में भारत

नईदिल्ली, एजेंसी। डिफेंस सेक्टर के शेयरों में आज मंगलवार को तगड़ी तेजी देखी गई है। भारत इलेक्ट्रॉनिक्स (बीईएल), बीईएमएल, भारत डायनेमिक्स (बीडीएल), डेटा पैटर्न, पारस डिफेंस और अन्य डिफेंस शेयरों में 5 प्रतिशत तक की तेजी दर्ज की गई है। इन शेयरों में तेजी के पीछे एक खबर है। दरअसल, खबर है भारतीय सेना 30,000 करोड़ रुपये की स्वदेशी क्विक रिएक्शन सरफेस-टू-एयर मिसाइल (क्यूआरएसएएम) सिस्टम खरीदने जा रही है।

किन शेयरों में कितनी तेजी– डिफेंस शेयरों में सबसे ज्यादा बढ़त डेटा पैटर्न के शेयरों में हुई, जो 4.83 प्रतिशत बढ़कर 3,097.65 रुपये के इंट्राडे हाई पर पहुंच गया, इसके बाद हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) का स्थान रहा, जो 2.6 प्रतिशत बढ़कर 5,138 रुपये पर पहुंच गया। डेटा पैटर्न और बीडीएल ने बढ़त हासिल की, जबकि बीईएल ने रिकॉर्ड ऊंचाई हासिल की।

क्या है क्यूआरएसएएम सिस्टम

क्यूआरएसएएम सिस्टम को हाई गतिशीलता और तेजी से तैनाती के लिए डिजाइन किया गया है। चलते समय या छोटे ठहराव के दौरान लक्ष्यों की खोज, ट्रैकिंग और फायरिंग करने में सक्षम, मिसाइल सिस्टम सेना की वायु रक्षा संरचनाओं को एक स्ट्रैटेजिक एडवांटेज प्रदान करता है। लगभग 30 किमी की परिचालन सीमा के साथ, क्यूआरएसएएम आकाश और मिड टूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल प्लेटफॉर्म जैसी मौजूदा सिस्टम का पूरक होगा। आर्मी एयर डिफेंस एक साथ नए रडार सिस्टम, बहुत कम दूरी की एयर डिफेंस सिस्टम और जैमर और लेजर–आधारित सिस्टम सहित ड्रोन काउंटरमेशर्स को शामिल कर रहा है। ये उभरते हवाई खतरों, विशेष रूप

रिपोर्ट में दावा: दो साल में 3 करोड़ को रोजगार, 4 करोड़ बढ़ी कामकाजी आबादी

महिलाओं की भागीदारी में भी उछाल

नईदिल्ली, एजेंसी। कोविड काल 2020-21 में 2.28 करोड़ नौकरियां जाने के बाद देश में पिछले दो वित्त वर्षों 2023-24 और 2024-25 के दौरान 3.06 करोड़ लोगों को रोजगार मिला है। इस दौरान कामकाजी आबादी के मुकाबले रोजगार में दोगुनी से अधिक वृद्धि रही। रोजगार में महिलाओं की स्थिति में भी तेजी से सुधार हुआहै। सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकॉनमी (सीएमआईई) ने रिपोर्ट में दावा किया है कि 2023-24 और 2024-25 में हर साल 1.50 करोड़ से अधिक लोगों को रोजगार मिला।यह सामान्य वर्ष में बड़ी वृद्धि है।कोविड काल के बाद सुधार वाले वित्त वर्ष 2021-22 में भी सिर्फ 1.25 करोड़ रोजगार का ही सृजन हुआ था। दो वित्त वर्षों में मिले कुल 3.06 करोड़ रोजगार में महिलाओं की हिस्सेदारी 1.28 करोड़ या 42 फीसदी रही।इनमें 2023-24 में सृजित 1.52 करोड़ रोजगार में महिलाओं की संख्या 78 लाख थी।2024-25 में जिन 1.54 करोड़ लोगों को रोजगार मिला, उनमें 50 लाख महिलाएं थीं।दो वित्त वर्षों में कामकाजी आबादी 4.14

करोड़ बढ़ी है।

कृषि क्षेत्र से पलायन जारी गैर–कृषि रोजगार में उछाल– कम वेतन के कारणकृषि क्षेत्र से पलायन जारी है।2022-23 में कृषि क्षेत्र में 1.1 करोड़ रोजगार खत्म हुए। 2023-24 में 10 लाख से भी कम रोजगार सृजित हुए, लेकिन 2024-25 में फिर 23 लाख लोग कृषि क्षेत्र से बाहर निकल गए। इसके विपरीत, गैर-कृषि रोजगार में 2022-23 में 1.28 करोड़, 2023-24 में 1.44 करोड़ और 2024-25 में 1.77 करोड़ की वृद्धि हुई। इस प्रकार, गैर-कृषि क्षेत्र में रोजगार की संख्या 2021-22 के 23.8 करोड़ से बढ़कर 2024-25 में 28.3 करोड़ पहुंच गई।

वृद्धि में शहरी क्षेत्र का अहम योगदान– रोजगार वृद्धि में शहरी क्षेत्रों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।इसकी प्रमुख वजह ग्रामीण इलाकों के मुकाबले शहरों में बेहतर भुगतान मिलना है।रिपोर्ट के मुताबिक, 2023-24 में सृजित कुल रोजगार में शहरी इलाकों की हिस्सेदारी 48 फीसदी रही।2024-25 में यह और बढ़कर 65 फीसदी पहुंच गई।शहरी भारत में 36 फीसदी कामकाजी आबादी रहती है।

केबल ऑपरेटरों ने खत्म किए 1.95 लाख रोजगार

ऑल इंडिया डिजिटल केबल फेडरेशन (एआईसीपीडीएफ) एवं ईवाई इंडिया की एक संयुक्त रिपोर्ट के मुताबिक, भुगतान आधारित केबल टीवी कनेक्शन वाले घरों की संख्या 2018 के मुकाबले चार करोड़ घटकर 2024 में 11.1 करोड़ रह गई। ऐसी स्थिति में स्थानीय केबल ऑपरेटरों ने अनुमानित तौर पर 1.14 लाख से 1.95 लाख तक रोजगार में कटौती कर दी। रोजगार में 2018 से 2024 के दौरान 31 फीसदी की कमी दर्ज की गई। रिपोर्ट के मुताबिक, 2018 में इन कनेक्शनों की संख्या 15.1 करोड़ थी, जो घटकर 2024 में 11.1 करोड़ रह गई।

केशव टाइम्स डिजिटल संस्करण

बक्सर, 11 जून 2025
website:keshavtimes.com
e-mail:keshavtimes1@gmail.com

टीवी की मशहूर प्रोड्यूसर एकता कपूर ने फिल्ममेकर अनुराग कश्यप के एक बयान पर नाराजगी जाहिर की है।

अनुराग कश्यप ने सास-बहू सीरियल्स का उड़ाया मजाक

गुस्साई एकता कपूर बोलीं- तुम बहुत बेवकूफ हो

दरअसल, अनुराग कश्यप ने हाल ही में नेटफ्लिक्स के सीईओ टेड सारंडोस को उनके विचार के लिए बेवकूफ कहा था। साथ ही कहा था कि नेटफ्लिक्स को भारत में शुरुआत सास-बहू सीरियल्स से करनी चाहिए थी। दरअसल, हाल ही में सारंडोस निखिल कामथ के डब्ल्यूटीएफ पॉडकास्ट पर गए। इस दौरान उन्होंने कहा था कि अगर दोबारा मौका मिलता तो वह भारत में सेक्रेड गेम्स से शुरुआत नहीं करते। उनकी नजर में कई ऐसे पॉपुलर शो हैं, जो ज्यादा अच्छा काम करते हैं। सारंडोस के इस बयान को लेकर अनुराग कश्यप ने उनकी आलोचना की। बता दें कि अनुराग कश्यप ने साल 2018 में नेटफ्लिक्स इंडिया के लिए सेक्रेड गेम्स शो बनाया था। इस पर अनुराग कश्यप ने इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा, नेटफ्लिक्स सीईओ टेड सारंडोस को नहीं लगता कि सेक्रेड गेम्स से भारत में शुरुआत करना सही था। शायद कोई ज्यादा पॉपुलर शो ज्यादा काम करता। अगर दोबारा मौका मिलता तो उन्हें सास-बहू सीरियल्स से शुरुआत करनी चाहिए थी, तब ठीक चलता और अब वही कर रहे हैं। मुझे पहले से पता था कि टेक्नोलॉजी वाले कहानी कहने में बेवकूफ होते हैं, लेकिन टेड सारंडोस खुद बेवकूफी की परिभाषा हैं, यह अब पता चला। अब सब कुछ समझ में आ गया है। अनुराग के इस पोस्ट पर एकता कपूर ने अपना गुस्सा जाहिर किया।

24 साल बाद अभिनेत्री ने किया खुलासा

सिर्फ इस वजह से आशुतोष राणा ने रेणुका शहाणे से की शादी

रेणुका शहाणे ने साल 2001 में आशुतोष राणा से शादी की थी। अब शादी के 24 साल बाद रेणुका शहाणे ने अपनी शादी को लेकर एक बड़ा खुलासा किया है।

बॉलीवुड अभिनेता आशुतोष राणा और अभिनेत्री रेणुका शहाणे बॉलीवुड के पसंदीदा कपल में से एक हैं। पर्दे पर काफी सख्त नजर आने वाले आशुतोष राणा ने रेणुका शहाणे से तीन साल डेटिंग के बाद शादी की है। अब कपल की शादी को 24 साल बीत चुके हैं और दोनों एक हैप्पी कपल की तरह रहते हैं। शादी के 24 साल बात अब रेणुका शहाणे ने अपनी शादी को लेकर एक बड़ा खुलासा करते हुए बताया है कि उन्होंने आशुतोष राणा से शादी क्यों की।

बच्चों के लिए रेणुका शहाणे ने की शादी

गौहर खान से उनके पोडकास्ट में बातचीत के दौरान रेणुका शहाणे ने बताया कि बेशक हम लोग डेट कर रहे थे, लेकिन शादी करने जैसा विचार किसी के मन में नहीं था। उन्होंने कहा, हम दोनों अपने करियर में आगे बढ़ रहे थे और अपनी स्वतंत्र ज़िंदगी से संतुष्ट थे। शादी करना हमारे लिए एक कठिन संभावना थी। लेकिन मैंने शादी सिर्फ इसलिए की क्योंकि मैं बच्चे चाहती थी। मैं बहुत खुश थी क्योंकि मैं हमेशा से अपने बच्चों को एक अच्छी परवरिश और परिवार देने की सोचती थी। राणा जी एक बहुत ही पारिवारिक व्यक्ति हैं। ऐसे में आप चाहते हैं कि आपके बच्चे का पिता भी ऐसा ही हो। बातचीत के दौरान रेणुका शहाणे ने यह भी बताया कि आशुतोष राणा ने उनसे शादी क्यों की। अभिनेत्री ने कहा, राणा जी ने मुझसे शादी अपने आध्यात्मिक गुरु के कारण की। गुरु जी ने उन्हें ऐसा करने के लिए कहा था। जब हम डेटिंग कर रहे थे, तो उनके गुरुजी ने उनसे कहा कि मैंने तुम्हारे लिए एक बहू चुनी है। वह डर गए थे। यह व्यक्ति कौन है? उन्हें नहीं पता था कि गुरुजी केवल मेरे बारे में बात कर रहे थे। गुरुजी ने कहा कि वह एक अच्छी लड़की है, तुम्हें उसका हाथ मांगना चाहिए। इसके बाद उन्होंने मेरी मां को बताया कि वह मुझसे शादी करना चाहते हैं, जैसा कि उनके आध्यात्मिक गुरु ने सुझाव दिया था। मां हैरान रह गई और उन्होंने सवाल किया कि क्या आप सच में प्यार रेणुका से प्यार करते हैं और इसलिए उससे शादी करना चाहते हैं या सिर्फ इसलिए क्योंकि उनके गुरु ने उन्हें ऐसा करने की सलाह दी है। इस पर उन्होंने कहा कि वो सच में मुझसे प्यार करते हैं और शादी करना चाहते हैं।

पीएम मोदी के आह्वान से

छोटे कारीगरों और व्यवसायों को मिली नई ताकत: रुपाली गांगुली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तीसरे कार्यकाल के एक साल सोमवार को पूरे हो गए। उन्हें केंद्र की सत्ता में रहते हुए 11 साल हो चुके हैं। इस मौके पर टेलीविजन की लोकप्रिय अभिनेत्री रुपाली गांगुली ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बात करते हुए पीएम मोदी की जमकर तारीफ की। रुपाली गांगुली ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चीन के उत्पादों के बहिष्कार का आह्वान किया, जिसके बाद से यह विचारधारा धीरे-धीरे देशभर में व्यापक रूप से स्वीकार की जाने लगी है। शुरुआत में केवल मोदी जी के समर्थक इस आंदोलन में शामिल हुए थे, लेकिन समय के साथ जनता ने भी यह महसूस किया कि घरेलू उत्पादों को प्राथमिकता देना न केवल हमारे कारीगरों और छोटे व्यवसायों को मजबूत करता है, बल्कि देश की आर्थिक आत्मनिर्भरता को भी बढ़ावा देता है। आज देश के कई नागरिक गर्व के साथ कहते हैं कि उनके घरों में चीन का कोई भी सामान नहीं आता। लोग उत्पाद के लेबल को देखकर सुनिश्चित करते हैं कि वह मेड इन इंडिया हो, जिससे यह आंदोलन और भी सशक्त होता जा रहा है। उन्होंने कहा, मेड इन इंडिया के प्रति बढ़ती जागरूकता ने देशवासियों में अपनी अर्थव्यवस्था पर गर्व करने की भावना को जागृत किया है। छोटे-छोटे कदमों से शुरू हुआ यह आंदोलन केवल एक उत्पाद या अभियान नहीं था, बल्कि आम जनता के लिए एक शुरुआत थी कि वे भारत को अपना व्यवसाय दें। उदाहरण के तौर पर, जब बात छुट्टियों की होती है, तो अब लोग देश के भीतर ही घूमने-फिरने को प्राथमिकता देते हैं, ताकि घरेलू पर्यटन को बढ़ावा मिल सके। लोग स्थानीय सामान खरीदने, देश में निवेश करने और ईज ऑफ डुइंग बिजनेस की नीतियों का फायदा उठाकर भारत को एक बेहतर निवेश स्थल बनाने में विश्वास रखते हैं। विदेशी निवेशकों को भी यह भरोसा दिया गया है कि सरकार उन्हें पूरी सहायता प्रदान करेगी, जिससे देश में व्यापार करना और भी आसान हुआ है।

एक्ट्रेस ने कहा, अब एप्पल जैसे वैश्विक ब्रांड भी अपने उत्पादों का निर्माण देश में ही कर रहे हैं, जो पहले हमारे लिए एक दूर की कल्पना थी। इसके साथ ही, अन्य कई कंपनियां भी अपने प्रोडक्ट्स को भारत में बनाने लगी हैं, जिससे स्थानीय उद्योगों को बढ़ावा मिल रहा है।

इस बदलाव में रतन टाटा जैसे दिग्गज उद्योगपतियों का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा है, जिन्होंने देश में उत्पादन और निवेश को प्रोत्साहित करने में अग्रणी भूमिका निभाई है। रुपाली ने कहा, पहले शायद किसी ने सोचा भी नहीं था कि विदेशी कंपनियां भारत में बड़े पैमाने पर निवेश और उत्पादन करेंगी। लेकिन मोदी सरकार की 'ईज ऑफ डुइंग बिजनेस' और पारदर्शिता की नीतियों ने देश के उद्योगपतियों के लिए कारोबार करना पहले से कहीं ज्यादा आसान बना दिया है।

शादीशुदा डायरेक्टर से हुई मोहब्बत, 50 साल में भी कुंवारी रह गई ये एक्ट्रेस, कहा था-

मैंने कई साल तक किसी मर्द को...

बॉलीवुड में कई ऐसे सितारे रहे हैं जिन्हें अपनी ज्यादा उम्र या शादीशुदा लोगों से प्यार हो गया. इनमें कई लोगों ने घर बसा लिया तो कई लोगों की सात फेर तक नहीं पहुंच पाई. बॉलीवुड की एक एक्ट्रेस रही है जिसने शादीशुदा डायरेक्टर से दिल लगा लिया और दोनों का रिश्ता काफी समय तक चला लेकिन शादी के लिए मुकम्मल नहीं हो पाया. यहां तक कि ये एक्ट्रेस 50 साल की हो गई है और अभी तक किसी से शादी नहीं की है. आइए जानते हैं कि एक एक्ट्रेस कौन है और उसकी दिलचस्प लव स्टोरी क्या है. अमीषा पटेल 9 जून को 50 साल की हो गई हैं. 50वां जन्मदिन मना रहीं एक्ट्रेस के फैंस उन्हें बधाई दे रहे हैं. इस खास मौके पर हम आपको अमीषा पटेल की लवलाइफ के बारे में बताएंगे.

विक्रम भट्ट से प्यार कर बैठी थीं अमीषा पटेल

अमीषा पटेल को शादीशुदा डायरेक्टर विक्रम भट्ट से प्यार कर बैठी थीं. दोनों का रिश्ता कुछ साल तक चला और फिर टूट गया था. इस रिश्ते के टूटने से अमीषा पटेल की जिंदगी पर काफी असर पड़ा था.

अमीषा पटेल ने एक इंटरव्यू के दौरान कहा था कि विक्रम भट्ट के साथ रिश्ते चलते उनका करियर बर्बाद हो गया और परिवार से भी उनका रिश्ता काफी प्रभावित हुआ. वह एक दशक तक मर्दों से दूर रहीं. अमीषा पटेल ने कहा था, ये ऐसी इंडस्ट्री जहां मेरे जैसे ईमानदार लोगों के लिए जगह नहीं है. मैं ईमानदार लोगों में से एक हूं जो अपने दिल की बात खुलकर कहने पर यकीन करती हूं.

मैंने किसी मर्द को जिंदगी में जगह नहीं दी

मुझे लगता है कि ये मेरे अंदर की सबसे बड़ी कमी रही है. मैंने दो रिश्तो के पब्लिकली स्वीकार किया था और दोनों रिश्तों ने मेरे करियर को प्रभावित किया. फिर मैंने कई साल तक किसी मर्द को अपनी जिंदगी में जगह नहीं दी. मैं अपनी जिंदगी में सिर्फ सुकून चाहती थी.

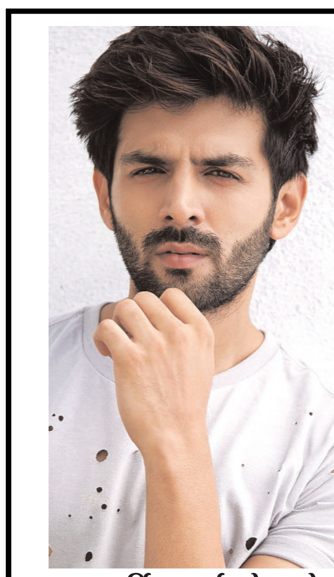

कार्तिक आर्यन ने अपने रिलेशनशिप पर दिया अपडेट

कार्तिक आर्यन ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें साझा की, इन तस्वीरों के जरिए वह फैंस को अपने रिलेशनशिप का अपडेट देते नजर आ रहे हैं। साथ ही इन तस्वीरों के साथ कार्तिक ने एक कैप्शन भी लिखा है, 'तू मेरी।' आखिर ये पूरा माजरा क्या है? कार्तिक किसको अपना बता रहे हैं?

कार्तिक आर्यन इन दिनों क्रोएशिया नाम की एक यूरोपियन कंट्री में अपनी एक फिल्म 'तू मेरी मैं तेरा मैं तेरा तू मेरी' की शूटिंग कर रहे हैं। शूटिंग से समय निकालकर उन्होंने कुछ तस्वीरें फैंस के साथ शेयर की है। साथ ही कैप्शन लिखा है, 'डक लव यू डबरोवनिक।' अपनी तस्वीरों के साथ बैग की फोटो भी कार्तिक ने शेयर की है, इस बैग पर एक टैग लगा है, जिस पर तीन ऑप्शन हैं, सिंगल, टेकन और डिपेंड ऑन हू इज आस्किंग। तीसरे ऑप्शन पर टिक मार्क लगा हुआ है। इस तस्वीर ने कार्तिक के फैंस का ध्यान खींचा।

कार्तिक के बैग और उस पर लगे टैग को देखकर फैंस ने कार्तिक आर्यन से कमेंट सेक्शन में ही सवाल पूछने शुरू कर दिए।

कैटरीना का लिपस्टिक सीक्रेट आया सामने—और यह अब तक का सबसे ड्यूई फॉर्मूला है!

मैट और ड्राईंग फ़ॉर्मूले से भरी दुनिया में, के ब्यूटी हाइड्रा क्रीम लिपस्टिक आपके होंठों के लिए हाइड्रेशन हीरो है। कैटरीना कैफ़ द्वारा सह-निर्मित, यह लिपस्टिक सिर्फ़ रंग नहीं है–यह एक स्किन-लविंग, मॉइश्चर से भरपूर चमत्कार है। हाइलूरोनिक एसिड, मोरक्कन ऑयल और लीची एक्सट्रैक्ट से तैयार, इसका हर एक स्वाइप आपके होंठों को ताजगी से भर देता है, जैसे पानी का एक ठंडा गिलास। मक्खन जैसी, मुलायम और बेहद आरामदायक, जो आपके होंठों को मुलायम, कोमल और पूरे दिन भरपूर, चमकदार रंग से सराबोर रखती है। चाहे आप डेस्क पर बैठे हों या चलते-फिरते हों, यह लिपस्टिक बिना किसी टच-अप के भी एक तरोताज़ा और हाइड्रेटेड लुक देती है। यह हाइड्रेशन-फ़र्स्ट मेकअप है जिसमें पिगमेंट की कोई कमी नहीं–यही हाइड्रा क्रीम मैजिक की शक्ति है। यह कैटरीना कैफ की पर्सनल फेवरेट है - कॉफी रन से लेकर रेड कार्पेट तक हर चीज़ के लिए पसंदीदा शेड है। ये शेड हर स्किन टोन पर जचता है और बिना किसी कोशिश के स्टाइलिश लुक देता है। मानो दूसरी त्वचा की तरह लगता है। के ब्यूटी हाइड्रा क्रीम लिपस्टिक जैसा कोई नहीं है - के ब्यूटी की अब तक की सबसे हाइड्रेटिंग लिपस्टिक और एक बेहद आरामदायक फ़ॉर्मूला जो हर जगह ब्यूटी प्रेमियों के लिए ज़रूरी बन गया है। यह बटर जैसी मुलायम लिपस्टिक वह सब कुछ देती है जो आप चाहते हैं - कुशनी टेक्सचर, चमकदार रंग और घंटों तक टिकने वाला हाइड्रेशन। यह आराम और प्रभाव का एक बेहतरीन मिश्रण है, जो इसे रोज़मर्रा की खूबसूरती बिना मेहनत वाले लुक के लिए परफेक्ट बनाता है। के ब्यूटी के नवीनतम अभियान में, कैटरीना कैफ ने लिपस्टिक के कुशनी टेक्सचर, चमकदार फिनिश और त्वचा को पसंद आने वाले तत्वों पर प्रकाश डाला है, जो इसे हर समय के लिए एक परफेक्ट चॉइस बनाते हैं।

'मोरनी बनके' की शूटिंग के दौरान चोटिल थीं सान्या

अभिनेत्री सान्या मल्होत्रा ने साल 2018 में रिलीज हुई फिल्म 'बधाई हो' को लेकर बड़ा खुलासा किया है। उन्होंने बताया कि फिल्म के गाने 'मोरनी बनके' की शूटिंग के दौरान वह चोटिल थीं। सान्या मल्होत्रा ने बताया कि इस गाने की शूटिंग के समय वह चोटिल थीं, उन्हें टांके लगे थे, और उनकी चोट ताजा थी। यह बात सान्या ने मशहूर कोरियोग्राफर और निर्देशक फराह खान के साथ उनके यूट्यूब व्लॉग में बातचीत के दौरान साझा की। व्लॉग वीडियो में सान्या मल्होत्रा, फराह खान के साथ बुरिटो बाउल डिश का लुत्फ उठाती और अपनी फिल्मी यात्रा पर चर्चा करती नजर आईं। 'मोरनी बनके' गाने की शूटिंग का जिक्र करते हुए सान्या ने बताया कि वह फिल्म 'पटाखा' की शूटिंग के दौरान चोटिल हो गई थीं। उनकी बांह पर टांके लगे थे, लेकिन इसके बावजूद उन्होंने 'मोरनी बनके' की शूटिंग की। सान्या ने हंसते हुए बताया, यही नहीं, मैं दोबारा गिर गई थी।

बधाई हो के गाने की शूटिंग के लिए फर्श को तेल से चमकाया गया था ताकि वह चमकदार दिखे। मैं चल रही थी और जैसे ही गाने की लाइन आई, 'कैटवॉक वाली बेबी है तेरी चाल' पर स्टेप के दौरान मैं फिसल गई। मैंने इस मजेदार पल का वीडियो भी सोशल मीडिया पर शेयर किया था, जिसमें मैं फिसलने के बाद हंस रही थी। फराह ने मजाक में कहा कि जिस फिल्म में हीरोइन गिरती है, वह हिट हो जाती है। उन्होंने 'कल हो ना हो' के एक सीन का उदाहरण भी दिया।